हिंदी दैनिक

नागपुर मेट्रो समाचार

BCN GROUP

RNI.NO - MAHHIN/2019/78960 | P.NO : NPCITY/516/2021-2023 | नागपुर, शनिवार, 16 नवंबर 2024 | अंक 34 / वर्ष 6 / पृष्ठ 8+4 / कीमत 3/-

सहारनपुर में ट्रेन को डिरेल करने की साजिश

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में ट्रेन को डिरेल करने की साजिश सामने आई है। सहरानपुर-अंबाला रेल खंड पर सरसावा रेलवे स्टेशन के नजदीक 'पेंड्रोल क्लिप' खोलकर पटरी पर रख दी गई। इसकी सूचना मिलते ही ट्रेनों का परिचालन रोक दिया गया। अधिकारियों शुक्रवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि घटना गुरुवार रात की है, जब रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के गश्ती दल ने सरसावा रेलवे स्टेशन के निकट खंभा नंबर-199 के पास 'पेंड्रोल क्लिप' को

पटरियों के ऊपर रखा देखा। इसके बाद उन्होंने तुरंत उच्चाधिकारियों को इसकी सूचना दी। 'पेंड्रोल क्लिप' स्लीपर और पटरियों को आपस में जोड़ने का काम करती है। इसके न होने से हादसे का खतरा हो सकता है। अंबाला मंडल के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम), राजकीय रेलवे पुलिस, आरपीएफ के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। आरपीएफ ने अज्ञात लोगों के खिलाफ रेलवे अधिनियम की प्रासंगिक धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इस मामले पर डीआरएम मंदीप सिह ने कहा, इस बात की जांच की जा रही है कि यह किसी की शरारत है या किसी ने साजिश के तहत 'पेंड्रोल क्लिप' को खोलकर पटरियों पर रख दिया। बता दें कि उत्तर प्रदेश में पहले भी इस तरह की रेलगाड़ियों को पलटाने की कोशिश की घटनाएं सामने आ चुकी हैं। प्रशासन की ओर से इस मामले में जांच की गई आरोपियों की पहचान कर उन्हें हिरासत में लिया गया। साथ ही उनसे इस पूरे मामले पर पूछताछ भी की गई।

खबरें! एक नजर में!!

पीएम के विमान में तकनीकी खराबी

रांची। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शुक्रवार को उनके विशेष विमान में आई तकनीकी खराबी के कारण झारखंड के देवघर हवाई अड्डे पर एक घंटे से अधिक समय तक फंसे रहे। पीएम मोदी बिहार के जमुई में एक रैली को संबोधित करने के बाद भारतीय वायु सेना के विमान से वापस नई दिल्ली के लिए उड़ान भरने वाले थे। वह बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर आयोजित एक समारोह में भाग लेने के लिए जमुई आए थे।

45 मिनट तक रुका रहा राहुल का हेलीकॉप्टर

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद और विपक्ष के नेता राहुल गांधी का हेलीकॉप्टर 45 मिनट तक क्लीयरेंस नहीं मिलने के कारण झारखंड के महगामा में करीब 45 मिनट तक रूका रहा। जमुई में पीएम नरेंद्र मोदी का कार्यक्रम इसकी वजह थी, लेकिन बाद में क्लीयरेंस मिलने के बाद हेलीकॉप्टर ने उड़ान भरी।

अमित शाह के हेलिकॉप्टर की जांच

नई दिल्ली। होम मिनिस्टर अमित शाह के हेलिकॉप्टर की भी शुक्रवार को जांच की गई है। इसका वीडियो भी खुद अमित शाह ने शेयर किया है। वह शुक्रवार को जब हिंगोली में चुनाव जनसभा को संबोधित करने पहुंचे तो वह मौजूद चुनाव आयोग के अधिकारियों ने उनके हेलिकॉप्टर की जांच की। शाह ने इस समय कहा कि माननीय चुनाव आयोग द्वारा बनाए गए सभी नियमों का पालन करती है।

खाई में गिरी कार चार की मौत

जयपुर। राजस्थान के पाली जिले में केनपुरा गांव के पास एक कार के सड़क किनारे खाई में गिरने से एक ही परिवार के चार सदस्यों की मौत हो गई जबकि दो व्यक्ति घायल हो गए। कार सवार लोग महाराष्ट्र के कोल्हापुर से थे। केनपुरा गांव के पास गुरुवार रात को उस समय यह घटना हुई जब कार में मौजूद छह लोग अपने रिश्तेदारों से मिलने के बाद जोधपुर से सिरोही जिले के शिवगंज जा रहे थे।

संगीतकार संजय चक्रवर्ती गिरफ्तार

कोलकाता। कोलकाता पुलिस ने मुंबई से एक मशहूर संगीतकार को अपने इंस्टीट्यूट में एक छात्र से छेड़छाड़ करने के आरोप में गिरफ्तार किया। एक अधिकारी ने बताया कि करीब दो महीने तक चले चूहे-बिल्ली के खेल के बाद गायक और संगीतकार संजय चक्रवर्ती को चारू पुलिस ने मुंबई के एक इलाके से गिरफ्तार किया। उसके खिलाफ पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज कर किया गया है।

महायुति-एमवीएम में लगी है रेस

< कौन बनेगा सीएम फेस
> इन नामों ने फंसाया पेच

मुंबई।

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में महायुति और महाविकास अघाड़ी गठबंधन आमने-सामने हैं। दोनों पक्षों ने जीत के लिए सबकुछ दांव पर लगा दिया है। इस बीच बड़ा सवाल यह है कि महायुति और महाअघाड़ी में सीएम फेस कौन है? जहां भाजपा के बयानों से संकेत मिल रहा है कि वह चुनाव के बाद देवेंद्र फडणवीस के साथ जाने वाली है। वहीं, शिंदे सेना की महत्वाकांक्षाएं भी जोर मार रही हैं। दूसरी तरफ एमवीए में भी कांग्रेस ने अचानक मुख्यमंत्री पद के लिए दावेदारी पेश करके मामले को दिलचस्प बना दिया है। ऐसे में देखना दिलचस्प होगा कि सीएम फेस की रेस में कौन मारता है बाजी और कौन फंसाता है पेच।

मुख्यमंत्री बनने की रेस में चाचा-भतीजा भी पीछे नहीं हैं। जानकारों के मुताबिक महाविकास अघाड़ी में चाचा शरद पवार के किसी खास का नाम भी रेस में हो सकता है। वहीं भतीजा अजित पवार भी महायुति में इस पद के लिए अपना नाम पेश कर सकते हैं। गौरतलब है कि 2022 में फडणवीस के समर्थकों में काफी ज्यादा मायूसी थी। तब बड़ा नाम होने के बावजूद फडणवीस को एकनाथ शिंदे के हाथों सीएम पद गंवाना पड़ा था। तब पार्टी हाई कमान के आदेश पर उन्होंने सरकार में नंबर दो होना स्वीकार किया था। लेकिन इस बार यह कहानी बदल सकती है। इस बात के संकेत हाल में भाजपा की तरफ से आए बयानों से भी मिल रहा है। भाजपा के मुख्य रणनीतिकार और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने एक रैली के दौरान खुलेआम कहा था कि महाराष्ट्र को मोदी जी और फडणवीस जी में काफी भरोसा है। इस दौरान उन्होंने एकनाथ शिंदे का नाम भी नहीं लिया।

एमवीए में कौन आगे?

सीएम पद के लिए एमवीए में भी कम ड्रामा नहीं है। साल 2019 में भाजपा ने उद्धव ठाकरे पर आरोप लगाया था कि उन्होंने सीएम बनने के लिए गठबंधन तोड़ दिया। ऐसे में अगर इस बार महाविकास अघाड़ी की सरकार बनती है तो उद्धव ठाकरे फिर से सीएम जरूर बनना चाहेंगे। हालांकि उनकी महत्वाकांक्षा के रास्ते में इस बार कांग्रेस रोड़े अटका सकती है। बता दें कि उद्धव ठाकरे ने लगातार मांग उठाई है सीएम फेस पहले ही घोषित होना चाहिए। लेकिन कांग्रेस नेता पृथ्वीराज चव्हाण ने स्पष्ट किया है कि जिस पार्टी के पास अधिक विधायक होंगे, सीएम उसी से होगा। ऐसी भी चर्चाएं हैं कि एनसीपी-शरद पवार सुप्रिया सुले को भी सीएम का दावेदार बना सकती है।

अब ग्रेजुएशन 2 साल में ही कर सकेंगे

यूजी सी अगले साल तक ला सकता है नई पॉलिसी

नई दिल्ली। स्टूडेंट्स अगले एकेडमिक ईयर से ग्रेजुएशन में कोर्स ड्यूरेशन को घटा या बढ़ा सकेंगे। यूनिवर्सिटी ग्रांट कमीशन (यूजीसी) ग्रेजुएशन 2025-26 एकेडमिक ईयर से ग्रेजुएशन की डिग्री पूरी करने के लिए एक नए फ्लेक्सिबल अप्रोच पर काम कर रहा है।

इसके तहत ग्रेजुएशन डिग्री जो 3 से 4 साल में होती है, उसे स्टूडेंट्स कमकर दो से ढाई साल में कर सकेंगे। यह जानकारी यूजीसी चेयरमैन एम.जगदीश कुमार ने आईआईटी मद्रास के एक प्रोग्राम में गुरुवार को दी। आईटीटी मद्रास के डायरेक्टर वी कामाकोटी ने इस पॉलिसी का सुझाव दिया था। इस पर यूजीसी लंबे समय से काम रहा है। इससे पहले राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के तहत यूजीसी डिग्री के बीच में ब्रेक लेने का ऑप्शन भी स्टूडेंट्स के लिए ला चुका है। अगर कोई स्टूडेंट चाहे तो वह कोर्स से ब्रेक ले सकता है और बाद में वापस आकर इसे पूरा कर सकता है। इसे लेकर यूजीसी चेयरमैन ने कहा कि हमारा काम स्टूडेंट्स को क्रिटिकल थिंकर बनाना है। हम उन्हें ऐसा बनाना चाहते है जिससे वो देश के विकास में मदद कर सकें।

पूरे उत्तर भारत पर छाई धुंध

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर समते पूरा उत्तर भारत पिछले दो दिनों से धुंध की सफेद चादर में लिपटा हुआ है। शुक्रवार को तीसरे दिन भी हालात वैसे ही थे। सर्दी के साथ ही धुंध से बुरा हाल है। धुंधली धुंध कुछ इस कदर है कि आवाजाही में खास परेशानी हो रही है। उत्तर भारत के कई शहर कोहरे और धुंध की चपेट में हैं। सुबह 9 बजे भी हालात कुछ ऐसे रहे कि ठीक से दिखाई तक नहीं दे रहा था। इसका असर ट्रेनों और फ्लाइट्स पर भी देखने को मिल रहा है। शुक्रवार को भी अमृतसर, चंडीगढ़ और दिल्ली की कई फ्लाइटस लेट हो गई। रनवे पर विजिबिलिटी बहुत ही कम होने की वजह से फ्लाइट्स पर असर देखा गया। लखनऊ, चंडीगढ़ आने वाली फ्लाइट्स को कोहरे और धुंध की वजह से जयपुर डायवर्ट कर दिया गया। ट्रेनों का हाल भी कुछ ऐसा ही है। दिल्ली के अलग-अलग स्टेशनों पर ट्रेनों में देरी हो रही है। दिल्ली आने वाली कई ट्रेनों भी देरी से चल रही हैं। दिल्ली आने वाली 30 से ज्यादा ट्रेनें देरी से चल रही हैं। दिल्ली-एनसीआर की 50 से ज्यादा ट्रेनों पर कोहरे का असर देखा जा रहा है। नई दिल्ली आने-जाने वाली 30 से ज्यादा ट्रेनें अपने समय से काफी देरी पर चल रही हैं। आनंद विहार आने वाली 10 ट्रेनें भी देरी से चल रही हैं। एनसीआर में 50 से ज्यादा ट्रेनों पर कोहरे का असर देखा जा रहा है, ये सभी ट्रेनें लेट चल रही हैं. ज्यादातर जगहों पर दृष्यता बहुत कम है।

सुको ने केंद्र से मैटरनिटी लीव पर जवाब मांगा

तीन सप्ताह के भीतर जवाब दाखिल करने का निर्देश

नई दिल्ली।

सुप्रीम कोर्ट ने 12 नवंबर को केंद्र सरकार की मैटरनिटी लीव पॉलिसी को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई की। याचिकाकर्ता ने केंद्र सरकारी की मैटरनिटी बेनिफिट अमेंडमेंट एक्ट के सेक्शन 5(4), 2017 की कॉन्स्टिट्यूशनल वैलिडिटी को चुनौती दी है। याचिकाकर्ता ने कहा है कि 3 महीने से ज्यादा उम्र के बच्चों को गोद लेने पर मैटरनिटी लीव नहीं मिलती है। ऐसे में बच्चा गोद लेने वाली माताओं को दी गई कथित 12 सप्ताह की मैटरनिटी लीव सिर्फ एक दिखावा है।

जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस पंकज मिठल की बेंच ने इस संबंध में केंद्र सरकार से 3 हफ्ते में अपना जवाब दाखिल करने का कहा है। साथ ही जवाब की कॉपी पहले याचिकाकर्ता को देने के निर्देश दिए हैं। अभी नियम ये है कि 3 महीने से कम उम्र के बच्चों को गोद लेने वाली या सरोगेट माताओं को 12 हफ्तों की छुट्टी मिलेगी। लेकिन 3 महीने से ज्यादा के बच्चों को गोद लेने पर मैटरनिटी लीव का कोई प्रावधान नहीं है।

जस्टिस पारदीवाला ने कहा- याचिका में कहा गया है कि केंद्र ने 3 महीने की उम्र को सही ठहराते हुए अपना जवाब दाखिल किया है, लेकिन सुनवाई के दौरान कई मुद्दे सामने आए हैं जिन पर विचार करने की जरूरत है। ये क्या तर्क है कि बच्चा 3 महीने या उससे कम का होना चाहिए? मैटरनिटी लीव देने का मकसद क्या है? इसको लेकर केंद्र से 3 सप्ताह के अंदर जवाब पेश करे।

शीर्ष अदालत ने कहा, इस मामले में केवल वही महिला मातृत्व अवकाश लाभ लेने की हकदार होगी, जिसके बच्चे की आयु कम है या वो तीन महीने से कम उम्र के बच्चे को गोद लेती है। आयु अधिक होने पर मातृत्व अवकाश का लाभ नहीं मिलेगा। केंद्र सरकार को विशेष रूप से इस बात का औचित्य बताना होगा। इस मामले में अगली सुनवाई 17 दिसंबर को होगी।

नई राष्ट्रीय जल नीति की दिशा में आगे बढ़ी सरकार

नई दिल्ली। लंबे इंतजार के बाद केंद्र सरकार ने जल प्रबंधन को लेकर नई राष्ट्रीय नीति की दिशा में काम करना आरंभ कर दिया है। लगभग एक साल के परामर्श के बाद राज्यों में पानी के पूरे ढांचे का एक नियंत्रण स्थापित करने के लिए केंद्र सरकार ने एक ड्राफ्ट बिल उनके साथ साझा किया है, जो हर राज्य में एक एकीकृत जल संसाधन प्रबंधन प्राधिकरण स्थापित करने का मार्ग प्रशस्त करेगा। प्रस्ताव के अनुसार राज्यों में मुख्यमंत्री इस प्राधिकरण के प्रमुख होंगे और पानी से जुड़े सभी विषय इसमें आएंगे, जिसमें जल संसाधनों का रखरखाव, उनकी निगरानी और घरेलू, उद्योग तथा कृषि क्षेत्रों में इसके इस्तेमाल में सुधार करने जैसे उपाय शामिल हैं। इस तरह का सुझाव केंद्र सरकार के ब्यूरो आफ वाटर यूज एफिशिएंसी की विशेषज्ञ समिति ने पिछले साल दिया था। समिति ने केंद्रीय स्तर पर भी इस तरह के प्राधिकरण के गठन की जरूरत बताई थी ताकि पानी को लेकर अलग-अलग मंत्रालयों और विभागों के कामकाज को एक छत के नीचे लाया जा सके।

महाराष्ट्र में मतदान से वचिंत रहेंगे 12 लाख किसान!

कई किसान अन्य राज्यों के गन्ना उत्पादक क्षेत्र की ओर कर चुके हैं पलायन

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में राज्य के कुछ हिस्सों में मौजूद किसान मतदान करने से चूक सकते है। मराठवाड़ा, उत्तर महाराष्ट्र और विदर्भ के 12 लाख से अधिक गन्ना किसान 20 नवंबर को होने वाले राज्य विधानसभा चुनाव में मतदान करने का मौका चूक सकते हैं।

महाराष्ट्र गन्ना कटाई एवं परिवहन संघ के अनुसार 15 नवंबर से गन्ना पेराई सत्र शुरू होने के साथ ही कटाई करने वाले लाखों श्रमिक विभिन्न जिलों से पहले ही पश्चिमी

महाराष्ट्र और कई अन्य राज्यों के गन्ना उत्पादक क्षेत्र की ओर पलायन कर चुके हैं। संघ ने औरंगाबाद उच्च न्यायालय पीठ से निर्वाचन आयोग को निर्देश देने का अनुरोध किया है कि वह यह सुनिश्चित करे कि मतदाताओं के इस बड़े समूह को अपने मताधिकार का प्रयोग करने से वंचित न होना पड़ा। 'वेस्ट इंडियन शुगर मिल्स एसोसिएशन' ने आश्वासन दिया कि 20 नवंबर को श्रमिकों को उनके गृहनगर भेजने की उचित व्यवस्था की जाए ताकि वे मतदान कर सकें। महाराष्ट्र गन्ना कटाई श्रमिक और परिवहन संघ के अध्यक्ष जीवन राठौड़ ने अपनी याचिका में कहा कि ये कटाई का मौसम चल रहा है। मराठवाड़ा, उत्तर महाराष्ट्र और विदर्भ से 12-15 लाख श्रमिक कटाई के मौसम से पहले पश्चिमी महाराष्ट्र, कर्नाटक, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु में गन्ने की खेती वाले क्षेत्रों में चले जाते हैं। राठौड़ ने अपनी याचिका में कहा, कटाई के मौजूदा सत्र के मद्देनजर गन्ने की कटाई करने वाले बड़ी संख्या में श्रमिक पहले ही अपने घर छोड़ कर काम के लिए दूसरे क्षेत्रों में चले गए हैं और वे अप्रैल या मई 2025 तक वापस नहीं आएंगे। राठौड़ ने 'पीटीआई-भाषा' से बात करते हुए बड़े पैमाने पर लोगों के चले जाने पर चिंता जताई। उन्होंने कहा, अगर आबादी का इतना बड़ा हिस्सा अपने मताधिकार का इस्तेमाल नहीं करता है तो इससे सहभागी लोकतंत्र का उद्देश्य विफल हो जाता है। एक राजनीतिक पर्यवेक्षक ने कहा कि छह प्रमुख दलों वाली महाराष्ट्र की खंडित राजनीति में इन प्रवासी श्रमिकों के वोट महत्वपूर्ण हैं क्योंकि जीत का अंतर कम रहने की संभावना है।

एसोसिएशन ने अदालत से किया अनुरोध

अपनी याचिका में एसोसिएशन ने अदालत से अनुरोध किया है कि वह आयोग को डाक मतपत्र या परिवहन की सुविधा प्रदान करने जैसी उपयुक्त व्यवस्था करने का निर्देश दे ताकि प्रवासी श्रमिक मतदान करने के लिए अपने मूल स्थानों की यात्रा कर सकें और अपने कार्यस्थलों पर वापस लौट सकें। उन्होंने अदालत से राज्य के चीनी आयुक्त को महाराष्ट्र राज्य सहकारी चीनी कारखाना संघ लिमिटेड, वेस्ट इंडियन शुगर मिल्स एसोसिएशन और सभी चीनी मिल के साथ समन्वय करने का निर्देश देने का भी आग्रह किया।

CMYK

निर्यात 17 फीसदी उछलकर ऊंचे स्तर पर

> 30.12 फीसदी की सालाना ग्रोथ दर्ज

नई दिल्ली.

भारत के विदेशी व्यापार के मोर्चे पर अच्छी खबर आई है और देश का निर्यात 28 महीने के उच्च स्तर पर पहुंच गया है. अक्टूबर में भारत के वस्तु निर्यात में 17.25 फीसदी का उछाल दर्ज किया गया है और ये बढ़कर 39.2 अरब डॉलर पर पहुंच गया है. यह दो साल में निर्यात के आंकड़े में सबसे बड़ा उछाल है जिसमें 28 महीने का सबसे ऊंचा स्तर है. इससे पहले जून 2022 में 30.12 फीसदी की सालाना ग्रोथ दर्ज की गई है.

अक्टूबर में देश का आयात भी 3.9 फीसदी बढ़कर 66.34 अरब डॉलर पर पहुंच गया. अक्टूबर 2023 यानी एक साल पहले इसी महीने में 63.86 अरब डॉलर पर आयात था. बृहस्पतिवार को आधिकारिक आंकड़े जारी हो गए हैं जिसमें व्यापार घाटा यानी आयात और निर्यात के बीच का अंतर अक्टूबर में 27.14 अरब डॉलर रहा है. यह इस साल सितंबर महीने के 20.78 अरब डॉलर से ज्यादा है जबकि पिछले साल इसी महीने में ट्रेड डेफिसिट 30.42 अरब डॉलर पर था.

अध्यक्ष अश्विनी कुमार ने कहा कि ग्लोबल वित्तीय अनिश्चितताओं के बीच व्यापारिक निर्यात में डबल डिजिट की बढ़ोतरी निश्चित रूप से बहुत उत्साहजनक संकेत है और ट्रेड के मोर्चे पर एक्सपोर्ट के रिवाइवल और ग्रोथ का इंडीकेटर है. प्रमुख ने कहा कि कच्चे तेल और मेटल की कीमतों में अस्थिरता के साथ-साथ चल रहे अंतर्राष्ट्रीय व्यापार गतिरोधों ने भी कुछ हद तक एक्सपोर्ट की वैल्यू को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है. वाणिज्य मंत्रालय के मुताबिक निर्यात के लिए अक्टूबर का महीना काफी अच्छा रहा है और अगर यह स्पीड बनी रही,

हम इस साल 800 अरब डॉलर के एक्सपोर्ट (गुड्स एंड सर्विसेज) के आंकड़े को पार कर जाएंगे. वाणिज्य मंत्रालय ने बाजार पहुंच पहल ब्रांड इंडिया को बढ़ावा देने, गैर-चार्ज बाधाओं को दूर करने और व्यापार संवर्धन कार्यक्रम आयोजित करने के माध्यम से इन देशों में आर्थिक पैठ बढ़ाने को कदम उठाया है.

आयात बढ़ने की मुख्य वजह कच्चा तेल

मुख्य रूप से कच्चे तेल के इंपोर्ट में 13.34 फीसदी की बढ़ोतरी से कुल आयात बढ़ा है. अक्टूबर में कच्चे तेल का आयात बढ़कर 18.2 अरब डॉलर रहा जो कि पिछले साल के इसी महीने में यह 16.1 अरब डॉलर पर था. अक्टूबर के दौरान सोने और चांदी का आयात थोड़ा कम होकर क्रमशः 7.13 अरब डॉलर और 0.33 अरब डॉलर रहा है. अक्टूबर 2023 में यह क्रमशः 7.23 अरब डॉलर और 1.31 अरब डॉलर पर था.

भारत में निःशुल्क एआई टूल 'खानमिगो' लॉन्च

नई दिल्ली.

खान अकैडमी, जो किसी को भी, कहीं भी, निःशुल्क, विश्वस्तरीय शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध वैश्विक गैर-लाभकारी संस्था है, ने 14 नवंबर, से भारत में सभी शिक्षकों के लिए अपने निःशुल्क,एआई -संचालित टूल, खानमिगो के लॉन्च की घोषणा की है। इस लॉन्च के हिस्से के रूप में, शिक्षक खानमिगो को एक शिक्षण सहायक के रूप में निःशुल्क एक्सेस कर सकेंगे। अंग्रेजी और हिंदी दोनों में उपलब्ध, खानमिगो एक एआई शिक्षण सहायक और छात्र ट्यूटर है जिसे शिक्षकों की दक्षता और छात्रों के अधिगम को बढ़ाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह लॉन्च खान अकैडमी की उच्च-गुणवत्ता वाले शैक्षिक संसाधनों को सभी भाषाओं में सुलभ और प्रभावशाली बनाने की प्रतिबद्धता पर आधारित है।

शिक्षक खान अकैडमी के प्लेटफ़ॉर्म पर खानमिगो तक निःशुल्क पहुँच प्राप्त कर सकेंगे, जो पाठ की तैयारी को सरल बनाने, छात्रों की वैयक्तिकृत सहभागिता को बढ़ाने और कक्षा में अधिगम को बेहतर बनाने के लिए उपयोगी उपकरणों से सुसज्जित है। दुनिया भर में शिक्षकों द्वारा पहले से ही उपयोग किए जा रहे खानमिगो में विभिन्न कठिनाई स्तरों पर पाठ्यक्रम-संरेखित मूल्यांकन, क्रिएटिव लेसन आइडिया और संक्षिप्त अध्याय सारांश जैसी अनेक सहज सुविधाएँ हैं। इन उपकरणों के साथ, शिक्षक छात्रों की व्यक्तिगत जरूरतों पर अधिक ध्यान केंद्रित कर सकते हैं जिससे कक्षा में शिक्षण अधिक प्रभावशाली हो जाता है।

खान अकैडमी इंडिया की प्रबंध निदेशक, स्वाति वासुदेवन ने खानमिगो के लॉन्च पर अपना उत्साह व्यक्त करते हुए कहा: "बाल दिवस के इस विशेष अवसर पर, हम खानमिगो को भारत भर के सभी शिक्षकों के लिए निःशुल्क उपलब्ध कराने के लिए रोमांचित हैं। खान अकैडमी में, हम मानते हैं कि शिक्षक प्रत्येक बच्चे की क्षमता को उजागर करने की कुंजी हैं, और खानमिगो प्रदान करके, हम शिक्षकों को सशक्त बना रहे हैं ताकि प्रत्येक विद्यार्थी को सीखने का वैयक्तिकृत और प्रभावशाली अनुभव प्राप्त हो सके। हमारा लक्ष्य प्रौद्योगिकी तक पहुँच की बाधाओं को तोड़ना है, जिससे शिक्षक भारत के बच्चों को उनकी पूरी क्षमता तक पहुँचने के लिए प्रेरित और सहयोग कर सकें।

शिक्षकों के लिए एक निःशुल्क टूल के रूप में खानमिगो का वैश्विक रोलआउट, जो माइक्रोसॉफ्ट के समर्थन और निवेश के माध्यम से संभव बना है, प्रौद्योगिकी के माध्यम से शैक्षिक अवसरों का विस्तार करने के खान अकैडमी के मिशन में एक महत्वपूर्ण कदम है।

अब 40 से अधिक देशों में उपलब्ध खानमिगो दुनिया भर के शिक्षकों को सशक्त बना रहा है। भारत में, शिक्षक हिन्दी या अंग्रेज़ी में खान अकैडमी प्लेटफ़ॉर्म पर केवल एक शिक्षक खाता बनाकर अपना निःशुल्क खानमिगो शिक्षक सहायक प्राप्त कर सकते हैं, और अपने शिक्षण अनुभव को बेहतर करने के लिए एआई संचालित संसाधनों को अनलॉक कर सकते हैं।

बाजार में बढ़ी मेटा की मुश्किलें

नई दिल्ली. यूरोपीय संघ (ईयू) नियामकों ने फेसबुक की मूल कंपनी मेटा पर गुरुवार को लगभग 800 मिलियन यूरो यानी 71.30 अरब रुपये का जुर्माना लगाया है। ईयू ने मेटा पर अपनी ही ऑनलाइन क्लासीफाइड विज्ञापन कारोबार से जुड़ी कंपनी फेसबुक मार्केटप्लेस को अनुचित लाभ पहुंचाने के लिए जिम्मेदार ठहराया है।

मेटा ने इन आरोपों से साफ इन्कार करते हुए इसके खिलाफ अपील की बात कही हैं। 27 देशों के ब्लॉक यूरोपीय आयोग की कार्यकारी शाखा और शीर्ष प्रतिस्पर्धा विरोधी प्रवर्तक ने मेटा पर 797.72 मिलियन यूरो का जुर्माना लगाया।

आयोग ने मेटा के खिलाफ चल रही जांच में पाया कि उसने अपनी ताकत का बेजा इस्तेमाल किया और अपने विज्ञापन कारोबार को अपने सोशल नेटवर्क से जोड़कर प्रतिस्पर्धा बिगाड़ने का आरोप है।

मेटा ने फेसबुक उपयोगकर्ताओं को चाहे वे चाहें या न चाहें मार्केटप्लेस के विज्ञापन दिखाए। इससे अन्य कंपनियों के लिए प्रतिस्पर्धा करना मुश्किल हो गया।

डूबती इकोनॉमी बढ़ा रही क्राइम

नई दिल्ली.

कोविड के बाद से ही चीन की अर्थव्यवस्था हिली हुई है. वहां की सरकार इसे दुरुस्त करने के लिए कई तरह के कदम उठा रही है, जिसमें बैंकों को ज्यादा लोन बांटने की आजादी देना. इकोनॉमी के लिए अरबों डॉलर का बूस्टर पैकेज देना शामिल है, लेकिन अर्थव्यवस्था की इस हालत ने देश के सामाजिक ताने-बाने पर भी असर डाला है. चीन में इस साल क्राइम रेट काफी तेजी से बढ़ने की रिपोर्ट्स हैं. ये सामान्य चोरी या लूट-पाट जैसे क्राइम में बढ़ोतरी के बारे में नहीं है, बल्कि एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक वहां हिंसक क्राइम में बहुत ज्यादा बढ़ोतरी देखने को मिली है. इससे वहां पब्लिक ऑर्डर को मेंटेन करना एक बड़ी चुनौती

बनती जा रही है. एएफपी की एक खबर के मुताबिक चीन में हाल में एक घटना देखने को मिली जहां एक आदमी भीड़ भरे स्पोर्ट कॉम्प्लेक्स में कार लेकर घुस गया. आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक इससे वहां 35 लोगों की मौत हो गई और 43 लोग घायल हो गए. चीन ने 2022 के अंत में जब से कोविड से जुड़ी पाबंदियों को हटाया है, तब से वहां इस तरह के क्राइम में बढ़ोतरी देखने को मिली है. जबकि चीन लगातार लोगों को एम्प्लॉयड रखने और इकोनॉमी में कॉन्फिडेंस बूस्ट करने की कोशिश कर रहा है.

चीन के आर्थिक हालात और बढ़ते क्राइम पर अमेरिका के पित्जर कॉलेज में पॉलिटिकल स्टडीज के असिस्टेंट प्रोफेसर हांगझांग लियू का कहना है कि चीन में बढ़ती आपराधिक घटनाएं इकोनॉमी की खराब होती मैक्रोइकोनॉमिक कंडीशंस और बिगड़ते सोशल फैब्रिक को दिखाती हैं. ये इकोनॉमी में मंदी से उभरी खीझ का असर है. हालांकि चीन का पक्ष दूसरा है. वहां के विदेश मंत्रालय का कहना है कि चीन अब भी दुनिया के सबसे सुरक्षित देशों में से एक है. चीनी अधिकारियों का कहना है कि पिछले साल चीन में प्रति एक लाख लोगों में मर्डर की घटनाएं सिर्फ 0.46 हुईं, जबकि अमेरिका में ये आंकड़ा 5.7 का है.

अंबानी की नहीं कमहो रहीं मुश्किलें

नई दिल्ली.

एशिया के दिग्गज कारोबारी मुकेश अंबानी के छोटे भाई अनिल अंबानी की मुसीबतें कम होने का नाम ही नहीं ले रही हैं.

अब कुछ ही दिन पहले उनकी कंपनी रिलायंस पावर को लेकर अच्छी खबर आई ही थी कि सोलर एनर्जी कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया ने उनकी टेंशन बढ़ा दी. दरअसल अनिल अंबानी की रिलायंस पावर को शोकेज नोटिस भेजा है. सेकि ने नोटिस जारी कर सवाल किया है कि कंपनी के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही क्यों नहीं शुरू की जानी चाहिए.

यह नोटिस ऐसे समय में भेजी गई है जब कंपनी की सब्सिडयरी पर क्लीन एनर्जी प्रोजेक्ट की बोली में विदेशी बैंक गारंटी सहित फर्जी दस्तावेज जमा किए जाने के आरोप लगे हैं. इस खबर के बाद

से रिलायंस पावर के शेयर में गिरावट का दौर जारी है, जिससे कंपनी और अनिल अंबानी को मोटा नुकसान हो रहा है.

नोटिस में इस बात पर जोर दिया है कि बार-बार फेक डाक्यूमेंट्स जमा कर टेंडर प्रक्रिया को कमजोर करने और अनुचित लाभ प्राप्त करने का एक जानबूझकर किया गया प्रयास था.

हालांकि, रिलायंस पावर ने इस पर प्रतिक्रया नहीं दी है. फेक डाक्यूमेंट्स के मामले में रिलायंस पावर और उसकी सब्सिडयरी रिलायंस एनयू बीईएसएस लिमिटेड को टेंडर में हिस्सा लेने से 3 साल के लिए बैन कर दिया गया है.

यह मामला आयोजित प्रतिस्पर्धी बोली के तहत 1,000 मेगावाट/ 2,000 मेगावाट घंटे की एकल आधार वाली बीईएसएस परियोजनाओं की स्थापना के लिए जारी किए गए चयन के लिए अनुरोध (आरएफएस) से संबंधित है. गड़बड़ी ई-रिवर्स नीलामी के बाद पाए जाने की वजह से निविदा प्रक्रिया रद्द करने के लिए मजबूर होना पड़ा था. चालू वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही में रिलायंस पावर का मुनाफा 2,878.15 करोड़ रुपये रहा.

एशियाई वृद्धि की अगली लहर का नेतृत्व करेगा भारत

नई दिल्ली. भारत जैसी अर्थव्यवस्थाएं एशिया के विकास की अगली लहर को चलाने के लिए तैयार हैं, क्योंकि क्षेत्र के विकास में चीन का योगदान घटने वाला है। मॉर्गन स्टेनली की रिपोर्ट में कहा गया है कि इंडोनेशिया, फीलीपीन और मलयेशिया जैसी अन्य उभरती दक्षिण पूर्व एशियाई अर्थव्यवस्थाओं के साथ एशिया में विकास की अगली लहर का नेतृत्व भारत करेगा। जारी रिपोर्ट के अनुसार, उपरोक्त चार अर्थव्यवस्थाओं का सामूहिक रूप से 2027 तक एशिया के नॉमिनल सकल घरेलू उत्पाद यानी जीडीपी वृद्धि में 53 प्रतिशत योगदान होने की उम्मीद है। कोरोना से पहले के समय में 33 फीसदी का योगदान था। रिपोर्ट के अनुसार, उपरोक्त प्रकार के बदलाव तब आते हैं,

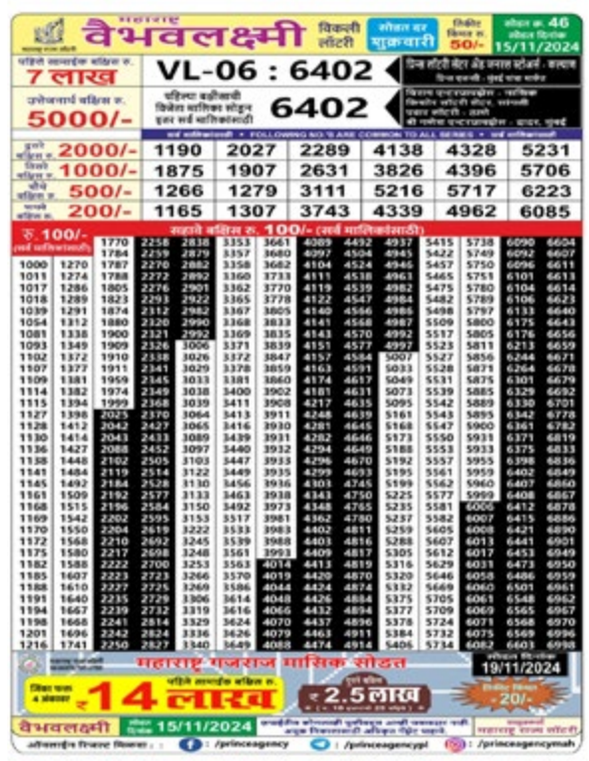

60 फीसदी माता-पिता बच्चे को कैल्शियम देना पसंद करते हैं

मुंबई.

14 को पुरे देश में बाल दिवस मनाया गया, गोदरेज जर्सी ने भारतीय अभिभावकों के बीच एक सर्वेक्षण किया, ताकि यह समझा जा सके कि अपने बच्चे को दूध देने का उनका क्या औचित्य है। जहां कुछ अभिभावकों ने फिट रहने और वजन को नियंत्रित रखने के साथ-साथ कुछ ऊर्जा प्राप्त करने और भोजन के विकल्प के रूप में दूध देने की आवश्यकता का जिक्र किया, वहीं देश भर में 60 फीसदी अभिभावकों ने कहा कि वे अपने बच्चों को कैल्शियम का सेवन बनाए रखने के लिए दूध देते हैं।

'बॉटम्स अप...इंडिया सेज़ चीयर्स टू मिल्क!' शीर्षक से किए गए इस व्यापक अध्ययन में दिल्ली, लखनऊ, मुंबई, पुणे, हैदराबाद, चेन्नई, बैंगलोर और कोलकाता से उपभोक्ताओं की प्रतिक्रियाओं को शामिल किया गया है, जो उपभोक्ताओं की बदलती प्राथमिकताओं और उद्योग के रुझानों के बारे में मूल्यवान जानकारी प्रदान करता है। माता-पिता द्वारा अपने बच्चे को दूध देने के पीछे के तर्क को समझने के अलावा, सर्वेक्षण में यह भी समझने की कोशिश की गई कि वे अपने बच्चे के लिए कौन से दूध-आधारित उत्पाद पसंद करते हैं।

गोदरेज जर्सी के सीईओ भूपेंद्र सूरी ने कहा, "विश्व स्तर पर और भारत में कई शोध अध्ययनों ने दूध के पोषण मूल्य को साबित किया है जो बच्चों के लिए अच्छा है। उच्च पोषण गुणवत्ता वाले प्रोटीन, कैल्शियम, फास्फोरस और विटामिन ए से युक्त, यह बढ़ते बच्चों के लिए व्यापक रूप से आवश्यक है। इसके बीच, हमारे उपभोक्ता सर्वेक्षण से यह देखना उत्साहजनक है कि माता-पिता अपने बच्चों को दूध देना क्यों पसंद करते हैं। रिपोर्ट से एक और दिलचस्प बात यह सामने आई कि 90 फीसदी भारतीय बच्चे सप्ताह में 4-5 बार से अधिक दूध पीते हैं और 40 फीसदी से अधिक माता-पिता स्कूल के भोजन के रूप में, या दिन के दौरान, या विशेष रूप से खेल के समय में स्वादयुक्त दूध के सेवन के लिए तैयार हैं!

दरों को घटाए आरबीआई

नई दिल्ली.

देश में बढ़ती महंगाई को लेकर वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के सामने कुछ मांगे रखी है। जिसमें उन्होंने कहा कि विकास को रफ्तार देने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक यानी आरबीआई को ब्याज दरों में कटौती करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि दरों में कटौती का विकल्प चुनने के लिए खाद्य महंगाई पर विचार करना गलत सिद्धांत है। जिससे महंगाई दिसंबर में कम हो सकती है। एक कार्यक्रम में गोयल ने कहा, खाद्य पदार्थों के दाम में तेजी से खुदरा महंगाई के प्रबंधन का कोई लेना-देना नही है। अब समय आ गया है, जब नीति निर्माता और मौद्रिक नीति समिति एक साथ तय करें कि क्या खाद्य पदार्थों के दाम को खुदरा महंगाई की गणना करने में शामिल किया जाए या नहीं।

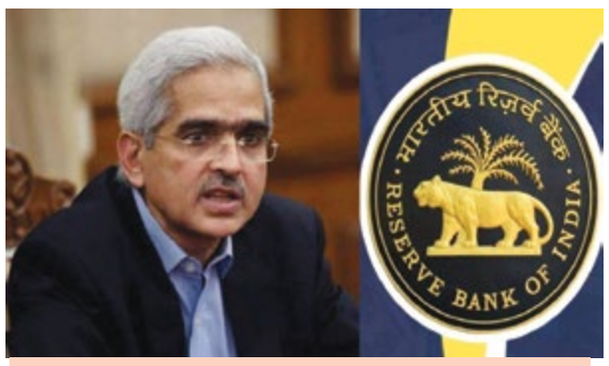

भारतीय स्टेट बैंक का कर्ज 0.05 फीसदी महंगा

मुंबई। भारतीय स्टेट बैंक यानी एसबीआई ने चुनिंदा अवधि वाले कर्ज की ब्याज दरों में 0.05 फीसदी की बढ़ोतरी कर दी है। नई दरें शुक्रवार से लागू होंगी। बैंक ने बताया, एक साल के कर्ज की ब्याज दर अब 9 फीसदी होगी। बैंक ने तीन और छह महीने की अवधि वाले कर्जों को भी महंगा कर दिया है। हाल के समय में दो बार कर्ज महंगा किया है। इसका कारण जमा जुटाने के लिए ज्यादा ब्याज देना पड़ रहा है।

कुछ महीनों तक बना रहेगा महंगे प्याज का आतंक

नई दिल्ली.

आम आदमी की थाली से अगले कुछ महीनों तक प्याज गायब रह सकता है. इसकी कीमतें पहले से ही काफी ऊंची बनी हुई हैं और अब इनके जल्द नीचे आने की उम्मीद भी नहीं है. इसे लेकर एक रिपोर्ट में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है. देश में प्याज ही नहीं टमाटर, बंद गोभी, लौकी जैसी और सब्जियों के दाम भी लगातार बढ़ ही रहे हैं. आईसीआईसीआई बैंक की एक रिपोर्ट के मुताबिक देश की सबसे बड़ी प्याज मंडी लासलगांव में प्याज की कीमत 5 साल के हाई लेवल तक जा चुकी हैं. इसकी कीमत प्रति क्विंटल 5500 रुपए से ऊपर तक लग चुकी है. ये थोक मार्केट के रेट हैं, इसलिए रिटेल मार्केट में प्याज के जल्दे सस्ते होने की उम्मीद ना के बराबर है.

आईसीआईसीआई बैंक की रिपोर्ट में कहा गया है कि बीते महीनों की तुलना में नवंबर में भले सब्जियों के दाम कम हुए हैं, लेकिन प्याज की कीमतें ऊंची ही बनी हुई हैं. अगस्त और सितंबर की भारी बारिश ने सब्जियों की आवक में 28 प्रतिशत की गिरावट लाई इससे टमाटर की कीमतें पिछले महीने 49 प्रतिशत तक बढ़ गई थीं; वहीं प्याज की कीमतें अब भी ऊंची ही हैं.

टूटा दिसंबर 2019 का रिकॉर्ड

प्याज की कीमत इस महीने की 6 तारीख को लासलगांव में 5,656 रुपए प्रति क्विंटल तक जा चुकी है. इस तरह प्याज के दामों ने 2019 के रिकॉर्ड को भी तोड़ दिया है, क्योंकि प्याज की कीमतें 10 दिसंबर 2019 को ही इस लेवल तक पहुंची थीं. अब भी थोक बाजार में प्याज के दाम 4,000 रुपए प्रति क्विंटल के आसपास बने हुए हैं.इस साल अक्तूबर में सब्जियों की कीमतों में सालाना आधार पर 42 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी गई है. सब्जियों की कीमतों में ये 57 महीनों का उच्च स्तर है.

१- श्रद्धा सबुरी लॉटरी, साई मंदिर
२- जय भोले लॉटरी, झेरी लॉन
३- न्यू बॉम्बे लॉटरी, लक्ष्मी भवन चौक धरमपेठ
४-साई लॉटरी, पंचशील चौक
५- अनिल बंसोड़ लॉटरी, झासीरानी चौक बर्डी
६- नरेंद्र लॉटरी, शिवम् मॉल के पास सीताबर्डी
७- प्रवीण लॉटरी महाराष्ट्र बैंक मुंजे चौक सीताबर्डी
८-मयूरी लॉटरी, आकाशवाणी चौक
९-माँ आंबे लॉटरी, आगाराम देवी
१०- नितिन लॉटरी, रामबाग कॉलोनी, मेडिकल चौक
११-दिलीप लॉटरी, नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१२ श्री गणेश लॉटरी नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१३-शुभम लॉटरी नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१४ श्री गजानन लॉटरी झेंडा चौक, महाल
१५-आशीष लॉटरी शाहिद चौक, इतवारी
१६- ख्वाजा लॉटरी कमाल टॉकीज़, कमाल चौक
१७- वैभव लॉटरी इंदौरा चौक लष्करी बाग
१८-चिकटे लॉटरी सक्करदरा चौक
१९- ओमसाई लॉटरी,महाकाळकर बिल्डिंग, छोटा ताजबाग
२०- गुरुदेव लॉटरी , गांधीचौक चंद्रपुर
२१-गजानन लॉटरी, अकोला
22- प्रेम लॉटरी सेंटर, कमाल चौक
23- नारायण लॉटरी, शहीद चौक, इतवारी
24- महावीर लॉटरी, बाजार चौक, कलमेश्वर

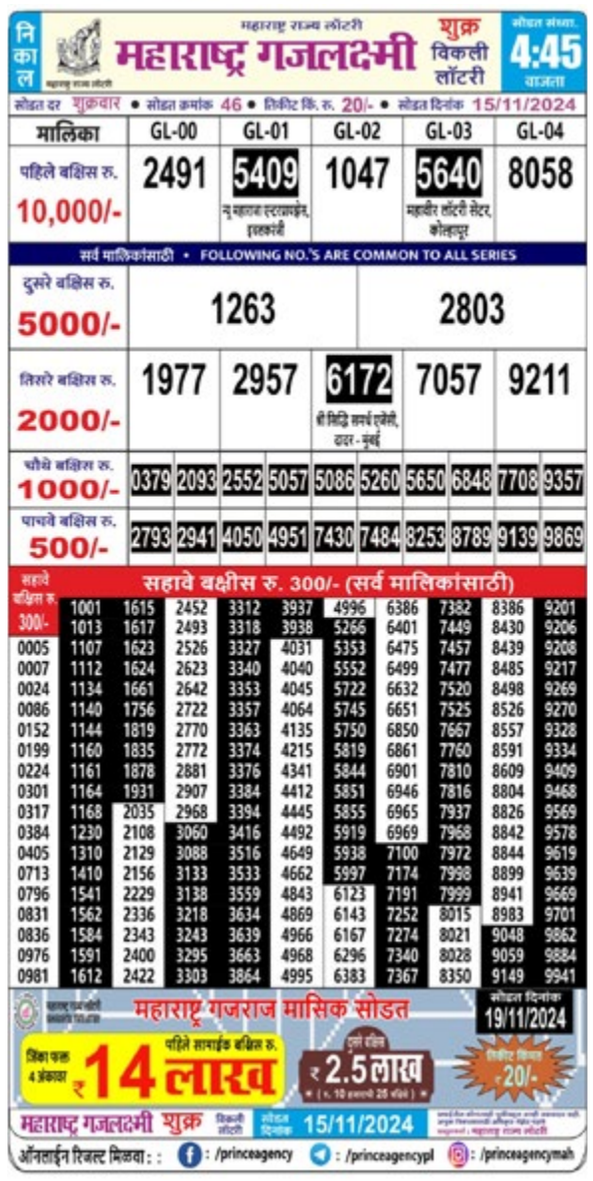

विदर्भ स्टॉकिस्ट दिपेश गौतम : 9730005665

राज्य में इस बार 4 हजार से ज्यादा उम्मीदवार मैदान में

> पिछली बार से 27.7 फीसदी अधिक संख्या

मुंबई.

राज्य की 288 विधानसभा सीटों पर आगामी 20 नवंबर को मतदान होने हैं। एक चरण में होने वाले इस विधानसभा चुनाव के लिए इस बार यहां कुल 4,136 उम्मीदवार मैदान में हैं, जो कि 2019 में हुए विधानसभा चुनाव की तुलना में 27.7 प्रतिशत अधिक है। इन 4,136 उम्मीदवारों में से 2,086 निर्दलीय उम्मीदवार भी शामिल हैं। चुनाव प्रचार के लिए कुछ ही दिन शेष हैं और इन दिनों राज्य में हर तरफ चुनाव प्रचार जोरों पर हैं। इस बीच निर्वाचन आयोग ने गुरुवार को प्रत्येक पार्टी के उम्मीदवारों के नाम वापस लेने और जांच के चरण में नाम खारिज होने के बाद अंतिम आंकड़े उपलब्ध करा दिए हैं।

गौरतलब है कि साल 2019 के पिछले विधानसभा चुनाव में जब मुकाबला भाजपा-शिवसेना और कांग्रेस-राकांपा गठबंधन के बीच था, तो राज्य में कुल 3,239 उम्मीदवारों ने चुनाव लड़ा था। पिछले दो सालों में शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी में हुए विभाजन के कारण इस बार यहां राजनीतिक परिदृश्य अधिक विखंडित दिखाई दे रहा है। महाराष्ट्र विधानसभा में कुल 288 सीटें हैं जिन पर जीत हासिल करने के लिए विभिन्न दलों के प्रत्याशी और निर्दलीय उम्मीदवार एक दूसरे को टक्कर देते नजर आएंगे। आगामी चुनाव में महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन में से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने 149 उम्मीदवार मैदान में उतारे हैं। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने 81 उम्मीदवार मैदान में उतारे हैं जबकि उपमुख्यमंत्री अजित पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) ने 59 उम्मीदवारों को टिकट दिया है।इसके अतिरिक्त बात करें छोटे राजनीतिक दलों की तो इसमें बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ने 237 उम्मीदवार मैदान में उतारे हैं और ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) ने कुल 17 उम्मीदवार चुनावी रण में उतारे हैं।

मैत्रीपूर्ण चुनावी मुकाबला भी देखने को मिलेगा

वहीं, विपक्षी महा विकास आघाड़ी (एमवीए) के घटक दलों में से एक कांग्रेस पार्टी ने 101 उम्मीदवार मैदान में उतारे हैं। इसके अलावा उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी) के 95 उम्मीदवार और राकांपा (शरदचंद्र पवार) के 86 उम्मीदवार मैदान में हैं। इस दौरान कुछ निर्वाचन क्षेत्रों में सहयोगियों के बीच मैत्रीपूर्ण चुनावी मुकाबला भी देखने को मिलेगा।

सोयाबीन खरीद में महाराष्ट्र से आगे तेलंगाना

पुणे. राज्य में विधानसभा चुनाव का माहौल है। ऐसे समय में महाराष्ट्र की मंडियों (थोक बाजारों) में सोयाबीन की कम कीमतें एक बड़ा राजनीतिक मुद्दा बन गई हैं। खासकर मराठवाड़ा और विदर्भ के साथ कोल्हापुर, सातारा और सांगली में आधिकारिक तौर पर घोषित न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर तिलहन की सरकारी खरीद बेहद कम है। बंपर फसल होने के बावजूद सोयाबीन की कीमतें गिर गई हैं। महाराष्ट्र में 50 लाख हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में उगाई जाने वाली सोयाबीन अब 4,1,00-4,200 रुपये प्रति क्विंटल पर कारोबार कर रही है, जबकि एमएसपी 4,892 रुपये प्रति क्विंटल है। हालांकि, अंतरराष्ट्रीय बाजार में अधिक उत्पादन के कारण भी सोयाबीन की कीमतें कम हुई हैं।

सरकारी एजेंसियों ने 12 नवंबर तक महाराष्ट्र में मात्र 3,887.94 टन सोयाबीन खरीदा था। यह चालू सीजन के लिए निर्धारित 13.08 लाख टन खरीद लक्ष्य के मुकाबले कम है। सोयाबीन की खरीद 15 अक्टूबर से शुरू हुई जो अगले साल 12 जनवरी तक जारी रहने की उम्मीद है।

मेट्रो स्टेशन में लगी आग

मुंबई.

बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) मेट्रो स्टेशन के बेसमेंट में शुक्रवार को आग लग गई। इसके चलते ट्रेन सेवाएं निलंबित कर दी गईं। अधिकारियों के अनुसार, आग दोपहर करीब 1.10 बजे लगी। आग स्टेशन के अंदर 40-50 फुट की गहराई पर लकड़ी की चादरों, फर्नीचर और निर्माण सामग्री तक ही सीमित रही। इससे क्षेत्र में धुएं का गुबार छा गया। नगर निकाय के एक अधिकारी ने कहा कि आग से किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है।

उन्होंने बताया कि स्थिति पर नियंत्रण पाने के लिए आठ दमकल गाड़ियां और अन्य अग्निशमन वाहन मौके पर मौजूद हैं। हालांकि बीकेसी स्टेशन पर ट्रेन सेवाएं दोपहर 2:45 बजे तक पूरी तरह से बहाल कर दी गई। बीकेसी मेट्रो स्टेशन मुंबई मेट्रो रेल निगम के तहत आरे जेवीएलआर और बीकेसी के बीच 12.69 किलोमीटर लंबे (मुंबई मेट्रो 3) या एक्वा लाइन कॉरिडोर का हिस्सा है, जिसका उद्घाटन पिछले महीने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया था। मुंबई मेट्रो 3 ने अपने आधिकारिक 'एक्स' हैंडल पर एक पोस्ट में कहा कि प्रवेश/निकास ए4 के बाहर आग लगने के कारण बीकेसी स्टेशन पर यात्री सेवाएं अस्थायी रूप से बंद कर दी गई हैं। इससे स्टेशन में धुआं भर गया। दमकल विभाग कार्य पर है। यात्रियों की सुरक्षा के लिए हमने सेवाएं रोक दी हैं। एमएमआरसी और डीएमआरसी के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर हैं। कृपया वैकल्पिक मेट्रो सेवा के लिए बांद्रा कॉलोनी स्टेशन जाएं। मुंबई मेट्रो 3 ने एक पोस्ट में कहा कि बीकेसी मेट्रो स्टेशन पर ट्रेन सेवाएं 14.45 बजे पूरी तरह से बहाल कर दी गई हैं। हमें हुई असुविधा के लिए ईमानदारी से खेद है और सभी यात्रियों को उनके धैर्य और समझदारी के लिए धन्यवाद देते हैं। आपकी सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

शाह के हेलीकॉप्टर की हुई चेकिंग

मुंबई. चुनाव में हेलीकॉप्टर की चेकिंग का मुद्दा गरमाया हुआ है। उद्धव ठाकरे के हेलीकॉप्टर की चेकिंग के बाद हुए हंगामे के बाद बड़े-बड़े नेताओं के बैग की चेकिंग का सिलसिला जारी है। इस कड़ी में शुक्रवार को हिंगोली में चुनाव आयोग के अधिकारियों ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बैग की चेकिंग की। बताया जा रहा है कि अमित शाह का हेलीकॉप्टर जैसे ही हिंगोली में उतरा वैसे ही चुनाव आयोग के अधिकारी वहां पहुंच गए। इसके बाद उन्होंने हेलीकॉप्टर और उनके बैग की चेकिंग की। इससे पहले शिवसेना (यूबीटी) नेता उद्धव ठाकरे और बीजेपी के नेता देवेंद्र फडणवीस का भी हेलीकॉप्टर चेक किया गया था। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया पोस्ट करते हुए लिखा कि "आज महाराष्ट्र के हिंगोली विधानसभा क्षेत्र में चुनाव प्रचार के दौरान चुनाव आयोग के अधिकारियों ने मेरे हेलीकॉप्टर की जांच की।

मध्य रेल

ई-खुली निविदा संख्याः
मरेप्रकार्यनागपुर-102-2024 दिनांक 13/11/2024

अ. क्र. 1) **कार्य का नामः** वर्ष 2024-25 के लिये नागपूर मंडल के फ्लैश बट्ट वेल्डस का फेज अरे अल्ट्रासोनिक टेस्टिंग (पी.ए.यू.टी)। (i) **अनुमानित लागत रु.:** 16248600.00/- (II) **बयाना राशी रु.:** 231300.00/- **निविदा बंद होने की तिथिः** 05/12/2024 एवं समय 15.00 ईटेंडरिंग की विस्तृत जानकारी एवं - तथा ऑन लाइन भाग लेने हेतु रेल वेबसाइट सूचना **www.ireps.gov.in** देखे.

कृते मंडल रेल प्रबंधक (कार्य)
मध्य रेल, नागपुर,

Apex-362

खतरनाक व विस्फोटक सामान के साथ यात्रा करना दंडनीय अपराध है

मनसे ने रद्द की शिवाजी पार्क रैली

मुंबई.

विधानसभा चुनाव की सरगर्मियों के बीच चुनाव प्रचार अपने चरम पर हैं। जहां सभी दलों के नेता चुनाव प्रचार के लिए ताबड़तोड़ रैलियां कर रहे हैं, वहीं मनसे ने अपनी शिवाजी पार्क रैली को रद्द कर दिया है। इस लेकर महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के अध्यक्ष राज ठाकरे ने शुक्रवार को बताया कि निर्वाचन आयोग से अबतक रैली की अनुमति नहीं मिल पाने के कारण ऐसा किया गया है। यह रैली मुंबई के शिवाजी पार्क में 17 नवंबर को होने वाली थी। राज ठाकरे ने कहा कि रैली के बजाय अब वे मनसे प्रत्याशियों के पक्ष में जनसमर्थन जुटाने के लिए मुंबई और ठाणे के विधानसभा क्षेत्रों में जायेंगे। उन्होंने कहा, ''मुझे अब भी अनुमति नहीं मिली है और मेरे पास बैठक के लिए केवल डेढ़ दिन है। इन डेढ़ दिनों में रैलियां करना मुश्किल हो रहा है। इसके बजाय मैं मुंबई और ठाणे के विधानसभा क्षेत्रों का दौरा करूंगा। शिवसेना और मनसे ने मुंबई के ऐतिहासिक शिवाजी पार्क में 17 नवंबर को रैली करने की अनुमति मांगी थी। लेकिन दोनों ही दलों को अब तक इसके लिए निर्वाचन आयोग से अनुमति नहीं मिली है। गौरतलब है कि महाराष्ट्र में 20 नवंबर को होने जा रहे विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार 18 नवंबर को शाम पांच बजे थम जाएगा।

मध्य मुंबई में स्थित शिवाजी पार्क भारतीय क्रिकेट के पालना के रूप में प्रसिद्ध है। इसके अलावा यह पार्क 1966 में शिवसेना की स्थापना के बाद बाल ठाकरे की पहली दशहरा रैली का स्थल भी था। तभी से इस मैदान पर दशहरा रैली का आयोजन करना शिवसेना की परंपरा बन गई। शिवसेना के संस्थापक बाल ठाकरे की पुण्यतिथि 17 नवंबर को आती है। 2012 में इसी शिवाजी पार्क में बाल ठाकरे का अंतिम संस्कार भी किया गया था। ऐसे में इस दिन पर इन दोनों ही दलों के लिए इस पार्क में रैली करने का महत्व काफी बढ़ जाता है।

शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने पिछले सप्ताह कहा था कि उनकी पार्टी ने 17 नवंबर को शिवाजी पार्क में एक रैली के लिए अनुमति मांगी थी, जो शिवसेना के संस्थापक बाल ठाकरे की पुण्यतिथि भी है। उन्होंने कहा था कि उस दिन उस मैदान में ठाकरे के लाखों समर्थक जुटेंगे। उन्होंने कहा था, ''इसलिए हम निर्वाचन आयोग और पुलिस से कह रहे हैं कि मामले को उलझाया न जाए। शिवसैनिक वैसे भी वहां जमा हो जाएंगे और आप उन्हें रोक नहीं सकते। यहां कोई आदर्श आचार संहिता लागू नहीं है। इसलिए किसी भी तरह के टकराव से बचने के लिए हमें 17 नवंबर को रैली करने की अनुमति दी जाए।" फिलहाल दोनों ही दलों को निर्वाचन आयोग की ओर से रैली करने की अनुमति नहीं मिली है।

पीएम मोदी की रैली में भीड़ पर सवाल

मुंबई. राज्य विधानसभा चुनाव को लेकर हर एक गठबंधन अपनी जीत का दावा कर रहा है। आज कांग्रेस पार्टी के महाराष्ट्र प्रभारी ने राहुल गांधी को मिल रहे अपार समर्थन को देखते हुए एक बार फिर से सरकार बनाने का दावा किया है। वहीं उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र के कई इलाकों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपेक्षा राहुल गांधी को ज्यादा जन समर्थन मिलने का दावा किया है। हाल में कई इलाकों की रैलियां में देखकर इसका अंदाजा लगाया जा सकता है कि महाराष्ट्र में कौन ज्यादा लोकप्रिय है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महाराष्ट्र प्रभारी रमेश चेन्निथला ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हालिया रैली में लोगों की भीड़ पर सवाल उठाते हुए दावा किया कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी के लिए जनता का समर्थन ज़्यादा था। चेन्निथला ने कहा, "पीएम मोदी की रैली में कम लोग आए, लेकिन नांदेड़ और नंदुरबार में राहुल गांधी की रैलियों में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। विपक्षी महा विकास अघाड़ी (एमवीए), जिसमें कांग्रेस, शिवसेना (यूबीटी) और एनसीपी-एससीपी शामिल हैं, एकजुट है। जिसका असर चुनाव पर पड़ेगा।"हम तीनों एक साथ हैं। हम एक हैं और हम महाराष्ट्र में आपसे ज्यादा सुरक्षित हैं। राउत ने सत्तारूढ़ गठबंधन की स्थिरता और मुख्यमंत्री के रूप में एकनाथ शिंदे की स्थिति के भविष्य पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा, "23 नवंबर के बाद महायुति नहीं रहेगी क्योंकि कोई सीएम नहीं होगा। वे एकनाथ शिंदे को सीएम या एलओपी कभी नहीं बनाएंगे। उन्हें बहुमत नहीं मिलेगा, क्योंकि हम सरकार बना रहे हैं।

इस बीच, गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि पार्टी गरीबी उन्मूलन के नाम पर गरीबों का शोषण कर रही है। पनवेल में एक रैली में बोलते हुए उन्होंने कहा, "कांग्रेस ने हमेशा गरीबों को गरीब रखने के एजेंडे पर काम किया है। पीढ़ी दर पीढ़ी उन्होंने 'गरीबी हटाओ' का झूठा नारा दिया है। कांग्रेस ने गरीबी उन्मूलन के नाम पर गरीबों को लूटा है। तेज प्रचार के बीच कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भाजपा के आक्रामक रुख को उजागर किया। "मेरे पास (राजनीति में) 53 साल का अनुभव है और मैंने 13 चुनाव लड़े हैं और 2019 में एक को छोड़कर सभी में जीत हासिल की है। इसके बाद, मैं राज्यसभा का सदस्य बन गया और वहां विपक्ष का नेता बन गया। महाराष्ट्र के विधानसभा चुनावों को देखते हुए, पीएम, केंद्रीय गृह मंत्री और भाजपा शासित राज्यों के सीएम सहित भाजपा के बड़े नेता महाराष्ट्र में प्रचार कर रहे हैं। मैंने कभी भी प्रधानमंत्री या केंद्रीय गृह मंत्री को राज्य विधानसभा चुनावों में हर क्षेत्र में प्रचार करते नहीं देखा।

महाराष्ट्र प्रभारी रमेश चेन्निथला ने कहा, "हमारा महा विकास अघाड़ी सक्षम है, हम साथ मिलकर आगे बढ़ेंगे, कोई किसी को नियंत्रित नहीं करता। महायुति में बड़ी लड़ाई है।

PUBLIC NOTICE
Pro. No. 15458 Dt. 26/09/24
IN THE COURT OF 15th Jt. CIVIL JUDGE SR. DN., NAGPUR. (M.S.) Room No. 119
M.J.C. Case No. 858/2024
Fixed For 05/12/2024

Applicants : 1) Shilpa Atul Wadyalkar, R/o. Plot No. 53, Flat No. 201, Shivalya Apartment, New Natrsala Road, Prema Nagar, Near Shiv Mandir, Hudkeshwar, Nagpur. **2) Shobha Deepak Balapurkar,** R/o.Flat No. 5, Nirmala Avenue, Gangapur Road, Behind Janalakshi Bank, Manik Nagar, Nashik 422013 **--Versus--**

Non Applicants: Madhavi Ajay Wadyalkar, R/o. House No. 160 A, Renuka Mata Mandir, Kumbharpura, Badkas Chauk, Nagpur 440032.

Name of Deceased : Late Sudha Gangadhar Girjapure, Died On: 01/07/2024, R/o.House No. 160 A, Renuka Mata Mandir, Kumbharpura, Badkas Chauk, Nagpur 440032.

Whereas **Late Sudha Gangadhar Girjapure, Died On: 01/07/2024,** R/o.House No. 160 A, Renuka Mata Mandir, Kumbharpura, Badkas Chauk, Nagpur 440032. Died on **Nagpur** and Whereas **Shilpa Atul Wadyalkar & Others** has presented an application to this Court for grant of **Legal Heir Certificate Under Clause 2 of Bombay Regulation VIII of 1827.**

This is to give notice to all persons who may dispute the right of the said Applicants **Shilpa Atul Wadyalkar & Others** as Legal Heir of the deceased to appear in the Court of **15th Jt. Civil Judge Sr.Dn., Nagpur** on **05th Day of Dec., 2024** at 10.30 A.M. there to enter their objections and it is hereby declared that if no sufficient objections is offered on or before the date mentioned above, the Court will forthwith proceed to receive proof of the said Applicants right and to grant them, provided they shall appear entitled thereto a Certificate on Legal Heir of the said deceased.

Given under my hand and the seal of the court, this day of **25th day of Sep., 2024.**

Seal
By order of the Court
Asstt. Supdt. (T.W.)
Court of Civil Judge Sr. Dn. Nagpur.
Prasanna Publicity 09326927622

PUBLIC NOTICE
Pro. No. 7207 Dt. 13/11/24
IN THE COURT OF JOINT CIVIL JUDGE JUNIOR DIVISION, NAGPUR. Room No. 416-A
M.J.C. Case No. 1017/2024
Fixed For 03/12/2024

Applicant : 1) Kanchan Vilas Zodape, R/o Juni Bidipeth Near Budha Vihar, Nagpur, **2) Muktabai Wd/o Balkrishna Zodape,** R/o Juni Bidipeth Near Budha Vihar, Nagpur. **--Versus--**

Non-Applicants: Nil

Name of Deceased: Vilas Balkrishna Zodape, Died On 19/10/2022, R/o Juni Bidipeth Near Budha Vihar, Nagpur.

Whereas **Vilas Balkrishna Zodape, Died On 19/10/2022,** R/o Juni Bidipeth Near Budha Vihar, Nagpur. and Whereas **Kanchan Vilas Zodape & Oth.** has presented an application to this Court for grant of **Legal Heir Certificate Under the Bombay Regulation Act 1827.**

This is to give notice to all persons who may dispute the right of the said Applicants **Kanchan Vilas Zodape & Oth.** as Legal Heir of the deceased to appear in the Court of **Joint Civil Judge Junior Division, Nagpur** on **3rd Day of December, 2024** at 10.30 A.M. there to enter their objections and it is hereby declared that if no sufficient objections is offered on or before the date mentioned above, the Court will forthwith proceed to receive proof of the said Applicants right and to grant them, provided they shall appear entitled thereto a Certificate on Legal Heir of the said deceased. Given under my hand and the seal of the court, that **13th day of November, 2024.**

Seal
By order of the Court
Asstt. Supdt. (T.W.)
Court of Civil Judge Sr. Dn. Nagpur.
Prasanna Publicity 09326927622

PUBLIC NOTICE
Pro. No. 7014 Date 07.11.24
IN THE COURT OF 5th Jt. CIVIL JUDGE JR. DN., NAGPUR. (M.S.) Room No. 404
Succession Case No. 292/2024
Fixed For 10/12/2024

Applicants : 1) Maya Gopal Deshbhratar, R/o Behind Shiv Mandir, Bhande Anand Kausalyan Nagar, Pili Nadi, Uppalwadi, Kamptee Road, Nagpur, **2) Sikandar Balaji Gondane,** R/o Near Kailash Kirana Store, Sugat Nagar, Nari Road, P. S. Jaripatka, Nagpur, **3) Chhaya Nilkanth Sanare,** R/o Near Water Tank, New Indora Zopda, P. S. Jaripatka, Nagpur.

--Versus-- Non-Applicants: Nil

Name of Deceased: 1) Sushila Wd/o Balkrushna Gondane, Died On: 04/04/2022, 2) Balkrushna @ Balaji Govinda Gondane, Died On: 28/04/2016, Both R/o Near Water Tank, New Indora Zopda, P.S. Jaripatka, Nagpur.

Whereas **Sushila Wd/o Balkrushna Gondane, Died On: 04/04/2022, 2) Balkrushna @ Balaji Govinda Gondane, Died On: 28/04/2016,** Both R/o Near Water Tank, New Indora Zopda, P.S. Jaripatka, Nagpur. and Whereas **Maya Gopal Deshbhratar & Oth.** has presented an application to this court for grant of Succession Certificate U/s. 372 of Indian Succession Act, **in respect of the Amount of Rs. 1,61,455/- standing** in the name of the deceased & left by the deceased.

This is to give Public Notice to all persons who may dispute the right of the said Applicant **Maya Gopal Deshbhratar & Oth.** as successor, of the deceased, to appear in the Court of **5th Jt. Civil Judge Jr. Dn., Nagpur** on **10th day of December, 2024** at 10.30 a.m. There to enter their objections and it is here by declared that if no sufficient objections is offered on or before the date mentioned above, the Court will forthwith proceed to receive proof of the said Applicants right and to grant them, provided they shall appear entitled thereto a Certificate of succession of the said deceased.

Given under my hand and the seal of the court, this day of **7th day of November, 2024.**

Seal
By order of the Court
Asstt. Supdt. (T.W.)
Civil Judge Sr.Dn. Nagpur.
Prasanna Publicity 09326927622

शिवाजी की प्रतिमा ढहने से लोगों में नाराजगी

मुंबई. जहां फिलहाल सिंधुदुर्ग जिले के मालवण शहर में लाल पत्थर से निर्मित राजकोट किले में इन दिनों एक संरचना सफेद तिरपाल से ढकी हुई है। यह छत्रपति शिवाजी महाराज की वही प्रतिमा है जो अगस्त में ढह गई थी और जिसके बाद पूरे महाराष्ट्र में ही विरोध प्रदर्शन शुरू होने के साथ राजनीतिक भूचाल आ गया था। वहीं चुनावी राज्य में विपक्षी महा विकास आघाडी ने इस घटना को जनता के बीच मुद्दा बनाया और प्रतिमा के निर्माण में भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए सरकार को घेरा तो जरुर। लेकिन लोगों के लिए इससे भी बड़े और गंभीर मुद्दे हैं जिनमें रोजगार और खराब स्वास्थ्य सुविधाएं प्रमुख हैं।

छत्रपति शिवाजी महाराज की इस प्रतिमा के ढहने के कुछ दिन बाद, खुद प्रधानमंत्री मोदी ने शिवाजी महाराज से और 17वीं सदी के महाराजा की प्रतिमा गिरने से आहत लोगों से माफी मांगी। स्थानीय लोगों ने कहा कि मालवण में प्रतिमा के ढहने से लोगों का गुस्सा और पीड़ा साफ तौर पर दिख रहा है क्योंकि इस क्षेत्र की पहचान महान मराठा राजा से है, लेकिन लोगों के लिए इससे भी बड़े और गंभीर मुद्दे हैं जिनमें रोजगार और खराब स्वास्थ्य सुविधाएं हैं।

जानकारी दें कि, यह शहर शिवाजी द्वारा निर्मित प्रसिद्ध सिंधुदुर्ग समुद्री किले के लिए जाना जाता है। यह क्षेत्र अपने काजू उत्पादन और अल्फांसो आमों के लिए भी जाना जाता है। मालवण की अर्थव्यवस्था पर्यटन और मछली पकड़ने के काम पर टिकी है। हर दिन बड़ी संख्या में पर्यटक शहर से सिंधुदुर्ग किले तक नौका से जाते हैं। इस पर एक टूर ऑपरेटर ने कहा, ''हमारे लिए, शिवाजी महाराज सिर्फ आस्था और सम्मान का विषय नहीं हैं। उनकी मृत्यु के 350 साल बाद भी, उनके द्वारा बनाया गया किला हममें से कई लोगों को रोजगार देता है।"

आज का राशिफल

मेष -आज का दिन आपके लिए अध्यात्म के कार्यों से जुड़कर नाम कमाने के लिए रहेगा। आप अपने जरूरी कामों का लेखा-जोखा रखें.

वृषभ -आज का दिन आपके लिए कुछ नए संपर्कों से लाभ लेकर आएगा। आपकी कुछ मुश्किलें बढ़ सकती हैं।

मिथुन-आज का दिन आपके लिए साहस और पराक्रम में वृद्धि लेकर आने वाला है। आपकी कुछ नया करने की आदत से आपके बॉस खुश रहेंगे।

कर्क -आज का दिन आपके लिए किसी नए वाहन की खरीदारी के लिए अच्छा रहेगा। आपका कोई सरकारी काम यदि लंबे समय से अटका हुआ था,

सिंह -आज का दिन आपके लिए मिलाजुला रहने वाला है। आपको अपने कामों को लेकर योजना बनाकर चलना होगा।

कन्या -आज का दिन आपके लिए कुछ खास रहने वाला है। आपके कुछ काम यदि लंबे समय से रुके हुए थे,

तुला -आज आपको कानूनी मामलों में सावधान रहने की आवश्यकता है। आपको किसी बात को लेकर जल्दबाजी नहीं दिखानी है।

वृश्चिक -आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। धार्मिक गतिविधियों में आप बढ़ चढ़कर हिस्सा लेंगे।

धनु -आज का दिन आपके लिए ऊर्जावान रहने वाला है। आपकी किसी अनुभवी व्यक्ति से मुलाकात होगी।

मकर- आज का दिन आपके लिए लंबे समय से रुके हुए कामों को पूरा करने के लिए रहेगा। आप अपनी अच्छी सोच का कार्यक्षेत्र में लाभ उठाएंगे।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए आत्मविश्वास से भरपूर रहने वाला है। आपको यदि काम को लेकर कुछ समस्याएं चल रही थी,

मीन- आज का दिन आपके लिए आत्मविश्वास से भरपूर रहने वाला है।

नवाब मलिक ने बढ़ाई महायुति में टेंशन

> अजित पवार को सीएम बनाने की भरी हुंकार

मुंबई. एनसीपी प्रत्याश नवाब मलिक ने कहा है कि अगर एक सीट से झारखंड में मधु कोड़ा सीएम बन सकते हैं तो फिर अजित पवार सीएम क्यों नहीं बन सकते? हालांकि एबीपी न्यूज की चित्रा त्रिपाठी से बातचीत में उन्होंने यह भी कहा कि बीजेपी में देवेंद्र फडणवीस की जगह एक युवा नेता को सीएम बनाया जा सकता है.

नवाब मलिक मानखुर्द शिवाजी नगर से चुनाव लड़ रहे हैं. बीजेपी के विरोध के कारण एनसीपी ने पहले उनकी बेटी सना मलिक को टिकट दे दिया, लेकिन नामांकन के आखिरी दिन नवाब मलिक के नाम का भी ऐलान कर दिया. एकनाथ शिंदे की शिवसेना का प्रत्याशी भी मानखुर्द शिवाजी सीट से चुनाव लड़ रहा है. वहीं, अजित पवार ने हाल में कहा था,

''मैंने दिखावे के लिए नवाब मलिक को टिकट नहीं दिया है. विरोध के बाद भी टिकट दिया. मैंने उन सीटों से मुस्लिम उम्मीदवार उतारे हैं जहां से वे चुनाव जीत सकें.यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने 'बंटोगे तो कटोगे' का नारा दिया था. इसके बाद बीजेपी के लगभग सभी नेता महाराष्ट्र चुनाव में इसका जिक्र कर रहे हैं. इस पर केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी का भी बयान आया है. गडकरी ने कहा कि लोग इसके अलग-अलग अर्थ निकाल रहे हैं. यह उन्हें विभाजित करने का प्रयास नहीं है. सभी भारतीयों को एकजुट रहना चाहिए.

धार्मिक नारे ज्यादा दिन नहीं चलते: नवाब मलिक

2019 में उद्धव ठाकरे, शरद पवार और कांग्रेस के बीच हुए गठबंधन पर नवाल मलिक ने कहा, ''मैंने ही कहा था कि उद्धव बीजेपी छोड़कर आए हैं तो उनको धोखा नहीं देना चाहिए. फिर पार्टी ने तय किया कि उद्धव के साथ जाएंगे.'' नवाब मलिक ने बीजेपी के 'बंटेंगे तो कटेंगे' के नारे पर कहा कि यह बिल्कुल वाहियात नारा है. धार्मिक नारे ज्यादा नहीं चलते हम लोग हमेशा सेक्युलर थे और रहेंगे. मेरे नेता अजित पवार है. नरेंद्र मोदी बीजेपी के प्रचारक हैं.

Format C-1

Declaration about criminal cases (for candidate to publish in Newspapers, TV)

(As per the judgment dated 25th September, 2018, of Hon'ble Supreme Court in WP (Civil) No. 536 of 2011 (Public Interest Foundation & Ors. Vs. Union of India & Anr.)

Name and address of candidate: Ajay Kundlik Sahare

Name of political party: Vanchit Bahujan Aghadi

(Independent candidates should write "Independent" here)

Name of Election: Legislative Assembly Constituency General Election

Name of Constituency: 49-Savner Legislative Assembly Constituency

I Ajay kundlik Sahare (name of candidate), a candidate for the above mentioned election, declare for public information the following details about my criminal antecedents:

(A) Pending criminal cases				
Sl. No.	Name of Court	Case No. and dated	Status of case(s)	Section(s) of Acts concerned and brief description of offence(s)
1	2nd CJ.J.D and JMFC Saoner	RCC/143/2017 Dt: 22/11/2024	Pending	420 of Indian Peral Code

(B) Details about cases of conviction for criminal offences			
SL No.	Name of Court & date (s) of order (s)	Description of office(s) & punishment imposed	Maximum Punishment Imposed
-	N. A.	N. A.	N. A.
-	N. A.	N. A.	N. A.
-	N. A.	N. A.	N. A.

In the case of election to Council of States or election to Legislative Council by MLAs, mention the election concerned in place of name of constituency.

Note: 1. letters. The particulars regarding criminal cases pending against the candidate shall be in bold 2. The matter in newspapers shall be published in font size of at least 12. 3. Details should be given separately for each case in separate rows. 4. If a candidate is contesting an election on the ticket of a particular party, he/she is required to inform the party about the criminal cases pending against him/her. 5. The candidate shall report about publishing of declaration regarding criminal cases immediately after such publication to the Returning Officer. In addition, he shall submit a report about publishing of the declaration regarding cases in Format C-4 along with the account of election expenses within 30 days of declaration of result of election. (a) In case of elections to the Legislative Assemblies, this shall be submitted to District Election Officer concerned.

This may be published in Newspapers and TV from the day following the last date for withdrawal of candidature

and up to two days before the date of poll

सुविचार

समय के साथ जीवन में परिवर्तन किजीये,
वरना वक्त बदलने के लिए तिने नाही लगेगा।

संपादकीय

आपके पास जो भी हो वह दें, लेकिन दें जरूर

संतोष पटेल का गांव देवगांव मध्य प्रदेश के पन्ना जिले में सबसे छोटे गांवों में से एक है, जहां 2011 में 1500 से ज्यादा लोग नहीं थे। 2009 में जब वे इंजीनियरिंग करने अपने गांव से भोपाल आए तो शायद उनका पूरा संयुक्त परिवार उस समय गांव का सबसे बड़ा परिवार रहा होगा, क्योंकि आज उनका एक बड़ा परिवार है, जिसके सदस्यों की संख्या 120 है। वे गरीब थे और संघर्ष कर रहे थे। वे भोपाल में अप्सरा टॉकिज क्षेत्र में रहते थे, जहां सभी आय वर्ग के लोगों का निवास था, मुख्य रूप से निम्न और मध्यम वर्ग के। पटेल के आवास में बिजली की सुविधा भी नहीं थी, इसलिए उन्होंने केरोसिन लैंप में पढ़ाई की। पेट भरने के लिए उन्होंने अजीब जगहों पर काम किया। सब्जी खरीदते समय उनकी दोस्ती एक सब्जी के ठेले वाले सलमान खान से हुई, जो भोपाल के एक गरीब परिवार से ताल्लुक रखते हैं। उनके पांच भाई और तीन बहनें हैं। जब संतोष के पास सब्जियां खरीदने के लिए पैसे नहीं होते थे, तो सलमान उन्हें रोटी के साथ खाने के लिए कुछ भटे-टमाटर दे देते थे। बदले में संतोष उस भीड़ भरे बाजार में सब्जी की दुकान चलाने में उनकी मदद करते थे। ऐसा नहीं है कि सलमान संतोष को ज्यादा देते था और दूसरे गरीब छात्रों की मदद नहीं करते थे। उन्होंने उनकी भी मदद की, लेकिन संतोष के साथ उनका एक खास रिश्ता रहा।

दुकान बंद करने के बाद भी वे कुछ भटे-टमाटर अलग रख लेते थे, यह सोचकर कि छोटा लड़का भूखा न सोए। ऐसा भी नहीं है कि हर रोज सब्जियां मुफ्त मिलती थीं, लेकिन दोनों के बीच की केमिस्ट्री में पैसे किसी भी तरह से नहीं आ पाते थे। इस रिश्ते ने उन्हें अच्छा दोस्त बना दिया। पटेल ने इंजीनियरिंग की पढ़ाई पूरी की, लेकिन उन्हें नौकरी नहीं मिली। वे अपने गांव लौट आए और पन्ना में वनरक्षक की नौकरी करने लगे। उन्होंने पुलिस बल में शामिल होने के लिए पढ़ाई जारी रखी और 2017 में एमपीपीएससी पास कर ली। उन्होंने बैतूल और निवारी में डीएसपी के तौर पर काम किया, जो भोपाल से क्रमश: 150 और 322 किमी दूर हैं। लेकिन वे कभी वापस लौटकर सलमान का शुक्रिया अदा नहीं कर पाए। पटेल वर्तमान में ग्वालियर में तैनात हैं और इंस्टाग्राम पर 24 लाख फॉलोअर्स के साथ जाने-माने सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स में से एक हैं। वे अपने संघर्ष की कहानियां साझा करते हैं, गरीब परिवारों के छात्रों से मिलते हैं, उन्हें स्कूल यूनिफॉर्म और बैग उपहार में देते हैं, और वीडियो बनाते हैं जिनमें वे किसानों के साथ कविताएं साझा करते हैं। सलमान की याद इतने सालों तक उनके दिमाग में रही लेकिन उनकी व्यस्त नौकरी ने उन्हें राजधानी भोपाल लौटने की अनुमति नहीं दी। सौभाग्य से, उन्हें पिछले सप्ताह चार दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए भोपाल बुलाया गया। शनिवार को एक पुलिसकर्मी को अप्सरा टॉकिज के पास रुकते और अपनी ओर आते देख सलमान चिंतित हो गए। लेकिन वे तुरंत संतोष को पहचान गए और उन्हें सलाम किया। देखने वाले हैरान रह गए, क्योंकि यह पहली बार था, जब किसी पुलिसकर्मी ने सब्जी विक्रेता को न केवल कुछ मिठाइयां और पैसे दिए, बल्कि उन्हें गले भी लगाया, क्योंकि असली दोस्त लंबे समय के बाद मिले थे।

बाद में उन्होंने अपनी 14 साल की यात्रा के विवरण साझा किए। वेब-सीरीज की तरह लगने वाली इस कहानी की सबसे दिलचस्प बात यह है कि दोनों को कुछ देने की आदत है। सलमान ने सब्जियां इसलिए दीं क्योंकि उनके पास न केवल सब्जियां थीं बल्कि उनका मानना था कि किसी को भी बिना भोजन के नहीं सोना चाहिए, जबकि डीएसपी भी स्कूल की वर्दी और बैग खरीदकर संघर्षरत छात्रों को देते हैं, क्योंकि उनका मानना है कि शिक्षा किसी के जीवन को उनके जैसा बना सकती है।

धर्म

कब से शुरू होगा मार्गशीर्ष मास?

❒ हिंदू धर्म में मार्गशीर्ष माह का काफी खास महत्व होता है. यह हिंदू पंचांग का नौवां महीना है. मार्गशीर्ष मास को अगहन मास भी कहा जाता है. इस महीने में भगवान श्रीकृष्ण और शंख पूजा का विशेष महत्व बताया गया है. यह महीना मांगलिक कार्यों की दृष्टि से बेहद काफी अच्छा होता है. धार्मिक मान्यता है कि मार्गशीर्ष मास श्रीकृष्ण का प्रिय महीना है. कहते हैं कि इस माह में जो भी श्रीकृष्ण की उपासना करता है, उसे जन्म-मरण के बंधन से मुक्ति मिल जाती है. साथ ही स्वर्ग में स्थान प्राप्त होता है.

भगवान श्रीकृष्ण ने स्वयं कहा है कि महीनों में मैं मार्गशीर्ष हूं. इसलिए धार्मिक रूप से इस महीने का महत्व और अधिक बढ़ जाता है. यह महीना अंग्रेजी कैलेंडर के मुताबिक नवंबर-दिसंबर के बीच आता है. मार्गशीर्ष मास 2024 कब शुरू हो रहा है, मार्गशीर्ष के इस माह में क्या करना चाहिए और क्या करने से बचना चाहिए, आइए जानते हैं कि इसकी जानकारी इस लेख में जानते हैं. मार्गशीर्ष मास 16 2024 नवंबर से शुरू होगा और 15 दिसंबर 2024 तक चलेगा. मार्गशीर्ष मास के बाद पौष माह की शुरुआत हो जाएगी. इस साल मार्गशीर्ष माह के पहले दिन वृश्चिक संक्रांति भी पड़ रही है. इस दिन सूर्य वृश्चिक राशि में प्रवेश करेंगे. मार्गशीर्ष मास को भगवान श्रीकृष्ण की पूजा के लिए बहुत महत्वपूर्ण और लाभदायक माना जाता है. कहते हैं कि इस महीने में जप-तप और ध्यान करने से सारे बिगड़े कार्य बन जाते हैं. इस महीने अगर आप श्रीकृष्ण मंत्र का जाप करेंगे तो अवश्य ही आपकी सभी मनोकामनाएं पूरी होंगी.

नॉलेज

44 सेकंड में 12 रॉकेट लॉन्च

❒ डिफेंस सेक्टर में भारत ने एक और इतिहास रचा है. रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन ने हाल में गाइडेड पिनाका वेपन सिस्टम का परीक्षण किया. यह सफल रहा है. यह पूरी तरह से भारत में तैयार किया गया रॉकेट लॉन्चर सिस्टम है. यह सिस्टम मात्र 44 सेकंड में 12 रॉकेट दागने की क्षमता रखता है. रक्षा मंत्रालय का कहना है, इसका परीक्षण तीन अलग-अलग जगहों पर किया गया है. इस सिस्टम के लिए बने दो लॉन्चरों से कुल 24 रॉकेट दागे गए हैं. ट्रायल के दौरान इसकी लक्ष्य को भेदने की क्षमता, टेलीमेट्री सिस्टम और इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल टारगेटिंग सिस्टम समेत कई चीजों परखा गया. इस दौरान छोड़े गए सभी रॉकेट अपने लक्ष्य को सफलतापूर्वक भेदने में सफल रहे. जो मानक तय किए गए थे, परीक्षण में सब उस उम्मीद पर खरा उतरा. रॉकेट अपनेटारगेट को ध्वस्त करने में सफल रहे. परीक्षण सफल होने पर केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सेना को बधाई दी. उनका कहना है कि नया सिस्टम सेना को और मजबूत करेगा. जानिए कितना खास है भारत का गाइडेड पिनाका सिस्टम और कैसे काम करता है.गाइडेड पिनाका सिस्टम को डीआरडीओ के वैज्ञानिकों ने तैयार किया है. इसके अलावा म्यूनिशन्स इंडिया लिमिटेड और टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स ने भी इसकी तैयारी में योगदान दिया है. परीक्षण के बाद अब इस बात की चर्चा है कि जल्द ही इसे सेना का हिस्सा बनाया जा सकता है. इस रॉकेट लॉन्चर सिस्टम का नाम भगवान शिव के धनुष पिनाक के नाम पर रखास गया है.

महाराष्ट्र के चुनाव में शरद पवार पर सबकी नजरें रहेंगी

आरती जेरथ

❍ महाराष्ट्र का यह विधानसभा चुनाव अब तक का सबसे गहमागहमी वाला और भ्रमित करने वाला चुनाव भी है। और सभी की नजरें शरद पवार पर हैं। मराठा बाहुबली पवार का राज्य की राजनीति में चार दशकों से दबदबा रहा है, फिर चाहे वे मुख्यमंत्री रहे हों या सत्ता के पीछे की शक्ति। दो बार वे विपक्ष में रहे।

आज 83 की उम्र में उन्हें अहसास है कि शायद यह उनका आखिरी दांव है। देश के इस सबसे अमीर राज्य- जो सबसे ज्यादा लोकसभा सीटों के मामले में भी दूसरे नंबर पर है- में पवार के पास राजनीति की दिशा तय करने का यह आखिरी मौका है। वे अपनी विरासत और एनसीपी का भविष्य मजबूत करना चाहेंगे। वे यह भी जानते हैं कि महाराष्ट्र के नतीजों से आने वाले महीनों में राष्ट्रीय राजनीति की दिशा तय होगी। अगर भाजपा का महायुति गठबंधन हारता है, तो इससे हरियाणा में उसकी हालिया जीत को तुक्का मान लिया जाएगा। साथ ही, उसके भविष्य पर वे सवाल फिर उठने लगेंगे, जो लोकसभा चुनाव के बाद उठे थे। दूसरी ओर, शरद पवार के प्रयासों के साथ, कांग्रेस और शिवसेना के उद्धव ठाकरे वाले गुट को मिलाकर बने महा विकास अघाड़ी (एमवीए) की जीत से न केवल इंडिया ब्लॉक मजबूत होगा, बल्कि भारतीय राजनीति के महारथी और विपक्ष के रणनीतिकार के तौर पर पवार की छवि और मजबूत हो जाएगी। जाहिर है, उस शख्स के लिए बहुत कुछ दांव पर है, जिसका नाम महाराष्ट्र का पर्याय बन गया है। उम्र और स्वास्थ्य ने उन्हें शारीरिक रूप से भले धीमा कर दिया हो, दिमाग पहले जैसा ही तेज है।

एमवीए उनकी ही रचना थी। जब गठबंधन में रहते हुए 2019 का विधानसभा चुनाव जीतने के बावजूद, संयुक्त शिवसेना और भाजपा सरकार बनाने के लिए सहमति पर पहुंचने में विफल रहे, तो पवार ने एक जादूगर की तरह एमवीए को अपनी टोपी से बाहर निकाला था। उन्हें इसकी कीमत तीन साल बाद चुकानी पड़ी, जब भाजपा ने पहले एकनाथ शिंदे को अलग करके शिवसेना और फिर उनके भतीजे अजित पवार को अलग करके पवार की अपनी पार्टी एनसीपी को विभाजित कर दिया। यह शरद पवार के लिए बहुत बड़ा झटका था और तब से वे प्रतिशोध लेना चाह रहे थे। उन्हें लोकसभा चुनावों में मौका मिला, जब उन्होंने महायुति को हराने और महाराष्ट्र की 48 में से 30 सीटें जीतने में एमवीए की मदद की। महाराष्ट्र और यूपी में हार ने ही भाजपा को बहुमत के आंकड़े से नीचे ला दिया था और उसे गठबंधन सरकार बनाने के लिए मजबूर होना पड़ा।

अब पवार दूसरे राउंड की तैयारी कर रहे हैं और उन्हें उम्मीद है कि यह भाजपा को महाराष्ट्र से बाहर करने का अंतिम दौर होगा। साफ है कि एमवीए में फैसले कौन ले रहा है। सीट बंटवारे के फॉर्मूले को लेकर उद्धव की शिवसेना और कांग्रेस के बीच अंत तक खींचतान चली। समझौता कराने के लिए शरद पवार को बुलाया गया। पवार ने न केवल समझौता कराया, बल्कि अपने लिए सीटों का बड़ा हिस्सा हासिल कर फायदा भी पाया। शरद पवार ने जो फॉर्मूला निकाला, वह गौर करने लायक है। पवार का मुख्य प्रभाव क्षेत्र पश्चिमी महाराष्ट्र का चीनी उत्पादक क्षेत्र है। इस क्षेत्र में विधानसभा की 70 सीटें हैं। लोकसभा चुनावों में, पवार ने केवल 10 सीटों पर चुनाव लड़ा, जिनमें उन 70 में से लगभग 65 विधानसभा सीटें आती हैं। हैरानी की बात यह थी कि उनके जैसा कद्दावर नेता इतनी कम सीटों पर समझौता कर गया।

लेकिन एक चतुर राजनेता होने के नाते शरद पवार ने केवल उन निर्वाचन क्षेत्रों में लड़ने का विकल्प चुना, जहां उन्हें लगा कि भतीजे अजित पवार द्वारा उनकी पार्टी को बांटने के बावजूद वे जीत सकते हैं। हुआ भी यही। महाराष्ट्र में बाकी पार्टियों की तुलना में पवार का स्ट्राइक रेट सबसे ज्यादा था। उन्होंने 10 में से 8 सीटें जीतीं। लोकसभा चुनाव के बाद से, उन्होंने अपनी पार्टी में सबकुछ ठीक करने के लिए कड़ी मेहनत की है।

वे अजित के गुट के सात महत्वपूर्ण दलबदलुओं को वापस ले आए और बेटी सुप्रिया सुले, भतीजे रोहित और पोते युगेंद्र के बीच उत्तराधिकार को लेकर क्रम तय किया। उन्होंने आत्मविश्वास दिखाते हुए परिवार के गढ़ बारामती में अजित के खिलाफ युगेंद्र को मैदान में उतारा है। यह लंबे समय तक उनकी अपनी सीट रही है। अजित पवार की पार्टी विधानसभा चुनाव में 87 सीटों पर लड़ने के लिए तैयार है। इससे अजित को न केवल अपनी एनसीपी की पकड़ मजबूत बनाने का मौका मिलेगा, बल्कि विदर्भ व मराठवाड़ा समेत अन्य इलाकों में भी पंख फैलाने का मौका मिलेगा। लेकिन शरद पवार एमवीए की ओर से हर चाल सोच-समझकर चल रहे हैं।

बाल कथा

मनीष और नर भक्षी

आभा यादव

❒ मनीष की बात सुनकर तान्या सोच में पड़ गया. वह भी यही चाहता था कि बिना परेशानी में पड़े काम बन जाये. काफी देर विचारों में खोये रहने के बाद उसे आशा की एक किरण दिखाई दी. वह गम्भीरता से बोला, तुम एक बार फिर जादू दिखा दो. जिससे सरदार प्रभाव में आ जाए. जादू!"मनीष का दिमाग तेजी से चक्कर काटने लगा. ऐसा जादू नहीं हो सकता कि देवता स्वयं बोलने लगे. "तान्या ने कुछ सोचते हुए कहा. काम बन गया. "खुशी से तान्या की पीठ ठोकते हुए मनीष ने कहा. एकबार के लिए वह भूल गया कि तान्या उससे बहुत बड़ा है. कैसे?"तान्या ने उत्सुकता से पूछा. अब तुम किसी बात की चिंता न करो. अंधेरा होते ही तुम बस्ती से बाहर मिलो. मैं गन्ने के खेत में मिलूंगा. मनीष ने समझाया. ठीक है, अंधेरा होते ही मैं गन्ने के खेत पर पहुंच जाऊँगा. कहकर तान्या झोंपड़ी से बाहर निकल गया.

गन्ने के खेत के पास सरसराहट हुई. मनीष संभल गया तभी सरसराहट के पास चिड़ियों के चहचहाने की आवाज आयी. मनीष गन्ने के खेत से बाहर निकल आया. खेत से सटा हुआ एक साया खड़ा था. खेत से निकलकर मनीष बस्ती से बाहर की ओर चलने लगा. साया उसके साथ था. काफी दूर चलने के बाद मनीष एक स्थान पर रूक गया. यहां पत्थरों का एक ढ़ेर पड़ा था. मनीष ने कुछ पत्थर साये को थमाये कुछ स्वयं उठा लिए. इसके बाद दोनों देवता की ओर चल दिए. देवता के टीले के पास पहुंच कर मनीष के हाथ तेजी से चलने लगे. देखते ही देखते टीला बीच से खोखला हो गया. इस खोखले भाग में मनीष ने साथ लाए हुए पत्थर भर दिए. कुछ देर में टीला पहले जैसा हो गया. इस काम से निपटकर मनीष ने जेब से छोटी टार्च और पाकेट टेपरिकार्डर निकाला जिसे वह शिकार पर आते समय जानवरों की आवाज टेप करने के लिए साथ लाया था. देखो, यह डिब्बा में तुम्हें दे दूंगा. जब मुझे देवता के पास ले जाया जाये और लोग देवता को नहलायें तभी तुम इस नीचे वाले बटन को दबा देना. "मनीष ने टार्च की रोशनी में टेपरिकार्डर की कार्यविधि समझाते हुए कहा. ठीक है ठीक से समझते हुए साए ने कहा. मनीष ने टार्च बुझाकर जेब में रख ली. टेपरिकॉर्डर अब साए के पास था. साया और मनीष बस्ती की ओर वापस चल दिए. मनीष के आगे मौत घूम गई.

उसे अपनी आँखों पर विश्वास नहीं हो रहा था. कभी तान्या की गद्दारी पर उसका मन नफरत से भर जाता. कभी सामने खड़ी मौत देखकर सिहर जाता. रात तान्या से मिलकर तान्या ने मौत से बचने का रास्ता ढूंढ लिया था. किंतु कल तक जिस तान्या ने उसे मौत से बचने के रास्ते सुझाये थे वही आज उसकी मौत बनकर सामने खड़ा था. मनीष ने एक बार अपने चारों ओर खड़े जंगलियों पर नजर डाली. सातों जंगलियों के हाथ में तीर थे. सभी जंगलियों के तीर मनीष की गर्दन की ओर निशाना साधे हुए थे. तान्या मनीष के ठीक सामने था. मनीष की चारों ओर घूमती निगाहें तान्या पर आकर रूक गई. तान्या की नजरें नीचे झुक गई. देवता के स्नान के लिए चलो. "सरदार ने पंक्ति में खड़े सातों जंगलियों को आज्ञा दी. इनके सिर पर पानी से भरे घड़े थे.

मनीष की सांस थम सी गई. सब कुछ वैसा ही हो रहा था, जैसा बलि देते समय होता है. उसने तान्या के साथ मिलकर बचने की योजना बनाई थी, किन्तु तान्या स्वयं मौत बना सामने खड़ा था. कभी उसे तान्या पर क्रोध आता कभी अपनी किस्मत पर रोना. लेकिन, अभी तक उसकी समझ में यह नहीं आ रहा था कि उसकी जान बचाने वाला तान्या अपनी बात से मुकर क्यों गया?क्यों मौत बनकर सामने खड़ा है? ढ़ेरों सवाल उसके दिमाग में घूम रहे थे. लेकिन वह इस समय तान्या से कुछ कह भी नहीं सकता था. उसके होंठ चिपक कर रह गए थे.

लघु कथा

छः महीने से नौकरी के लिए भटक रहा था

❒ प्रतीक कम्पयुटर साइंस में बी ई करने के उपरांत छः महीने से नौकरी के लिए भटक रहा था। रोज सुबह-सुबह दफ्तरों में इन्टरव्यू के लिए निकल जाता था। कदाचित् कुछ स्टेज क्लीयर भी कर लेता था पर फाइनली सेलेक्ट नहीं हो पाता था। एक बार फिर प्रतीक एक कम्पनी में अन्ततः चयनित नहीं हो पाने के कारण हताश और निराश होकर लौट रहा था तो देखा कि मुहल्ले का हीं एक पांव से पोलियोग्रस्त सात-आठ साल का लड़का, त्रिलोचन पैर घसीट घसीट कर आगे बढ़ रहा था। पसीना से तर-बतर त्रिलोचन थक कर किसी घर के आगे बने चबूतरे पर जब बैठ गया तो प्रतीक भी अपनी बाइक खड़ी कर उसके बगल में बैठ गया और अपने बैग से पानी का बोतल निकाल कर त्रिलोचन की ओर बढ़ा दिया। त्रिलोचन ने पानी पीने के बाद सधन्यवाद बोतल वापस किया। प्रतीक ने त्रिलोचन से कहा- चलो मैं तुम्हें बाइक से घर छोड़ देता हूँ, लड़के ने बड़ी मासूमियत से कहा अरे! नहीं भैया, इसकी जरूरत नहीं है, यह तो मेरा रोज का काम है। वह कहने लगा, पता है! पापा मुझे आइ ए एस बनाना चाहते हैं और इसके लिए इन्सान को हर तरह की चुनौतियों का सामना करने के लिए स्वयं को तैयार करना चाहिए।असल में आज गरमी थोड़ी बढ़ी हुई है, कुछ दिनों में बर्दाश्त करने की क्षमता आ जाएगी। उस दिव्यांग बालक की बातें सुनकर प्रतीक उत्साह से भरा जा रहा था और उसमें अब किसी प्रकार की निराशा नहीं थी क्योंकि उसको जीवन की प्रेरणा मिल चुकी थी।

हास्य व्यंग्य

स्वास्थ्य प्राप्त करने की कोई उम्मीद बाक़ी

❒ जब रोग बहुत पुराना हो जाए और स्वास्थ्य प्राप्त करने की कोई उम्मीद बाक़ी न रहे तो ज़िंदगी की सारी खुशियाँ सीमित होकर बस यहीं तक रह जाती हैं कि चारपाई के सिरहाने मेज़ पर जो अंगूर का गुच्छा रखा है उसके चंद दाने खा लिए, महीने-दो-महीने के बाद कोठे पर स्नान कर लिया या कभी-कभी नाख़ुन तरशवा लिए। मुझे कॉलेज का रोग लगे हुए अब कई वर्ष हो चुके हैं। जवानी का रंगीन ज़माना परीक्षाओं में उत्तर लिखते-लिखते गुज़र गया। और अब जीवन के जो दो-चार दिन बाक़ी हैं वो प्रश्न बनाते-बनाते बीत जाऐंगे। एम.ए. की परीक्षा मानो रोग का संकटकाल था। विश्वास था कि इसके बाद या रोग न रहेगा या हम न रहेंगे। सो रोग तो बदस्तूर बाक़ी है और हम.....हर-चंद कहें कि हैं, नहीं हैं ।

छात्र-जीवन का ज़माना बेफ़िक्री का ज़माना था। नर्म-नर्म गदेलों पर गुज़रा, मानो ऐश के बिस्तर पर लेटा था। अब तो शय्या-ग्रस्त हूँ। अब ऐश सिर्फ़ इस क़दर नसीब है कि अंगूर खा लिया। स्नान कर लिया। नाख़ुन तरशवा लिए। सारी दौड़-धूप लाइब्रेरी के एक कमरे और स्टाफ़ के एक डरबे तक सीमित है और दोनों के ठीक बीच का हर मोड़ एक कमीनगाह मालूम होता है। कभी रावी से बहुत दिलचस्पी थी। रोज़ाना तड़के सुबह, उसका पाठ किया करता था। अब उसके संपादक साहब से मिलते हुए डरता हूँ कि कहीं-न-कहीं स्वार्थपूर्ण सलाम खींच मारेंगे। हाल में से गुज़रना क़यामत है। वहम का यह हाल है कि हर खंभे के पीछे एक

संपादक छिपा हुआ मालूम होता है।

कॉलेज के जलसों में अपनी बदज़बानी से बहुत हंगामे किए। जलसे का अध्यक्ष बनने से हमेशा घबराया करता हूँ कि यह 'कुत्ते के मुँह में रोटी का टुकड़ा डाल देना बेहतर है ' वाला मामला है। अब जब कभी जलसे का सुन पाता हूँ एक ठंडी सी दुर्बलता शरीर पर छा जाती है। जानता हूँ कि अध्यक्ष की कुर्सी की सूली पर चढ़ना होगा और सूली भी ऐसी कि अनल-हक़ का नारा नहीं लगा सकता। माननीय क़ाज़ी साहब ने अगले दिन कॉलेज में एक मुशायरा किया। मुझसे बदगुमानी इतनी कि मुझे अपने ठीक सामने एक नुमायाँ और बुलंद मुक़ाम पर बिठा दिया और मेरी हर हरकत पर निगाह रखी। मेरे इर्द-गिर्द महफ़िल गर्म थी और मैं इसमें कंचनचंगा की तरह अपने शिखर पर जमा बैठा था।

जिस दिन कॉलेज में छुट्टी हुआ करती मुझ पर उदासी सी छा जाती। जानता कि आज के दिन लुंगीधारी, तौलिया- वाहक, साबुन -वादी हस्तियाँ दिन के बारह एक बजे तक नज़र आती रहेंगी। दिन-भर लोग गन्ने चूस-चूसकर जगह-जगह पर खोई के ढेर लगा देंगे, जो धीरे-धीरे पुरातात्विक अवशेषों का सा मटियाला रंग धारण करलेंगे। जहाँ किसी को एक कुर्सी और स्टूल उपलब्ध हो गया वहीं खाना मँगवा लेगा और खाना खा चुकने पर कव्वों और चीलों की एक बस्ती आबाद करता जाएगा ताकि दुनिया में नाम बरक़रार रहे।

✻ श्री स्वामी समर्थ हॉस्पिटल के 13 वर्ष पूर्ण होने पर हार्दिक अभिनंदन ✻

डॉक्टर ने दी बायपास की सलाह पर ईईसीपी उपचार से बिना ऑपरेशन मिला आराम

70 से 100% ब्लॉकेजेस का
Latest VASOMEDITECH E.E.CP. TS3
मशीन द्वारा बगैर ऑपरेशन उपचार

आबेदा बेगम इनका डॉ. प्रदिप पाटील इनके श्री स्वामी समर्थ हॉस्पिटल में हुआ सफल उपचार

नागपुर: हृदय रोग से पीड़ित मरीजों के लिए ईईसीपी उपचार काफी फायदेमंद साबित हो रहा है। बाईपास सर्जरी के बाद समस्याओं से पिडीत मरीज़, जिन मरीज़ों को बाईपास नहीं हो सकता और बुजुर्ग मरीज़ों को भी ईईसीपी उपचार से राहत मिल रही है। डॉ. प्रदीप पाटिल के त्रिमूर्तिनगर स्थित श्री स्वामी समर्थ हॉस्पिटल में हृदय रोग से पीड़ित कई रोगियों को फायदा मिला है। एंजियोग्राफी के बाद डॉक्टर हमेशा एंजियोप्लास्टी या बाईपास सर्जरी का सुझाव देते हैं। लेकिन 100 फीसदी राहत की गारंटी कोई नहीं देता। जिन मरीजों को ऐसे बाईपास करने की सलाह दी गयी है, वे सर्जरी के बिना ईईसीपी उपचार से समाधान मिला हैं।

20 पर आ गयी थी हार्ट पम्पिंग

मैं डेढ़ से दो साल तक बीमार रही। मैं कई बीमारियों से पीड़ित थी। टीबी, थायराइड, शुगर, बीपी आदि बीमारियाँ हो गयी थी। इस दौरान मैं इलाज के लिए 40 दिन तक आईसीयू में रही। हाथों में जलन, पीठ में जलन और गले में भी दर्द था। रातभरी सो नहीं सकती थी। जब मैंने डॉक्टर को बताया तो उन्होंने मुझे दूसरे डॉक्टर के पास भेजा। दूसरे डॉक्टर ने टेस्ट करने को कहा। जब मैंने सारे टेस्ट किये तब पता चला कि मुझे हृदय संबंधी समस्या है। इसके बाद वे मुझे हार्ट के हॉस्पिटल ले गये। वहां एंजियोग्राफी की गई। उसमें चार ब्लॉकेज मिले। डॉक्टर ने तुरंत बायपास सर्जरी करने लिए कहा। इस बिच मेरे पति ने अपने दोस्त से बात की जिन्हे भी इसी तरह की 3 समान ब्लॉकेज थे। फोन पर उनसे इलाज के बारे में पूछा, तो उन्होंने हमें अपने ऑफिस में बुलाया और वहां से डॉ. प्रदीप पाटिल के श्री स्वामी समर्थ हॉस्पिटल ले गए। डॉ. प्रदीप पाटिल द्वारा उपचार शुरू करने के बाद, मुझे केवल पांच दिनों में ही फरक दिखाई देने लगा। हाथों की, पिठ की जलन और गले का दर्द दूर होने लगा। डॉक्टर ने एक महीने की दवाएँ दी थीं। अब स्थिति में बहुत सुधार हुआ है। हम दूसरी मंजिल पर रहते हैं, मैं चालीस सीढ़ियाँ चढ़ती हूँ और चालीस सीढ़ियाँ उतरती हूँ। पुरा कोर्स 35 दिन का है लेकिन मेरी हालत देखने के बाद डॉक्टर ने मुझे 50 दिन तक इलाज कराने के लिए कहा। खास बात यह है कि यहां मरीज की पूरी देखभाल की जाती है। डॉक्टर स्वयं उपस्थित होकर इलाज करते हैं। यदि वे नही रहें, तो उनकी बेटी या दामाद हमेशा मौजूद रहते हैं। मेरा हार्ट पपिंग 20 पर आ गया था, एक महीने के इलाज के बाद यह बढ़कर 40 प्रतिशत हो गया। अन्य सभी रिपोर्ट भी सामान्य आयी हैं। हमें अस्पताल में 2 से 8 ब्लॉकेज वाले मरीज भी दिखे जिन्हे ईईसीपी उपचार से राहत मिली है। मुझे भी चिकनगुनिया हो गया था, फिलहाल चिकनगुनिया ठीक हो गया है लेकिन पैरों में थोड़ा दर्द है।

आबेदा बेगम कमरुज्जमा अंसारी (52 वर्ष), बीबी कॉलोनी, कामठी, नागपुर

इन मरीजों के लिए उपयुक्त है ईईसीपी ट्रिटमेंट
- जिन मरीजों को एंजियोप्लास्टी, बायपास सर्जरी की सलाह दि गई है.
- जिन मरीजों को एंजियोप्लास्टी, बायपास करने पर भी तकलीफ है.
- जिनकी एंजियोप्लास्टी व बायपास नहीं हो सकता है.
- जिनके हृदय की पंपींग कम है.

Dr. Pradeep M. Patil | Dr. Rucha Patil Khetre

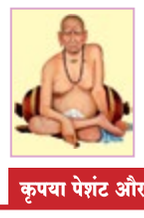

श्री स्वामी समर्थ हार्ट केयर सेंटर
पत्ता : प्लॉट नं.57/बी, गजानन महाराज मंदिर के पिछे, त्रिमुर्ती नगर, नागपूर
मोबाईल क्र. 7083493268, 8390381479
वेबसाईट : www.eecpsssh.com, www.healurheart.com

विशेषताए :
- बगैर ऑपरेशन कम खर्च में उपचार
- दर्दरहीत उपचार
- कोई दुष्परिणाम नही
- अस्पताल में भर्ती होने की जरुरत नही

21 वर्षों से रुग्ण सेवा में कार्यरत
4 मशिन युक्त सेंटर

कृपया पेशंट और पुराने रिपोर्ट साथ में लाए | कृपया सभी पेशंट अपॉइंटमेंट लेकर आए | मिलने का समय : सु.९ से दोप.१ बजे तक एवं शाम ६ से ९ बजे तक

नागपुर मेट्रो समाचार : फैजान मिडिया सर्विसेस प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशकः फैजान सिराज शेख ने देश पब्लिकेशन, ई-30/2 हिंगणा एमआईडीसी, नागपुर-16 से मुद्रित कर 532, हनुमान नगर नागपुर.440009 से प्रकाशित किया.
संपादकः इमरान मुमताज शेख, मो. 9730005662 (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) ngpms2019@gmail.com RNI.NO - MAHHIN/2019/78960 (सभी न्यायालयीन प्रक्रिया नागपुर न्यायालय में होगी.)

सूर्या 'कंगुवा' को ले डूबे खराब रिव्यूज

साउथ स्टार सूर्या और बॉबी देओल की फिल्म 'कंगुवा' गुरुवार को बड़े हाइप के बीच थिएटर्स में रिलीज हुई. तमिल इंडस्ट्री से आई इस लेटेस्ट पैन इंडिया फिल्म के ट्रेलर्स और प्रमोशनल मैटेरियल में काफी दम नजर आ रहा था. हिंदी में पहली बार इतनी बड़ी फिल्म के साथ आ रहे सूर्या के लिए भी लोग एक्साइटेड थे. मगर पहले ही दिन फिल्म ने जिस तरह परफॉर्म किया है, उसका अंदाजा किसी ने गलती से भी नहीं लगाया था. कंगुवा' से लोगों को एक शानदार विजुअल एक्सपीरियंस की उम्मीद थी, मगर फिल्म ने इस मामले में बहुत निराश किया. फिल्म के पहले शो के बाद से ही लोगों का वर्ड ऑफ माउथ फिल्म के लिए नेगेटिव होने लगा और रिव्यूज में भी फिल्म की कमियों को खूब उधेड़ा गया. इसका असर सीधा बॉक्स ऑफिस पर हुआ है और 'कंगुवा' को अनुमान से आधी भी ओपनिंग नहीं मिली है.

हिंदी वर्जन में फिल्म ने जरूर सॉलिड ओपनिंग की, मगर यहां भी कहानी में एक ट्विस्ट है. पहले दिन ही ठंडी पड़ी 'कंगुवा' की आग सूर्या की फिल्म के लिए एडवांस बुकिंग बहुत जोरदार तरीके से शुरू हुई थी. लेट स्टार्ट हुई बुकिंग को शुरुआत से ही ऐसा रिस्पॉन्स मिला कि फिल्म बिजनेस की उम्मीद 'कंगुवा' से बढ़ने लगीं. अनुमान लगाया जा रहा था कि पहले दिन ये फिल्म इंडिया में 60 करोड़ रुपये की रेंज में कलेक्शन करने वाली है.

हालांकि फिल्म ने पहले दिन अनुमान का आधा कलेक्शन भी नहीं किया है. ट्रेड रिपोर्ट्स बताती हैं कि 'कंगुवा' के नेगेटिव माहौल का ऐसा असर पड़ा है कि फिल्म की ओपनिंग अनुमान के मुकाबले आधी भी नहीं बची है. 'कंगुवा' का ओपनिंग कलेक्शन 30 करोड़ रुपये से कम ही हुआ है और फाइनल आंकड़े सामने आने तक यह भी हो सकता है कि ये 25 करोड़ के अंदर ही सिमट जाए. साउथ से निकलकर पैन इंडिया नाम बनाने के एम्बिशन में कन्नड़-तेलुगू-मलयालम इंडस्ट्री के नए से नए स्टार्स भी आजकल जमकर कोशिश कर रहे हैं. ऐसे में सूर्या जैसे बेहतरीन तमिल स्टार के पास हर वो वजह है कि वो पैन इंडिया लेवल का अटेम्प्ट करें. उनकी लेटेस्ट फिल्म 'कंगुवा' के टीजर, ट्रेलर और हर प्रमोशनल मैटेरियल में वो सारी चीजें भी नजर आ रही थीं जिनसे एक शानदार थिएट्रिकल एक्सपीरियंस डिलीवर करने की उम्मीद की जा सकती है. 'कंगुवा' की शुरुआत एक रिसर्च लैब फैसिलिटी जैसी जगह से होती है जहां से एक बच्चा फरार हो गया है.

लैब के सिपाही उसे खोज रहे हैं. ये बच्चा जा टकराता है फ्रांसिस से जो अल्ट्रा कूल नजर आने की हाड़तोड़ मेहनत करता एक बाउंटी-हंटर है जो अच्छी खासी फीस लेकर पुलिस के लिए, अपराधियों का शिकार करता है. बच्चा अजीब है, बोलता-बतियाता नहीं है, लेकिन बीच-बीच में फिल्म दिखाती रहती है कि इसके पास कुछ सुपरपावर टाइप सीक्रेट शक्ति है.

हिंदी में टूटा रिकॉर्ड पर कहानी में ट्विस्ट

ट्रेड के अनुमान ये भी कहते हैं कि हिंदी में 'कंगुवा' ने पहले दिन 3 करोड़ से ज्यादा कलेक्शन किया है. आंकड़ों के हिसाब से देखें तो सूर्या की फिल्म को हिंदी में तमिल स्टार्स थलपति विजय की 'लियो', कमल हासन की 'विक्रम' और रजनीकांत की 'जेलर' से बड़ी ओपनिंग मिली है. बल्कि 2018 में आई रजनीकांत की फिल्म '2.0' के बाद ये किसी तमिल फिल्म की, हिंदी में सबसे बड़ी ओपनिंग है. मगर यहां कहानी में एक ट्विस्ट है. 'कंगुवा' पिछले कुछ समय से हिंदी में रिलीज हो रहीं तमिल पैन इंडिया फिल्मों के मुकाबले एक बड़ी रिलीज है. फिल्मों की थिएट्रिकल रिलीज और ओटीटी रिलीज के बीच कम से कम 8 हफ्ते का गैप रखने की शर्त ना मानने के वजह से कई बड़ी तमिल फिल्मों को हिंदी में बड़ी रिलीज नहीं मिल पा रही थी. मगर 'कंगुवा' ने ये शर्त मानी और उत्तर भारत के नेशनल मल्टीप्लेक्स चेन्स थिएटर्स में भी इसे बड़ी रिलीज मिली है.

कानूनी पचड़े में बुरी तरह फंस गए बादशाह

'सैटरडे सैटरडे' जैसे फेमस गानों के लिए फेमस सिंगर और रैपर बादशाह एक मीडिया कंपनी के साथ कानूनी विवाद में फंस गए हैं. दरअसल कंपनी ने बादशाह के खिलाफ मामला दर्ज कराया है. जिसमें उनके गाने बावला के प्रोडक्शन और प्रमोशन के लिए जो पेमेंट तय किया था वो अभी तक नहीं किया है. जिसकी वजह से सिंगर एक बार फिर कानूनी पचड़े में फंस गए है. मीडिया कंपनी ने दावा किया है कि कंपनी ने अपने कॉन्ट्रैक्ट को पूरा किया है, जिसमें बादशाह और अमित उचाना स्टारर म्यूजिक 'बावला' का प्रोडक्शन, मार्केटिंग और प्रमोशन शामिल है. सभी सेवाएं पूरी करने के बावजूद, कंपनी का आरोप है कि बादशाह ने प्रोजेक्ट में शामिल लोगों के बकाया भुगतान नहीं किया है. शिकायतकर्ताओं के अनुसार, कई बार याद दिलाने के बाद भी जब उन्हें कोई नोटिस नहीं मिला तो उन्होंने कानूनी कार्रवाई का सहारा लिया. समाधान तक पहुंचने की उनकी लगातार कोशिशों के बावजूद, बादशाह ने कथित तौर पर झूठे वादे किए और बिना कोई पेमेंट किए तारीख को बार-बार टाला.

बॉलीवुड के सबसे विवादित सीन जिन पर मच गया था बवाल: श्रद्धा

बॉलीवुड फिल्मों में कुछ सीन्स ऐसे होते हैं, जो स्टार्स की पहचान बन जाते हैं। हर जगह उनके सीन की चर्चा होती है। दूसरी ओर ऐसी फिल्में भी हैं, जिनके सीन्स पर्दे पर कहानी के लिए ही नहीं, विवादों के कारण भी सुर्खियों में रहे हैं। खास बात है कि ये दृश्य बॉलीवुड की पॉपुलर फिल्मों से जुड़े हुए हैं, जिन्हें टीवी और सिनेमाघरों में खूब देखा गया है। आमिर खान और अनुष्का शर्मा स्टारर फिल्म पीके को बड़ी संख्या में दर्शक मिले। लेकिन फिल्म के कुछ सीन्स पर धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने का आरोप लगा। विशेषतौर पर भगवान की मूर्तियों से जुड़ी टिप्पणी पर विरोध गरमाया था। इन दृश्य पर आज तक भी दर्शक आपति दर्शाते हैं। बता दें कि यह फिल्म साल 2014 में रिलीज हुई थी। आदित्य रॉय कपूर और श्रद्धा कपूर स्टारर फिल्म आशिकी 2 का एक रोमांटिक सीन काफी चर्चा में आया था। वह था किसिंग सीन। इस दृश्य को लेकर सोशल मीडिया पर काफी विवाद भी देखने को मिला था। हालांकि, यह फिल्म अभिनेता आदित्य की बेस्ट रोमांटिक फिल्मों की लिस्ट में शामिल है। कभी खुशी कभी गम फिल्म के सीन का हुआ था विरोध, शाह रुख खान, काजोल और अमिताभ बच्चन जैसे कई अन्य पॉपुलर स्टार इस फिल्म का हिस्सा थे।

साल 2001 में आई कभी खुशी कभी गम फिल्म के एक सीन दर्शकों को पसंद नहीं आया था। यह दृश्य रानी मुखर्जी का है, जिसमें वह विदेश और भारत की तुलना करती नजर आती हैं। उड़ता पंजाब फिल्म पर गरमाया था विवाद, शाहिद कपूर और आलिया भट्ट स्टारर फिल्म उड़ता पंजाब का नाम भी विवादों में आया था। इसमें ड्रग्स और नशे से जुड़े दृश्यों पर काफी विवाद गरमाया था। फिल्म देखने वाले बड़ी संख्या में ऐसे दर्शक थे, जिन्होंने मूवी के सीन्स की जमकर आलोचना की थी। राम तेरी गंगा मैली का सीन, राम तेरी गंगा मैली फिल्म साल 1997 में आई थी। इस फिल्म के एक सीन की भी जमकर आलोचना की गई थी। फिल्म का एक दृश्य है, जिसमें हेमा मालिनी नदी में स्नान कर रही थीं। माना जाता है कि इस फिल्म में सामाजिक धारणाओं को चुनौती देने के कारण ही विवाद हुआ था।

विद्या के माधुरी के सामने आते ही छूट गए थे पसीने

विद्या बालन ने अपने करियर में कई हिट फिल्मों में काम किया है. फिलहाल ही वह 'भूल भुलैया 3' में नजर आ रही हैं. इन दिनों वह अपनी इस फिल्म की सक्सेस एंजॉय कर रही हैं. फिल्म में माधुरी दीक्षित संग काम कर एक्ट्रेस खुद को लकी मानती हैं. उनका कहना है कि उनसे सामने रहकर कोई उनका मुकाबला नहीं कर सकता.

विद्या बालन से जब माधुरी संग डांस के बारे में सवाल किया गया तो उन्होंने कहा, 'मैं खुद को डांसर नहीं मानती. लेकिन अगर मुझे डांस का चांस मिलता है तो मैं दिन रात मेहनत करती हूं. माधुरी दीक्षित के साथ डांस के लिए भी मुझे बहुत मेहनत करनी पड़ी, क्योंकि ऐसा मौका लाइफ में एक ही बार मिलता है. उनके सामने आते ही मेरे लिए खुद को समझाना मुश्किल हो गया था. उनका कोई मुकाबला नहीं हो सकता. मेरे लिए उनके साथ एक फ्रेम में आना ही बड़ी बात थी. इसलिए मैंने अपनी पूरी कोशिश की और ये गाना किया. विद्या बालन इन दिनों सुर्खियों में हैं. अपनी फिल्म को लेकर वह हर जगह बात करती नजर आ रही हैं. सोशल मीडिया पर भी उनके कई वीडियोज वायरल हो रहे हैं. एक्ट्रेस का कहना है कि उन्हें इससे बेहतर मैंने कभी सोचा भी नहीं था और ईमानदारी से कहूं तो मैंने इसके लिए बहुत प्रेक्टिस भी की थी. 17 साल बाद मैं फिर से भूल भुलैया में मंजुलिका को फिर से जिंदा करूंगी. मैंने तो क्या किसी ने भी नहीं सोचा होगा. विद्या ने एक इंटरव्यू में अपनी इस फिल्म के बारे में बात करते हुए कहा कि वह चाहती हैं कि महिला-केंद्रित फिल्में लोगों देखें और उन्हें पसंद करें. अपनी फिल्म फिल्म भूल भुलैया 3 को लेकर भी उन्होंने बताया कि कि उन्हें जितना सोचा था उससे कई ज्यादा वह अच्छा महसूस कर रही हैं.

कियारा ने दीपिका के ड्रेस को किया कॉपी

बॉलीवुड एक्ट्रेस कियारा आडवाणी की एक्टिंग को लोग बहुत पसंद करते हैं. एक्ट्रेस को उनकी फिल्मों के अलावा उन्हें फैशन सेंस के लिए भी जाना जाता है. कियारा के स्टाइल को लड़कियां भी खूब फॉलो करती हैं. लेकिन अब अपने इसी फैशन की वजह से कियारा को सोशल मीडिया पर काफी ट्रोल किया जा रहा है. हमेशा उनकी तारीफ करने वाले अब एक्ट्रेस को क्यों ट्रोल कर रहे हैं. रिलायंस की टीरा ने बुधवार को नया लग्जरी ब्यूटी स्टोर लॉन्च किया था. जिसमें बॉलीवुड के तमाम सेलेब्स पहुंचे थे. कियारा आडवाणी भी इस दौरान नजर आई थीं और एक्ट्रेस टीरा ब्यूटी ब्रांड की एंबेसडर भी हैं. इस दौरान एक्ट्रेस लाल रंग की जैकेट के साथ शॉर्ट पैंट्स पहने नजर आई. उसके हाथों में फ्लावर वाला डिजाइन बना था. कियारा ने बाल पोनीटेल में बांधे थे और हाई हील्स पहनी थी. एक्ट्रेस का लुक देख जहां कुछ लोग उनकी तारीफ कर रहे हैं तो कुछ ने उनके लुक को दीपिका पादुकोण की कॉपी बताया.

मुकेश खन्ना ने उड़ाया टाइगर का मजाक

90 के दशक में जब बाकी दुनिया में सुपरमैन, बैटमैन, स्पाइडरमैन जैसे सुपहीरो का डंका बज रहा था, तब इंडिया में शक्तिमान सबका चहेता बना था. लोगों के प्यार के कारण आज भी शक्तिमान काफी पॉपुलर है जिसकी वजह से लोग अब इसे दोबारा बनाने की कोशिश कर रहे हैं. कुछ समय पहले ऐसी खबरें भी आई थीं कि शक्तिमान के ऊपर एक फिल्म बनेगी जिसे 'सोनी' की प्रोडक्शन कंपनी बनाएगी. उन्होंने फिल्म से जुड़ा एक टीजर भी रिलीज किया था. फिल्म में माना जा रहा था कि एक्टर रणवीर सिंह शक्तिमान का किरदार निभा सकते हैं, लेकिन इस बात की कोई पुष्टि नहीं हुई थी. मुकेश खन्ना, जिन्होंने शक्तिमान का किरदार निभाया था उनका मानना था कि रणवीर उस रोल के लिए सही नहीं है. वैसे ये पहला मौका नहीं है जब मुकेश खन्ना ने कोई बयान दिया हो, वो अक्सर इसी तरह की बयान बाजी करते रहते हैं जिससे कई लोग आहत भी होते हैं. अब मुकेश खन्ना ने एक इंटरव्यू में फिर कुछ ऐसा कहा है जिससे एक नया बवाल खड़ा हो सकता है. इंटरव्यू के दौरान जब उनके सामने एक्टर टाइगर श्रॉफ का नाम लिए गया, तो उन्होंने उनके नाम से साफ इनकार कर दिया. उन्होंने इस बात की वजह भी लोगों के साथ साझा की. उन्होंने बताया, 'मुझे माफ करना लेकिन अगर टाइगर श्रॉफ किसी बच्चे को शक्तिमान बनकर टॉयलेट फ्लश करने को कहेगा तो बच्चा उसको घूमकर जवाब देगा कि तू बैठ जा.'

संजना सांघी ने 9 साल बाद दी ब्लॉकबस्टर

फिल्म इंडस्ट्री में कई ऐसे सितारे हैं, जिन्हें सालों तक स्ट्रगल करने के बाद वह मुकाम हासिल नहीं हो पाता, जिसके वह हकदार हैं. इसी से कुछ मिलती-जुलती कहानी है एक ऐसी एक्ट्रेस की जिसने अपने करियर की शुरुआत तो रणबीर कपूर के साथ की थी और उनकी यह मूवी बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर भी साबित हुई. लेकिन उन्हें इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनाने में पूरे 9 साल लग गए. एक्ट्रेस संजना सांघी ने अपने करियर की शुरुआत चाइल्ड आर्टिस्ट के तौर पर की थी. संजना साल 2011 में रिलीज हुई रणबीर कपूर की ब्लॉकबस्टर मूवी 'रॉकस्टार' में नजर आई थीं. इस फिल्म में संजना की एक्टिंग को भी खूब सराहा गया था. इस फिल्म में संजना ने नरगिस फाखरी की बहन का रोल निभाया था. इस मूवी ने बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्डतोड़ कमाई की थी. इस फिल्म की शूटिंग के दौरान संजना केवल 14 साल की थी, ऐसे में उन्हें चाइल्ड आर्टिस्ट के तौर पर वह पहचान नहीं मिल पाई, जिसकी वह हकदार थीं. हालांकि 'रॉकस्टार' के बाद संजना के हाथ कोई भी फिल्म नहीं लगी और इसके लिए उन्हें लंबा इंतजार करना पड़ा. पूरे 9 साल बाद संजना सांघी साल 2020 में सुशांत सिंह राजपूत के साथ फिल्म 'दिल बेचारा' में नजर आईं. यह मूवी बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट साबित हुई. इसी के साथ यह मूवी सुशांत के करियर की आखिरी फिल्म भी बन गई.

शाह ने की छत्तीसगढ़ को नक्सल-मुक्त बनाने की घोषणा

चंद्रपुर, सुनील तायडे

केंद्रीय गृह मंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता अमित शाह ने शुक्रवार को महाराष्ट्र से नक्सलवाद के उन्मूलन में प्रगति पर जोर देते हुए छत्तीसगढ़ को 31 मार्च, 2026 तक नक्सल-मुक्त बनाने की घोषणा की। शुक्रवार को चंद्रपुर में भाजपा प्रत्याशी किशोर जोरगेवार और जिले के अन्य महायुति उम्मीदवारों के लिए आयोजित चुनावी रैली में शाह ने मोदी सरकार की आतंकवाद और नक्सलवाद के खिलाफ प्रतिबद्धता दोहराई।

यह रैली चंद्रपुर में शाह के अब तक के सबसे छोटे सार्वजनिक संबोधन के रूप में दर्ज की जायेंगी, जो लगभग छह मिनट तक चली। देर से पहुंचने के लिए माफी मांगते हुए शाह ने अपने भाषण की शुरुआत भाजपा की प्रमुख उपलब्धियों को गिनाते हुए की। उन्होंने राम मंदिर निर्माण, अनुच्छेद 370 की समाप्ति, नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) और ट्रिपल तलाक पर प्रतिबंध जैसे मुद्दों पर सरकार की उपलब्धियों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा, "जल्द ही सरकार वक्फ कानून में संशोधन करने जा रही है।"

शाह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सराहना करते हुए कहा, "केंद्र सरकार ने महाराष्ट्र के विकास के लिए ₹5 लाख करोड़ दिए हैं और राज्य में प्रमुख परियोजनाएं लागू की हैं।" उन्होंने मतदाताओं से महायुति उम्मीदवारों को समर्थन देने की अपील की, ताकि महाराष्ट्र को महा विकास अघाड़ी (एमवीए) सरकार के कार्यकाल के दौरान खोया हुआ गौरव वापस ला सके।

चंद्रपुर के लोगों से भाजपा प्रत्याशी जोरगेवार को विजयी बनाने की अपील करते हुए शाह ने वादा किया कि वह उनकी जीत के जश्न के लिए शहर में दोबारा आएंगे।

सभा के दौरान, जैसे ही शाह का भाषण समाप्त हुआ, कई लोग स्थल छोड़कर जाने लगे। स्थानीय राजनीतिक पर्यवेक्षकों ने इसे चंद्रपुर में किसी राष्ट्रीय स्तर के प्रचारक द्वारा दिया गया अब तक का सबसे छोटा संबोधन बताया।

सूत्रों ने बताया कि उमरखेड़ सभा में देरी के कारण अमित शाह चंद्रपुर देर से पहुंचे। वह शाम 4:48 बजे कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे और मंच पर केवल 10 मिनट तक रहे। उन्होंने महायुति उम्मीदवारों के साथ जनता को संबोधित करते हुए तुरंत अपना भाषण शुरू किया, जो केवल छह मिनट चला। बताया गया कि चंद्रपुर से 10 किमी दूर स्थित मोरवा हवाई पट्टी से शाम 5:25 बजे उड़ान भरने की समयसीमा के कारण शाह को जल्दी में जाना पड़ा।

ट्रक की टक्कर से बस पर गिरे बिजली के तार

> बाल-बाल बची यात्रियों की जान

चंद्रपुर. शहर के भीडभाड वाले सडक से चल रहे एमएच 34 बीजी 6694 हायवा ट्रक ने सडक किनारे बिजली के पोल को टक्कर मार दी. जिससे तुटे बिजली के तार वहां से गुजर रही बस क्रमांक एमएच 07 सी 9530 पर गीरे. इस घटना में बस में सवार 40 यात्रीयों की जान बाल_बाल बच गई. यह घटना बुधवार की रात माढेली नाका परिसर में घटी.

दो वर्षों से चल रहे कोयला उत्खनन के कारण इस क्षेत्र से कोयला एवं उपखनिज का अवैध परिवहन पुलिस अधिकारियों, तहसीलदार, उपविभागीय अधिकारी के आखों के सामने से दिन रात चलती है. कुछ दिन पहले ट्रक की टक्कर में सडक पर लगाए गए सीसीटीवी कैमेरे नीचे गिरे. आम जनता को कानून सुव्यवस्था पर आम जनता को त्रस्त करनेवाली पुलिस विभाग और तहसील विभाग कुंभकर्ण की निंद लेते नजर आ रहे है. यदि यह बिजली के तार से छू जाता तो बड़ी दुर्घटना हो सकती थी. ट्युशन से लौट रहे अय्यास आरिफ शेख 11, आवेश आसिफ खां पठाण 11 यह सायकल पर जा रहे थे तभी तार उनके सायकल पर गिरी. उन दोनो की जान बाल_बाल बच गई. तार बस पर गिरने से 40 यात्रियों की जान खतरे में आयी थी. लेकिन वह बाल_बाल बच गए.

बीजली विभाग की तत्परता.

बुधवार को बिजली विभाग के इंजीनियर लालसरे को घटना की जानकारी मिली, वे कार्यक्रम छोड़कर अपने कर्मचारियों के साथ मौके पर पहुंचे और एक पल की भी देरी किए बिना बिजली के तारों को सड़क के किनारे कर दिया. और बाकी लाइन शुरू कर दी.

प्रशासन की उपेक्षा.

नागरिकों ने बताया कि हाइवा ट्रकों से प्रतिदिन एक से डेढ़ फीट पत्थर की ढुलाई हो रही है. इतना ही नहीं नागरिकों ने बताया कि चूंकि इस ट्रक पर किसी प्रकार का तिरपाल नहीं बंधा था, इसलिए इन बड़े-बड़े पत्थरों के सड़क पर और सड़क के किनारे गिरने से भारी जनहानि की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता. पुलिस विभाग, खनन विभाग, अधिकारी इस यातायात को पूरी तरह से नजरअंदाज कर रहे हैं.

गढ़चिरोली विधानसभा क्षेत्र में बीजेपी और कांग्रेस के बीच सीधी टक्कर

गढ़चिरोली.

विधानसभा क्षेत्र में भाजपा उम्मीदवार डॉ. मिलिंद नरोटे और कांग्रेस प्रत्याशी मनोहर पोरेटी के बीच सीधी टक्कर हो रही हैं. 2014 और 2019 में लगातार दो बार बीजेपी उम्मीदवार डॉ. देवराव होली के खिलाफ कांग्रेस ने क्रमशः सगुना तलांडी और डॉ.चंदा कोडवते को उम्मीदवार बनाया, हालांकि डॉ. कोडवते को काफी वोट मिले थे, लेकिन इसके चलते बीजेपी को दो बार ज्यादा मेहनत नहीं करनी पड़ी. लेकीन इस बार निर्दलीय महिला उम्मीदवार की मौजूदगी और मोदी लहर नही मिलने से इस बार संकेत मिल रहे हैं कि 2024 का चुनाव रंगीन और कड़ा होगा.

लोकसभा चुनाव में गढ़चिरौली विधानसभा क्षेत्र में बीजेपी प्रत्याशी अशोक नेते करीब 22 हजार से पीछे चल रहे हैं. बीजेपी के सामने इस अंतर को भरने की चुनौती है. डॉ। मिलिंद नरोटे ने चिकित्सा क्षेत्र में काम करते हुए धनोरा, गढ़चिरौली और चामोर्शी तीन तालुकाओं के लोगों से संपर्क स्थापित किया है। साथ ही सामाजिक गतिविधियों से भी अलग पहचान बनाई है। इससे बीजेपी को कितना फायदा होगा ये देखना अहम होगा. चामोर्शी और गढ़चिरौली तालुका में लोकसभा चुनाव को देखते हुए बीजेपी और कांग्रेस के बीच ज्यादा अंतर नहीं है लेकिन धानोरा तालुका में बीजेपी 11 हजार मतों से पीछे है. तालुका में आदिवासी समुदाय के वोटों का एक बड़ा हिस्सा कांग्रेस में स्थानांतरित हो गया है, क्योंकि धानोरा कांग्रेस उम्मीदवार का गृह तालुका है, इसलिए बहुत सारा गणित इस बात पर निर्भर करेगा कि भाजपा वहां कितना क्षति नियंत्रण करती है।

उम्मीदवारी रद्द होने से होली समर्थक कार्यकर्ताओं में असंतोष है...

लोकसभा चुनाव में चामोर्शी तालुक में भूमि अधिग्रहण के मामले में कोनसरी इलाके के बारा गांव के मतदाताओं ने बीजेपी के खिलाफ अपना गुस्सा दिखाया अगर विधानसभा चुनाव में भी यही तस्वीर रही तो बीजेपी की मुश्किलें बढ़ सकती हैं. लेकिन उच्च शिक्षित चेहरा, अपना नेटवर्क, आदिवासी युवाओं के बीच लोकप्रियता, बीजेपी की पारंपरिकता, मतदाताओं, जनसंपर्क में निरंतरता, ये देखना भी अहम होगा. इस पार के बल पर गढ़ हिला देंगे।

जबकि कांग्रेस ने जिला परिषद के उपाध्यक्ष मनोहर पोरेटी को उम्मीदवार बनाया है, जो विपक्षी दल के नेता विजय वडेट्टीवार के पक्षधर हैं और लगातार दो बार से भाजपा के कब्जे में रहे इस निर्वाचन क्षेत्र को अपने पक्ष में करने के लिए कांग्रेस ने पूरी ताकत लगा दी है। शर्तें, कांग्रेस के लिए. लोकसभा चुनाव में मिली सफलता से कांग्रेस में नये जोश का संचार हुआ है. विजय वडेट्टीवार ने इस स्थान को प्रतिष्ठित किया है. चूंकि लोकसभा में अंबेडकरी वोटों का बंटवारा नहीं हुआ, इसलिए ये वोट कांग्रेस की झोली में गिरे, इसलिए कांग्रेस. अब भी, चूँकि उनकी स्थिति में लाभ हुआ है, इस बात की बहुत अधिक संभावना है कि अम्बेडकरी वोटों का एक बड़ा हिस्सा कांग्रेस को मिलेगा। लोकसभा में आदिवासी इलाकों में कांग्रेस को खूब वोट मिले, ग्राम सभाएं कांग्रेस के पक्ष में रहीं, चामोर्शी तालुका में लौह उद्योग परियोजना भूमि अधिग्रहण से प्रभावित गांवों में कांग्रेस की जीत हुई, लेकिन यह महत्वपूर्ण होगा देखिए क्या विधानसभा में दिखेगी यही तस्वीर? लोकसभा चुनाव में सफलता के बाद कांग्रेस ने मतदाताओं को हल्के में लेना शुरू कर दिया। हालांकि, लोकसभा में बीजेपी प्रत्याशी के प्रति असंतोष और आंतरिक गुटबाजी के कारण बीजेपी को झटका लगा, लेकिन चूंकि विधानसभा का गणित अलग है और बीजेपी ने नया चेहरा दिया है, इसलिए इसकी संभावना कम है. बीजेपी को सत्ता विरोधी लहर की मार झेलनी पड़ रही है. राज्य कांग्रेस सचिव विश्वजीत कोवासे, पूर्व सांसद मारोत्राव कोवासे के बेटे, ने निर्वाचन क्षेत्र जीता, लेकिन कांग्रेस का एक गुट नाराज है क्योंकि उन्हें टिकट नहीं दिया गया। इसके अलावा जैसे ही मनोहर पोरेटी को टिकट देने की घोषणा हुई, कांग्रेस के एक गुट में असंतोष फैल गया क्योंकि विपक्षी नेता विजय वडेट्टीवार के खास चहेते पदाधिकारियों और ठेकेदारी का कारोबार करने वाले कुछ लोगों ने प्रचार की धुरी अपने हाथ में ले ली और तब से प्रचार कार्यक्रम की योजना बनाने की जिम्मेदारी एक खास मंडली के हाथ में होने से कांग्रेस के इस गुट में नाराजगी है, इसलिए लोकसभा में एकमत होकर लड़ने वाली कांग्रेस के साथ काम करने की संभावना कम है।

कुल मिलाकर इस सीट पर मुकाबला जबरदस्त होने वाला है, जहां बीजेपी और कांग्रेस के बीच सीधी टक्कर है. इसमें जीत किसकी होगी ये चुनाव नतीजों के बाद साफ हो जाएगा

कृष्णा गजबे व आनंदराव गेडाम में सीधी टक्कर

देसाईगंज,

विधानसभा चुनाव धीरे धीरे अंतिम चरण की ओर बढ़ रहा है। सभी राजनीतिक दलों ने चुनाव को प्रतिष्ठा का विषय बना लिया है। बैनर, पोस्टर, घर घर भेंट, रैली, जनसभा जैसे प्रचार तंत्र इस्तेमाल कर जीत के लिए हरसंभव कोशिश की जा रही है। मतदाताओं का रुख देखते हुए भाजपा के कृष्णा गजबे व निर्दलीय पूर्व विधायक आनंदराव गेडाम के बीच सीधी टक्कर मानी जा रही है। जनता यह दावे के साथ कह रही है कि अगर माधुरी मडावी को कांग्रेस टिकट देती तो उनकी जीत सुनिश्चित थी। वर्तमान कांग्रेस प्रत्याशी को भितराळात का ग्रहण सुधरने नहीं दे रहा है।

आरमोरी विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में कांग्रेस ने राजनीति में नए नवेले रामदास मसराम को चुनाव मैदान में उतारा। मसराम भले ही मविआ से हो, मगर घटक दल शिवसेना उबाठा व राकांपा शरद पवार गुट उनसे दूरी बनाए हुए है। कांग्रेस से बगावत करनेवाले कार्यकर्ताओं को पार्टी ने छह साल के लिए निलंबित किया है। वही अहेरी में कांग्रेस के बागी निर्दलीय चुनाव लड रहे हनुमंत मडावी को अजय कंकडालवार का समर्थन है। बागी प्रत्याशी को समर्थन देने के बाद भी उन पर कोई कारवाई नहीं की गई। कांग्रेस आलाकमान के दुजाभाव को लेकर सामान्य कार्यकर्ताओं में आश्चर्य व्यक्त किया जा रहा है। आरमोरी से दो बार विधायक रह चुके आनंदराव गेडाम सहित वामन सावसाकळे, डॉ. शिलु चिमुरकर,डॉ. आशिश कोरेटी, माधव गावळ, माधुरी मडावी, मेघा सावसाकडे ने भी पाटी की ओर उम्मीदवारी मांगी थी। कांग्रेस के एक गुट ने नए चेहरे पर दांव लगाया। सात माह पहले कांग्रेस पाटी में मसराम को प्रवेश दिलवाया और उनके लिए टिकट भी लाई। घटक दलों को यह बात रास नहीं आ रहे है। पाटी के पदाधिकारी भी नए मसराम को लेकर असहज महसूस कर रहे है। केवल पार्टी से निलंबन की कारवाई टालने के लिए तन से वे मसराम के साथ है। दिल उनका कही और लगा हुआ है। कांग्रेस को भितराघात का खतरा बना

फोकट का श्रेय लेने की कोशिश...

गौरतलब है कि कट्टर कांग्रेसियों ने २०१९ के चुनाव में पूर्व विधायक आनंदराव गेडाम को चुनाव मैदान उतारा था। गेडाम ने प्रचार भी नहीं किया था। मगर उनके समर्थक और कार्यकर्ताओं ने प्रचार कर गेडाम को ५४ हजार वोट हासिल किए थे। विगत लोकसभा चुनाव में मविआ को आरमोरी से ३४ हजार की लिड मिली थी। कुछ कांग्रेसियों ने इस लीड पर अपनी मोहर लगाते हुए फोकट श्रेय लेने की कोशिश की थी। यह बात घटक दलों के पदाधिकारियों को पसंद न आने से वे नाराज बताए जाते है।

बागियों को मिल रही शह...

कांग्रेस आलाकमान ने टिकट बंटवारे के पूर्व सहयोगी घटकदलों के पदाधिकारी और कांग्रेस के इच्छुक प्रत्याशियों को विश्वास में लेना था। मनमर्जी से एकाधिकार चलाए जाने से कुछ कांग्रेसियों ने बगावत की। इन बागी उम्मीदवारों को गनिमी कावा पद्धति से मविआ के घटक दल और कांग्रेस के कुछ लोगों का सहयोग मिल रहा है। हालांकि आरमोरी की स्थिति मतदान के बाद स्पष्ट होगी। कांग्रेस के भितराघात का फायदा विरोधियों को मिलने की संभावना है। कांग्रेस अपने आप में उलझी रहने से निर्दलीय आनंदराव गेडाम व भाजपा के कृष्णा गजबे के बीच सीधे मुकाबले के समीकरण बन रहे है। जनचर्चा में यह दावा किया जा रहा है कि कांग्रेस प्रत्याशी धीरे धीरे पिछड़ते जा रहे है।

हालांकि कांग्रेस को एकता का प्रदर्शन कर चुनाव लड़ना चाहिए था। टिकट देते वक्त पदाधिकारियों को विश्वास में लेना था। लेकिन कांग्रेस का गणित बिगाड़ने में कुछ वरिष्ठों ने कोई कसर नहीं छोड़ी जीससे आने वाले समय में नकारात्मक परिणाम नजर आने शुरु हो गए है।

जनता के सामने कांग्रेस का असली चेहरा उजागर करें: मुनगंटीवार

> भाजपा पदाधिकारियों, बूथ प्रमुखों, प्रमुखों, शक्ति केंद्र प्रमुखों से की अपील

चंद्रपुर. चाहे मेरा बूथ लीडर हो, पेज लीडर हो, पावर सेंटर लीडर हो, पार्टी पदाधिकारी हो या सामान्य कार्यकर्ता हो, हर व्यक्ति पार्टी की आत्मा है। हमारी ताकत हमारे द्वारा अब तक किये गये विकास एवं जनकल्याणकारी कार्य हैं। हमें इस ताकत के साथ ही जनता के सामने जाना है. विरोधियों की झूठी कहानी को दूर करें. बल्लारपुर विधानसभा क्षेत्र के भाजपा प्रत्याशी सुधीर मुनगंटीवार ने महायुति सरकार की जनहित योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाकर विजयश्री दिलाने की अपील की.

सुधीर मुनगंटीवार ने संवाद सेतु के माध्यम से भाजपा पदाधिकारियों, बूथ प्रमुखों, पृष्ठ प्रमुखों, शक्ति केंद्र प्रमुखों से बातचीत की। इस मौके पर बोलते हुए उन्होंने आगे कहा कि, कांग्रेस ने लोकसभा में झूठ बोलकर नैरेटिव सेट किया, लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने जाति आधारित समर्थन लिया, झूठ बोला कि संविधान बदलने जा रहे हैं, लेकिन वो ही थे जिन्होंने नहीं बदला आज सेंट्रल बैंक भर्ती में आरक्षण, यही कांग्रेस का असली चेहरा है। हम इसे जनता के सामने लाना चाहते हैं। मतदाता भाइयों-बहनों को आपसी प्रेम, परिश्रम और सावधानीपूर्वक योजना बनाकर मतदान केंद्र तक ले जाना हमारी जिम्मेदारी है . सुधीर मुनगंटीवार ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे कांग्रेस कार्यकर्ताओं से जवाब मांगें कि जब शिंदे की शिवसेना और अजित पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस महागठबंधन के घटक थे तो उन्होंने क्या किया था।

कई कांग्रेसी पूछते हैं कि आपने माली समुदाय के लिए क्या किया है. वास्तव में, हमने महात्मा ज्योतिबा फुले के वंशजों के साथ न्याय किया है, पुणे विद्यापीठ को क्रांतिज्योति सावित्रीबाई का नाम देना मेरी पहल थी। मैंने पुणे में भिडे वाडा के निर्माण के लिए, भिडे वाडा में एक स्मारक बनाने के लिए विधान सभा में चर्चा उठाई थी। मैंने महात्मा ज्योतिबा फुले के महल का जीर्णोद्धार कार्य प्रारम्भ किया। इन सभी कार्यों को जन-जन तक पहुंचाना कार्यकर्ताओं के लिए जरूरी है। लोगों को बताएं कि हम किसानों को बारह हजार से पंद्रह हजार तक की मदद करने जा रहे हैं, हम महिलाओं को लाड़की बहिन योजना में इक्कीस सौ रुपये देने जा रहे हैं।

कच्ची शराब भट्टी पर पुलिस का छापा

> हजारों का माल जब्त

चंद्रपुर.

चुनाव ड्यूटी के बीच पुलिस ने शहर में हजारों की महुए की कच्ची शराब जब्त की. चंद्रपुर शहर पुलिस थाना अंतर्गत आने वाले महाकाली कॉलरी परिसर के आनंदनगर के एक घर में महुआ शराब बनाने की भट्ठी शुरु होने की सूचना के आधार पर शहर पुलिस ने 12 नवंबर की रात 8 बजे छापा मार कार्रवाई कर 13 हजार रुपये का सडा महुआ और शराब जब्त कर आरोपी शशीकला त्रिमोहन बुटले (40) के खिलाफ अपराध दर्ज किया है.

मंगलवार की रात शहर थाने के हवलदार संतोषकुमार कनकन रात 8 बजे मार्शल ड्यूटी के दौरान पेट्रोलिंग कर रहे थे कि मुखबीर ने सूचना दी की आनंदनगर में रहने वाली शशीकला बुटले के घर महुआ शराब बनाने की हाथभट्ठी में शराब बनायी जा रही है. इस आधार पर पुलिस ने शशीकला के घर पर छापा मार कार्रवाई की. कार्रवाई के दौरान महिला से पूछताछ के बाद घर के बाजू वाले आंगन में कवेलू के शेड के नीचे महुआ शराब बनाने की हाथभट्ठी दिखाई दी. वहां पर सडा महुआ से भरे 2 ड्रम बरामद हुये है.ड्रम का ढक्कन खोलकर देखा तो तेज गंध आ रही थी उसकी जांच करने पर 8000 रुपये कीमत का 2 ड्रम में 200 किलो सडा महुआ और 5000 रुपये कीमत की 2 ड्रम में 100 लीटर शराब बरामद की है। सैंपल के लिए महुआ शराब और सडा महुआ कांच की सीसी भर लिया. आरोपी को चेतावनी देकर अगले दिन थाने में उपस्थित रहने के निर्देश दिये.आरोपी शशीकला के खिलाफ धारा 65 (ई) और (एफ) के तहत मामला दर्ज किया है। आगे की जांच शहर पुलिस कर रही है.

2,000 से अधिक वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांग मतदाताओं ने घर से किया मतदान

चंद्रपुर.

चुनाव विभाग द्वारा आयोजित घर से मतदान अभियान ने चंद्रपुर जिले के 2,000 से अधिक नागरिकों, जिनमें मुख्य रूप से वरिष्ठ नागरिक और दिव्यांगजन शामिल हैं, को घर से ही मतदान करने का अवसर प्रदान किया। यह पहल विशेष रूप से 85 वर्ष और उससे अधिक आयु के मतदाताओं और 40% से अधिक दिव्यांगता वाले व्यक्तियों के लिए चलाई गई थी, जिससे वे अपने घरों से ही लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भाग ले सके।

लोकतांत्रिक भागीदारी को मजबूत करने के उद्देश्य से भारत निर्वाचन आयोग ने वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगजनों के लिए घर से मतदान की सुविधा शुरू की है। यह सुनिश्चित किया गया है कि कोई भी पात्र मतदाता चुनावी प्रक्रिया से वंचित न रहे। चंद्रपुर जिले के सभी विधानसभा क्षेत्रों में चुनाव अधिकारियों ने घर-घर जाकर इस विशेष मतदान सुविधा को उपलब्ध कराया।

अब तक, 2,080 मतदाताओं ने इस सुविधा का लाभ उठाया है, जिसमें 85 वर्ष से अधिक आयु के 1,711 वरिष्ठ नागरिक और 369 दिव्यांगजन शामिल हैं।

मतदान प्रक्रिया के लिए सख्त गोपनीयता सुनिश्चित

निर्वाचन आयोग ने यह सुनिश्चित करने के लिए दिशा-निर्देश जारी किए हैं कि मतदाताओं की गोपनीयता और निजता बनी रहे। अधिकारियों ने प्रक्रिया शुरू करने से पहले मतदाताओं को पूरी प्रक्रिया के बारे में समझाया, जिसमें फ़ॉर्म 13-ए (घोषणा पत्र), फ़ॉर्म 13-बी (लिफाफा ए), फ़ॉर्म 13-सी (लिफाफा बी) और फ़ॉर्म 13-डी (मतदान निर्देश) शामिल हैं। प्रत्येक मतदाता ने अपने घर पर स्थापित विशेष मतदान क्षेत्र में मतदान किया। मतपत्र को चिन्हित करने के बाद उसे सावधानीपूर्वक मोड़ा गया, एक छोटे लिफाफे में रखा गया, फिर बड़े लिफाफे में सील किया गया और अंततः सुरक्षित मतपेटी में जमा किया गया।

इस पहल को वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांग मतदाताओं से सराहना मिली है, जो सामान्य परिस्थितियों में मतदान केंद्रों तक पहुंचने में कठिनाई का सामना कर सकते थे।

विधानसभा-वार घर से मतदान का आंकड़ा

राजुरा विधानसभा क्षेत्र
वरिष्ठ नागरिक: 478
दिव्यांगजन: 53
कुल: 531

चंद्रपुर विधानसभा क्षेत्र
वरिष्ठ नागरिक: 197
दिव्यांगजन: 24
कुल: 221

बल्लारपुर विधानसभा क्षेत्र
वरिष्ठ नागरिक: 238
दिव्यांगजन: 84
कुल: 322

ब्रह्मपुरी विधानसभा क्षेत्र
वरिष्ठ नागरिक: 251
दिव्यांगजन: 79
कुल: 330

चिमूर विधानसभा क्षेत्र
वरिष्ठ नागरिक: 265
दिव्यांगजन: 64
कुल: 329

वरोरा विधानसभा क्षेत्र
वरिष्ठ नागरिक: 282
दिव्यांगजन: 65
कुल: 347

ताडोबा से बाघिन की विदाई

> सिमलीपाल बाघ परियोजना में बाघिन स्थानांतरित

> पहले भी एक बाघिन हुई थी रवाना

चंद्रपुर. पट्टेदार बाघों के लिए विश्व भर में प्रसिध्द ताडोबा अंधारी बाघ प्रकल्प से एक और बाघीन को ओडीशा के सिमलीपाल टाईगर रिजर्व में भेजा गया है. इसके पहले एक बाघीन को सफलतापूर्वक स्थानांतरण किया जा चुका है.

गौरतलब है कि, चंद्रपुर व ताडोबा में बाघों की संख्या इतनी बढ गई है कि, यहां के बाघ दूसरे जगह स्थानांतरीत करने का विचार शुरू हुआ. ऐसे में ओडीशा के सिमलीपाल में बाघों की आबादी व आनुवंशिक विविधता को बढ़ाने हेतू ताडोबा के बाघ वहां स्थानांतरीत करने की हलचल शुरू हुई. पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय भारत सरकार ने ताडोबा अंधारी टाइगर रिजर्व से सिमलीपाल टाइगर रिजर्व, ओडिशा में दो मादा बाघों (2-3 वर्ष के बीच) को स्थानांतरित करने के लिए पत्र 26 सितंबर 2024 भेजा. अनुरोध के जवाब में महाराष्ट्र के मुख्य वन्यजीव संचालक ने 18 अक्टूबर को दो मादा बाघों को पकड़कर एसटीआर ओडिशा में स्थानांतरित करने की अनुमति जारी की. इस स्थानांतरण की तैयारी में टीएटीआर अधिकारियों द्वारा छह संभावित बाघों की पहचान की गई थी. टीएटीआर की फील्ड टीमों द्वारा 20 अक्टूबर 2024 को ट्रैकिंग ऑपरेशन शुरू किया गया.

13 नवंबर 2024 को, टी-163 बाघिन की संतान टी-163-एस1 को टीएटीआर के कोर डिवीजन, करवा रेंज के कंपार्टमेंट नंबर 300 के ज़िनकानाट बीट में सफलतापूर्वक पकड़ा गया. रिहाई के बाद निगरानी की सुविधा के लिए उसे तुरंत रेडियो कॉलर लगाया गया है. टी-163-एस3 को पशु चिकित्सकों के साथ एक विशेष वाहन में सड़क मार्ग से सिमलीपाल ले जाया जा रहा है। बता दे कि, एक बाघिन टी-158 एस-3 को पहले ही स्थानांतरित किया जा चुका है और वह सिमलीपाल टाइगर रिजर्व, ओडिशा में रम गई है. यह महाराष्ट्र राज्य से भारत के किसी भी राज्य में बाघों का पहला अंतर-राज्यीय स्थानांतरण है. यह पूरा ऑपरेशन महाराष्ट्र के मुख्य वन्यजीव वार्डन विवेक खांडेकर, ओडिशा के मुख्य वन्यजीव वार्डन सुसांत नंदा, सिमलीपाल टाइगर रिजर्व के फील्ड डायरेक्टर प्रकाश गोगिनेनी, टीएटीआर के फील्ड डायरेक्टर जितेंद्र रामगांवकर, टीएटीआर के उप निदेशक आनंद रेड्डी, पीयूषा जगताप, सचिन शिंदे, डीएफओ टीएटीआर के मार्गदर्शन में किया गया और महाराष्ट्र और ओडिशा के फ्रंटलाइन स्टाफ, आरआरटी, जीवविज्ञानी और वन्यजीव पशु चिकित्सकों द्वारा अंजाम दिया गया.

'दुनिया बेवकूफ है'

> चैंपियंस ट्रॉफी विवाद पर पाक दिग्गज का बड़ा बयान

नई दिल्ली.

आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी को लेकर भारत और पाकिस्तान के बीच तनातनी जारी है. बीसीसीआई की डीमांड है कि चैंपियंस ट्रॉफी हाइब्रिड मॉडल पर खेला जाए. भारत ने सुरक्षा संबंधी कारणों से अपनी टीम पाकिस्तान भेजने से मना कर दिया है. अब पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर बासित अली का बयान आया है. भारत-पाकिस्तान के बीच चैंपियंस ट्रॉफी को लेकर जारी विवाद में बासित अली ने अपनी बात रखी है. बासित अली का मानना है कि अगर टूर्नामेंट हाइब्रिड मॉडल पर खेला जाता है तो ही भारत और पाकिस्तान दोनों मुल्कों के खेलने की संभावना है. अगर टूर्नामेंट हाइब्रिड मॉडल पर नहीं खेला जाता है तो दोनों मुल्कों के खेलने की संभावना कम है.

बासित अली ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा कि अगर क्रिकेट जारी रखना है और हाइब्रिड मॉडल बनाए रखना है तो पाकिस्तान को एक पूल में और भारत को दूसरे पूल में रखें, लेकिन न तो आईसीसी और न ही ब्रॉडकास्टर्स इससे खुश होंगे, क्योंकि यह पैसा कमाने का मौका है. उन्होंने कहा कि दुनिया बेवकूफ है, क्योंकि भारत और पाकिस्तान को एक ग्रुप में रखा जाता है. इसी तरह ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड को एक ही पूल में रखा जाता है, लेकिन बासित अली इससे इतर राय रखते हैं. बासित अली का मानना है कि क्रिकेट के लिए भारत-पाकिस्तान मैच जरूरी है.गौरतलब है कि बीसीसीआई लगातार डिमांड कर रही है कि आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी का आयोजन हाइब्रिड मॉडल पर हो. इस मॉडल के तहत भारतीय टीम अपने मुकाबले किसी न्यूट्रल वेन्यू पर खेलेगी, लेकिन अन्य सारे मुकाबले पाकिस्तान में खेले जाएंगे. वहीं, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड लगातार बीसीसीआई और भारत की मांग को खारिज कर रहा है. पाकिस्तान का कहना है कि वह टूर्नामेंट का मेजबान देश है, इसलिए हाइब्रिड मॉडल का कोई सवाल नहीं है. पिछले दिनों भारत ने साफ कर दिया कि हम अपनी टीम पाकिस्तान नहीं भेजेंगे. इसके बाद दोनों देशों के बीच वाद-विवाद का दौर जारी है.

16 साल की उम्र में तेंदुलकर ने किया था टेस्ट डेब्यू

नई दिल्ली.

15 नवंबर का दिन सचिन तेंदुलकर और उनके फैंस के लिए बेहद खास है. इसी दिन साल 1989 में उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट मैच खेलते हुए अपना इंटरनेशनल डेब्यू किया था. पहले टेस्ट मैच में सचिन केवल एक बार बैटिंग कर पाए, जहां उन्होंने 15 रन बनाए थे. मगर यहां हम उस भारत-पाकिस्तान सीरीज के चौथे टेस्ट में घटी एक घटना के बारे में बताने जा रहे हैं, जब खेलते हुए सचिन तेंदुलकर की नाक टूट गई थी. चार टेस्ट मैचों की सीरीज के पहले तीनों मैच ड्रॉ पर छूटे थे. आखिरी भिड़ंत सियालकोट में 9 दिसंबर से शुरू हुई. महज 16 साल की उम्र में पाकिस्तान के घातक गेंदबाजों का सामना करना सचिन के लिए एक बेहद कठिन चुनौती थी. उन दिनों पाकिस्तान के पेस अटैक में वसीम अकरम, इमरान खान और वकार यूनुस शामिल हुआ करते थे.

दरअसल सीरीज के चौथे मैच के दौरान वकार यूनुस की एक बाउंसर गेंद सचिन तेंदुलकर की नाक पर जा लगी थी. ये बात है सियालकोट टेस्ट की आखिरी पारी की. पहली पारी में टीम इंडिया 74 रनों की बढ़त बना चुकी थी और जब भारत दूसरी बार बैटिंग के लिए आया तो टीम ने 38 रन तक 4 विकेट गंवा दिए थे. भारतीय टीम संकट में थी, तभी 16 वर्षीय सचिन छठे क्रम पर बैटिंग करने आए. सचिन डटकर बैटिंग कर रहे थे, लेकिन जैसे ही वकार यूनुस की गेंद उनकी नाक पर लगी, सचिन की नाक से खून बहने लगा.

उस घटना के सालों बाद सचिन ने खुलासा किया था कि वो अगर मेडिकल जांच के लिए पवेलियन लौट गए होते तो पाकिस्तान मैच पर हावी हो जाता. उस समय जावेद मियांदाद ने उनसे यह भी कहा कि, "तेरा नाक टूट गया है, तुझे अस्पताल जाना पड़ेगा." सचिन ने बताया कि पाक टीम मुकाबले को समाप्त करना चाहती थी, इसलिए जावेद मियांदाद उन्हें छेड़ने और ध्यान भटकाने का प्रयास कर रहे थे. सचिन ने उस पारी में 134 गेंद खेल कर 57 रन की महत्वपूर्ण पारी खेली थी.

भारत करेगा चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी ?

नई दिल्ली.

चैंपियंस ट्रॉफी मामले ने अब एक अलग ही मोड़ ले लिया है. इस टूर्नामेंट का आयोजन अब पाकिस्तान नहीं बल्कि भारत में हो सकता है. यह अपडेट ऐसे समय में आया है जब चैंपियंस ट्रॉफी पर भारत-पाकिस्तान आमने-सामने हैं और पीसीबी धमकी तक दे चुका है कि अगर टीम इंडिया चैंपियंस ट्रॉफी खेलने पाकिस्तान नहीं आती है तो वह भविष्य में उसके साथ कोई मैच नहीं खेलेगा.

बताते चलें कि टूर्नामेंट को पाकिस्तान से बाहर शिफ्ट किए जाने की अटकलें जोर पकड़ रही हैं. अगर पाकिस्तान चैंपियंस ट्रॉफी से नाम वापस लेता है, ऐसी स्थिति में पूरे टूर्नामेंट को ही पाकिस्तान से बाहर शिफ्ट किया जा सकता है. पिछले दिनों दक्षिण अफ्रीका को चैंपियंस ट्रॉफी के संभावित मेजबान के रूप में देखा जा रहा था, लेकिन स्पोर्ट्स तक की एक रिपोर्ट अनुसार अफ्रीका का विकल्प अब समाप्त हो गया है क्योंकि चैंपियंस ट्रॉफी से कुछ दिन पहले ही लीग का समापन होगा और समय रहते पिचों की मरम्मत नहीं हो पाएगी.इसी रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया कि पाकिस्तान अगर टूर्नामेंट से नाम वापस लेता है या हाइब्रिड मॉडल को स्वीकार करने से इनकार करता है तो इसकी मेजबानी भारत को सौंपी जा सकती है. यहां तक कि इस विषय में बीसीसीआई के साथ चर्चा भी शुरू हो गई है. याद दिला दें कि कुछ दिन पहले ही पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने बीसीसीआई से जवाब मांगा था कि आखिर टीम इंडिया के पाकिस्तान ना आने का कारण क्या है? इस संबंध में बीसीसीआई ने आधिकारिक पत्र भी तैयार कर लिया है कि वह सुरक्षा कारणों से अपनी टीम को सरहद पार नहीं भेजना चाहता.

आखिरी आईसीसी इवेंट 1996 का वर्ल्ड कप था

साल 2008 में हुए मुंबई आतंकी हमले के बाद भारतीय टीम कभी पाकिस्तान में कोई मैच या सीरीज खेलने नहीं गई है. वहीं चैंपियंस ट्रॉफी 2025, पिछले 29 सालों में ऐसा पहला आईसीसी टूर्नामेंट होने वाला है जिसकी मेजबानी पाकिस्तान को मिली. मगर भारत के रुख के कारण पाकिस्तान का यह इंतजार अभी और अधिक लंबा चल सकता है. पाकिस्तान में आयोजित हुआ कोई आखिरी आईसीसी इवेंट 1996 का वर्ल्ड कप था.

कप्तान अक्षय वाडेकर के कप्तानी पारी 104

> विदर्भ पहली पारी 512 /8, गुजरात-343

नागपुर.

गुजरात के खिलाफ रणजी ट्रॉफी मैच के तीसरे दिन विदर्भ के कप्तान अक्षय वाडेकर के कप्तानी पारी में नावाद 104 रन व प्रफुल हिंगे के नावाद 26 रन के बीच 9वे विकेट के लिए 57 रनों की शानदार साझेदारी ने विदर्भ को मजबूत स्थिति में खड़ा कर दिया है.और विदर्भ ने 169 रनो की बढ़त बना ली है

दानिश व करुण ने अपनी बैटिंग में जबरदस्त संयम दिखाया. वीसीए के जामठा स्टेडियम में तीसरे दिन का खेल समाप्त होने पर कप्तान 104 रन बनाकर, जबकि प्रफुल हिंगे 26 रन बनाकर नाबाद खेल रहे थे.लगातार 4 रणजी मैच से अपराजय विदर्भ टीम ने शुरुआती दिन में गुजरात के बैटरों की साझेदारी में पिछड़ने के बाद तीसरे दिन का मैच अपनी मुट्ठी में करने में सफलता पाई, विदर्भ ने मालेवार और नायर की शतकीय साझेदारी की बदौलत टीम का स्कोर 512 / 8 पहुंचा दिया. अब विदर्भ पहली पारी में गुजरात से 169 आगे है,

गुजरात की ओर से तेजस पटेल सबसे सफल गेंदबाज रहे जिन्होंने 79 रन देकर 3विकेट व जायमित पटेल ने 126 रन देकर 2 विकेट लिया जबकि अर्जन,कप्तान चिंतन गाजा व विशाल जायसवाल क्रमशः 1- 1विकेट लिया आज मैच का अंतिम दिन है अगर मैच ड्रा होता है तो विदर्भ 3 अंक लेकर अपने ग्रुप में 28 अंक लेकर सबसे ऊपर होगा जबकि विदर्भ एक अंक के साथ कुल 19 अंक लेकर दूसरे स्थान पर रहेगा.

ऑस्ट्रेलिया में अच्छा प्रदर्शन करेंगे कोहली

नई दिल्ली. पूर्व भारतीय क्रिकेट कोच रवि शास्त्री का मानना है कि स्टार बल्लेबाज विराट कोहली में अपनी खराब फॉर्म को सुधारकर ऑस्ट्रेलिया में होने वाली आगामी पांच टेस्ट मैचों की बॉर्डर-गावस्कर सीरीज के दौरान सफलता हासिल करने की काबिलियत है। पिछले कुछ महीनों में कोहली सभी प्रारूपों में खराब दौर से गुजर रहे हैं। 36 वर्षीय स्टार बल्लेबाज ने साल की शुरुआत से बांग्लादेश और न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों में सिर्फ एक अर्धशतक बनाया है जबकि उनका औसत सिर्फ 21.33 रहा है।हालांकि, शास्त्री ने ऑस्ट्रेलिया को चेतावनी दी और कहा है कि कोहली उस देश में खेलेगा जहां उसे बल्लेबाजी करना और रन बनाना बहुत पसंद है। शास्त्री ने आईसीसी रिव्यू में कहा, 'कोहली अब वहां खेलेगा जहां वह बहुत अच्छा प्रदर्शन करता है। मैं उन्हें बस इतना ही बताऊंगा। जब आप ऑस्ट्रेलिया में अपने जलवों के बाद यह रूतबा हासिल कर लेते हैं तो जब आप बल्लेबाजी करने उतरते हैं तो यह हमेशा आपके प्रतिद्वंद्वी के दिमाग में रहता है।शास्त्री ऑस्ट्रेलिया में कोहली के शानदार प्रदर्शन का जिक्र कर रहे थे

महिला हॉकी मैच में भारत के लिए कठिन चुनौती आज

नई दिल्ली.

गत चैम्पियन भारत के सामने महिला एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी की सबसे कठिन चुनौती होगी जब शनिवार यानि आज उसका सामना ओलंपिक रजत पदक विजेता चीन से होगा । भारत और चीन दोनों अभी तक टूर्नामेंट में अपराजेय रहे हैं और तीनों मैच जीते हैं । चीन बेहतर गोल औसत के आधार पर भारत से आगे हैं । चीन का गोल औसत 21 है जबकि भारत का 18 है । राउंड रॉबिन दौर के बाद चार टीमें सेमीफाइनल खेलेंगी । दोनों टीमों के बीच आखिरी मुकाबला इस साल फरवरी में एफआईएच प्रो लीग में हुआ था और दोनों बार चीन जीता चीन दोनों ने इस टूर्नामेंट में अब तक ढेरों गोल दागे हैं । थाईलैंड को 13 . 0 से हराकर भारत के 20 गोल हो गए हैं जबकि चीन के 22 गोल हैं । थाईलैंड के खिलाफ भारत ने शानदार खेल दिखाया और आठ फील्ड गोल के साथ पांच गोल पेनल्टी कॉर्नर पर किये । पहले दो मैचों में चिंता का सबब रहा 12 में से पांच पेनल्टी कॉर्नर तब्दील किये ।भारतीय डिफेंडरों को थाईलैंड से चुनौती नहीं मिली जबकि दीपिका की अगुवाई में फॉरवर्ड पंक्ति ने जबर्दस्त प्रदर्शन किया । दीपिका के अलावा प्रीति दुबे, नवनीत कौर, लालरेम्सियामी , ब्यूटी डुंगडुंग और संगीता कुमारी का प्रदर्शन भी अच्छा रहा।

टेस्ट सीरीज के बाद अलविदा कहेंगे टिम साउदी

नई दिल्ली.

न्यूजीलैंड के दिग्गज तेज गेंदबाज टिम साउदी ने घोषणा की है कि वह इस दिसंबर में हैमिल्टन में अपने घरेलू मैदान सेडन पार्क में इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट के बाद टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह देंगे। वहीं, न्यूजीलैंड क्रिकेट ने पुष्टि की कि साउदी टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लेंगे, लेकिन अगर कीवी टीम विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के लिए क्वालिफाई करती है तो वह अगले साल होने वाले फाइनल में ब्लैक कैप्स का प्रतिनिधित्व करेंगे।

35 वर्षीय साउदी ने 104 टेस्ट में 385 टेस्ट विकेट लिए हैं। वह इस प्रारूप में न्यूजीलैंड के दूसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। 300 से ज्यादा टेस्ट विकेट लेने के अलावा साउदी वनडे में 200 से ज्यादा और टी20 अंतरराष्ट्रीय में 100 से ज्यादा विकेट ले चुके हैं। वह ऐसा करने वाले विश्व स्तर पर एकमात्र गेंदबाज भी हैं। अपने करियर के बारे में साउदी ने कहा, 'मैंने बचपन से ही न्यूजीलैंड का प्रतिनिधित्व करने का सपना देखा था। 18 साल तक ब्लैक कैप्स के लिए खेलना सबसे बड़ा सम्मान रहा है। हालांकि, यह समय इस खेल से दूर जाने का सही समय लगता है। इस खेल ने मुझे बहुत कुछ दिया है।'स्विंग गेंदबाजी के लिए पहचाने जाने वाले साउदी ने पहली बार 2008 अंडर-19 विश्व कप में अंतरराष्ट्रीय पहचान हासिल की थी। वह 17 विकेट लेकर प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट बने थे। तब से वह न्यूजीलैंड क्रिकेट में एक आइकन बन गए। हाल ही में भारत पर 3-0 की जीत में साउदी ने अहम भूमिका निभाई थी। न्यूजीलैंड क्रिकेट के मुख्य कार्यकारी अधिकारी स्कॉट वीनिंक ने साउदी को न्यूजीलैंड की आधुनिक क्रिकेट की दिग्गज हस्ती करार दिया और 18 साल तक न्यूजीलैंड के लिए उनके योगदान की सराहना की।

वीनिंक ने कहा, 'साउदी हमारे लिए निरंतर प्रदर्शन करते रहे हैं और उन्हें न्यूजीलैंड के सर्वकालिक महान खिलाड़ियों में से एक के रूप में याद किया जाएगा। हमारे सर्वकालिक महान खिलाड़ियों में से एक को विदाई देने का मौका इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज को और खास बनाएगा। साउदी ने 2021 में न्यूजीलैंड के विश्व टेस्ट चैंपियनशिप जीतने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। न्यूजीलैंड के कोच गैरी स्टीड ने भी साउदी की प्रशंसा करते हुए कहा, 'साउदी हमारे लिए शानदार रहे हैं। वह एक अविश्वसनीय रूप से किसी भी टीम के लिए कठिन रहे हैं और उन्होंने लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है।' इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज न्यूजीलैंड के डब्ल्यूटीसी फाइनल में पहुंचने के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण है। अगर टीम अपने सभी मैच जीतती है तो फाइनल के लिए क्वालिफाई कर जाएगी

पाकिस्तान की कायराना चाल

नई दिल्ली.

अगले साल होने वाले चैंपियंस ट्रॉफी को लेकर बवाल थमने का नाम नहीं ले रहा है। इस टूर्नामेंट का आयोजन पाकिस्तान में होना है, लेकिन बीसीसीआई ने अपनी टीम को पड़ोसी मुल्क भेजने से इनकार कर दिया है। इससे भड़के पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने एक कायराना चाल चली है। दरअसल, पीसीबी ने इस टूर्नामेंट की ट्रॉफी की यात्रा निकालने का फैसला किया है। हालांकि, भारत को भड़काने के लिए उसने जिन जगहों से ट्रॉफी की यात्रा निकालने का फैसला किया है, उनमें से तीन इलाके हैं। यह यात्रा 16 नवंबर से शुरू होगी और 24 नवंबर तक चलेगी। ट्रॉफी पाकिस्तान पहुंच गई थी।

पीसीबी ने अपने एक बयान में बताया है कि ट्रॉफी की यात्रा स्कार्दू, मर्री, हुंजा और मुजफ्फराबाद होकर निकाली जाएगी। मर्री के अलावा जो अन्य तीन स्थान हैं, वह पीओके क्षेत्रों का हिस्सा हैं और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के इस कदम से भारत में भौंहें तन सकती हैं। इतना ही नहीं पाकिस्तान ने जानबूझकर अपनी ट्वीट में इन जगहों जिक्र किया है। पीसीबी ने लिखा, 'तैयार हो जाओ पाकिस्तान। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का ट्रॉफी टूर 16 नवंबर को इस्लामाबाद में शुरू होगा और स्कर्दू, मर्री, हुंजा और मुजफ्फराबाद का भी दौरा भी करेगा।'

चैंपियंस ट्रॉफी के मैचों के लिए जिन जगहों को चुना गया, उनमें ये जगह शामिल नहीं हैं। मैच कराची, लाहौर और रावलपिंडी में होने हैं, लेकिन पाकिस्तान की ट्वीट में उन जगहों को तवज्जो नहीं दिया गया। इससे साफ है कि वह भारत को भड़काने की कोशिश की जा रही है।

अनुस्तुप मजूमदार ने तेज गेंदबाज को सराहा

नई दिल्ली. बंगाल के कप्तान अनुस्तुप मजूमदार ने क्रिकेट के मैदान पर दमदार वापसी करने के लिए तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की सराहना की है। शमी करीब एक साल के बाद पेशेवर क्रिकेट में वापसी कर रहे हैं। शमी इंदौर के होल्कर स्टेडियम में मध्य प्रदेश के खिलाफ खेले जा रहे रणजी ट्रॉफी के पांचवें दौर के मुकाबले से मैदान पर वापसी की है।भारत के स्टार तेज गेंदबाज शमी ने वापसी पर चमक बिखेरी और 19 ओवर में 54 रन देकर चार विकेट लिए जिससे बंगाल ने मध्य प्रदेश को 167 रन पर समेटा। शमी पिछले साल वनडे विश्व कप के फाइनल के बाद पहली बार खेलने उतरे हैं। शमी की शानदार वापसी पर बंगाल के कप्तान मजूमदार ने खुलासा करते हुए बताया कि किस तरह शमी शुभ्रांशु सेनापति और रजत पटीदार के बीच साझेदारी तोड़ने के लिए बेताब थे।

चैंपियनशिप छीनने वाला प्लेयर होगा रिटायर

नई दिल्ली.

न्यूजीलैंड के दिग्गज क्रिकेटर टिम सउदी ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने का निर्णय कर लिया है. वो इंग्लैंड के खिलाफ आगामी टेस्ट सीरीज में आखिरी बार खेलते दिखेंगे. न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने शुक्रवार को इस बाबत जानकारी दी.

यदि कीवी टीम वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025 में पहुंचती है तो सउदी उस मुकाबले के लिए उपलब्ध रहेंगे. टेस्ट चैंपियनशिप की खिताबी भिड़ंत अगले साल जून में खेली जानी है.

टिम सउदी हैमिल्टन में स्थित अपने होम ग्राउंड सेडोन पार्क में एक यादगार जीत के साथ अपने टेस्ट करियर को अलविदा कह सकते हैं. सउदी क्रिसमस के बाद तय करेंगे कि वो श्रीलंका के खिलाफ व्हाइट बॉल सीरीज में खेलेंगे या नहीं. वो चाहे टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कहने वाले हैं, लेकिन फिलहाल डोमेस्टिक और फ्रैंचाइजी क्रिकेट खेलते रहने की पुष्टि कर फैंस को खुश होने की वजह भी दी है.

टिम सउदी पिछले 18 साल से न्यूजीलैंड टीम के लिए खेलते आ रहे हैं. उन्होंने रिटायरमेंट की घोषणा पर कहा, "न्यूजीलैंड के लिए खेलने का सपना मैंने बचपन में देखा था. 18 साल तक अपने देश का प्रतिनिधित्व करना बहुत बड़ा सम्मान है, लेकिन अब इस खेल से दूर होने का समय आ गया है जिसने मुझे बहुत कुछ दिया है. टेस्ट क्रिकेट के लिए मेरे दिल में एक खास जगह है. मैं अब उसी टीम (इंग्लैंड) के खिलाफ अपने करियर का समापन करने जा रहा हूं, जिसके खिलाफ इसकी शुरुआत हुई थी. ये तीनों ग्राउंड मेरे लिए बहुत खास हैं और यह रिटायर होने के लिए एकदम सटीक समय प्रतीत होता है.

इतिहास पर गौर करें तो साल 2021 में सबसे पहला वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेला गया था. उस भिड़ंत में कीवी टीम 8 विकेट से जीत दर्ज कर टेस्ट चैंपियनशिप जीतने वाली पहली टीम बनी थी. दरअसल उस भिड़ंत की पहली पारी में टिम सउदी केवल एक विकेट ले पाए थे. मगर जब भारतीय टीम को दूसरी पारी में बड़ा स्कोर करने की जरूरत थी, तब सउदी ने रोहित शर्मा और शुभमन गिल समेत 4 भारतीय बल्लेबाजों को पवेलियन भेजा था. मुकाबले में कुल 5 विकेट लेकर उन्होंने टीम इंडिया को वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप जीत से दूर ले जाने का काम किया था.

सउदी एक गेंदबाजी ऑलराउंडर रहे हैं, जो समय-समय पर बड़ी पारी भी खेलते आए हैं. टेस्ट क्रिकेट में उन्होंने इतने सिक्स लगाए हैं कि वो इस मामले में रोहित शर्मा और वीरेंद्र सहवाग जैसे पावर हिटिंग करने वाले भारतीय दिग्गजों से भी आगे हैं. टेस्ट मैचों में उनके नाम 93 छक्के हैं, जबकि सहवाग और रोहित के नाम क्रमशः 91 और 88 सिक्स हैं.

आशुतोष शर्मा के लिए अधिक महत्वपूर्ण है टीम की जीत

नई दिल्ली.

इंडियन प्रीमियर लीग में अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से प्रभावित करने वाले आशुतोष शर्मा ने बृहस्पतिवार को बड़ी नीलामी से पहले भरोसा जताया कि वह अपने कौशल की बदौलत नई टीम के साथ शीर्ष क्रम में अच्छा प्रदर्शन करेंगे।

पिछले सत्र में विशेषज्ञ बल्लेबाजों के नाकाम रहने के बावजूद पंजाब किंग्स की टीम अच्छा प्रदर्शन करने में नाकाम रही लेकिन 26 साल के आशुतोष ने इस दौरान प्रभावी प्रदर्शन किया। दाएं हाथ के बल्लेबाज आशुतोष ने निचले क्रम में 167.25 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए और कहा कि वह शीर्ष क्रम में भी अच्छा प्रदर्शन करने को तैयार हैं।आशुतोष ने पीटीआई को दिए साक्षात्कार में कहा, ''मेरा सोचना है कि टीम को जहां भी मेरी जरूरत होगी मैं वहां बल्लेबाजी कर सकता हूं। मैंने घरेलू क्रिकेट में हर क्रम पर बल्लेबाजी की है। मैंने कभी यह मानसिकता नहीं बनाई कि मुझे सिर्फ निचले क्रम में बल्लेबाजी करनी है।''

उन्होंने कहा, ''मैं कहीं भी बल्लेबाजी कर सकता हूं। मुझे बस अपना काम अच्छी तरह करना है और टीम को जीत दिलानी है।'' आशुतोष ने कहा कि उन्होंने आईपीएल में ही मैच को फिनिश करने की कला सीखी, चाहे आप पहले बल्लेबाजी करें या बाद में। उन्होंने कहा, ''मैं घरेलू क्रिकेट में भी बल्लेबाजी क्रम में इसी नंबर पर बल्लेबाजी करता था लेकिन मैच को कैसे फिनिश करना है यह मुझे आईपीएल में ही समझ में आया।

आशुतोष ने अपनी सफलता का श्रेय भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज और पंजाब किंग्स के कप्तान शिखर धवन को दिया। उन्होंने कहा, ''मैं अपने पहले आईपीएल शिविर के दौरान शिखर भाई से मिला था। उन्होंने मुझे मानसिकता, आत्मविश्वास के महत्व के बारे में बहुत सी बातें बताईं और उसके बाद मैंने उनसे नियमित रूप से बात की और बहुत कुछ सीखा।

भारत करेगा चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी ?

नई दिल्ली.

चैंपियंस ट्रॉफी मामले ने अब एक अलग ही मोड़ ले लिया है. इस टूर्नामेंट का आयोजन अब पाकिस्तान नहीं बल्कि भारत में हो सकता है. यह अपडेट ऐसे समय में आया है जब चैंपियंस ट्रॉफी पर भारत-पाकिस्तान आमने-सामने हैं और पीसीबी धमकी तक दे चुका है कि अगर टीम इंडिया चैंपियंस ट्रॉफी खेलने पाकिस्तान नहीं आती है तो वह भविष्य में उसके साथ कोई मैच नहीं खेलेगा.

बताते चलें कि टूर्नामेंट को पाकिस्तान से बाहर शिफ्ट किए जाने की अटकलें जोर पकड़ रही हैं. अगर पाकिस्तान चैंपियंस ट्रॉफी से नाम वापस लेता है, ऐसी स्थिति में पूरे टूर्नामेंट को ही पाकिस्तान से बाहर शिफ्ट किया जा सकता है. पिछले दिनों दक्षिण अफ्रीका को चैंपियंस ट्रॉफी के संभावित मेजबान के रूप में देखा जा रहा था, लेकिन स्पोर्ट्स तक की एक रिपोर्ट अनुसार अफ्रीका का विकल्प अब समाप्त हो गया है क्योंकि चैंपियंस ट्रॉफी से कुछ दिन पहले ही लीग का समापन होगा और समय रहते पिचों की मरम्मत नहीं हो पाएगी.

आखिरी आईसीसी इवेंट 1996 का वर्ल्ड कप था

साल 2008 में हुए मुंबई आतंकी हमले के बाद भारतीय टीम कभी पाकिस्तान में कोई मैच या सीरीज खेलने नहीं गई है. वहीं चैंपियंस ट्रॉफी 2025, पिछले 29 सालों में ऐसा पहला आईसीसी टूर्नामेंट होने वाला है जिसकी मेजबानी पाकिस्तान को मिली. मगर भारत के रुख के कारण पाकिस्तान का यह इंतजार अभी और अधिक लंबा चल सकता है. पाकिस्तान में आयोजित हुआ कोई आखिरी आईसीसी इवेंट 1996 का वर्ल्ड कप था.

इसी रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया कि पाकिस्तान अगर टूर्नामेंट से नाम वापस लेता है या हाइब्रिड मॉडल को स्वीकार करने से इनकार करता है तो इसकी मेजबानी भारत को सौंपी जा सकती है. यहां तक कि इस विषय में बीसीसीआई के साथ चर्चा भी शुरू हो गई है. याद दिला दें कि कुछ दिन पहले ही पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने बीसीसीआई से जवाब मांगा था कि आखिर टीम इंडिया के पाकिस्तान ना आने का कारण क्या है? इस संबंध में बीसीसीआई ने आधिकारिक पत्र भी तैयार कर लिया है कि वह सुरक्षा कारणों से अपनी टीम को सरहद पार नहीं भेजना चाहता.

पढ़ाई, कमाई और दवाई' आदिवासी लोगों के लिए प्राथमिकता

> जमुई में बिरसा मुंडा की जयंती पर बोले पीएम मोदी
> 6,640 करोड़की कई विकास परियोजनाओं का किया उद्घाटन

जमुई।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आदिवासी नायक बिरसा मुंडा की जयंती के अवसर पर बिहार के जमुई से 6,640 करोड़ रुपये की लागत वाली कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। मोदी बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर आयोजित एक समारोह में भाग लेने के लिए जमुई आए थे। बिरसा मुंडा एक महान स्वतंत्रता सेनानी थे, जिन्हें छोटानागपुर पठार के आदिवासी समुदाय के लोग प्रेमपूर्वक 'भगवान' कहते हैं।

मोदी ने राज्य की राजधानी से लगभग 200 किलोमीटर दूर जमुई जिले के एक सुदूर गांव में 'जनजातीय गौरव दिवस' के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में हिस्सा लिया। वर्ष 2021 से बिरसा मुंडा की जयंती को 'जनजातीय गौरव दिवस' के रूप में मनाया जाता है। उन्होंने मुंडा के सम्मान में एक स्मारक सिक्का और

डाक टिकट का अनावरण भी किया।

उन्होंने पीएम जनजातीय आदिवासी न्याय महा अभियान (पीएम-जनमन) के तहत आदिवासी परिवारों के लिए बनाए गए 11,000 घरों के 'गृह प्रवेश' में भी वर्चुअल माध्यम से भाग लिया। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, प्रधानमंत्री ने जिन विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया, वे आदिवासी क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और आजीविका सृजन में सुधार पर केंद्रित हैं।

उन्होंने दूरदराज के आदिवासी क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवा पहुंच बढ़ाने के लिए पीएम-जनमन के तहत 23 चल चिकित्सा इकाइयों (एमएमयू) और 'धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान' (डीएजेजीयूए) के तहत 30 अतिरिक्त एमएमयू की शुरुआत की। मोदी ने 10 एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों और 300 वन धन विकास केंद्रों का उद्घाटन किया, जिनका उद्देश्य उद्यमिता को बढ़ावा देना और आजीविका में सुधार करना है।

उन्होंने मध्यप्रदेश के छिंदवाड़ा और जबलपुर में दो आदिवासी स्वतंत्रता सेनानी संग्रहालयों और श्रीनगर तथा गंगटोक में दो आदिवासी अनुसंधान संस्थानों का भी उद्घाटन किया, ताकि आदिवासी समुदायों के इतिहास का दस्तावेजीकरण और संरक्षण किया जा सके। प्रधानमंत्री का एक सप्ताह से भी कम समय में बिहार का यह दूसरा दौरा है। इससे पहले उन्होंने बुधवार को राज्य के उत्तरी क्षेत्र के प्रमुख शहरों में से एक दरभंगा में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) की आधारशिला रखी थी। जमुई की सीमा झारखंड से लगती है, जहां विधानसभा चुनाव हो रहे हैं।

विपक्ष पर बोला हमला

पीएम मोदी ने कहा, अनेक आदिवासी नेताओं ने स्वतंत्रता संघर्ष में अहम भूमिका निभाई थी। मोदी ने आरोप लगाया कि पिछली सरकारों ने कभी आदिवासी लोगों के कल्याण के लिए काम नहीं किया। उन्होंने कहा, ''हमारी शीर्ष प्राथमिकता आदिवासी लोगों के लिए 'पढ़ाई, कमाई और दवाई' है। उन्होंने कहा,हमने आदिवासी कल्याण के लिए अलग मंत्रालय बनाया, तथा बजट 25,000 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 1.25 लाख करोड़ रुपये किया। हमने अनेक प्रावधानों को सरल बनाया, आदिवासियों के फायदे के लिए 90 वन उत्पादों का न्यूनतम साझा मूल्य (एमएसपी) तय किया।''

लेखिका हार्वे ने जीता बुकर पुरस्कार

लंदन। साहित्य का जाना माना बुकर पुरस्कार वर्ष 2024 में ब्रिटेन की लेखिका सामंथा हार्वे को उनके उपन्यास 'ऑर्बिटल' के लिए दिया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार यह उपन्यास अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर एक दिन की कहानी है, जिसे उन्होंने कोविड-19 लॉकडाउन के दौरान लिखा है। सामंथा हार्वे 2019 के बाद यह पुरस्कार जीतने वाली पहली महिला हैं।

हार्वे को लंदन के ओल्ड बिलिंग्सगेट में एक समारोह में विजेता घोषित किया गया। यह यूके में शॉर्टलिस्ट पर सबसे अधिक बिकने वाली किताब है और इसने अपनी सफलता की पूर्व संध्या तक, पिछले तीन बुकर विजेताओं को भी पीछे छोड़ दिया है। उन्होंने यह पुरस्कार उन सभी लोगों को समर्पित किया जो पृथ्वी के पक्ष में बोलते हैं, न कि उसके ख़िलाफ़, और शांति के लिए काम करते हैं।

उन्होंने कहा कि किताब लिखते समय उन्होंने खुद से सवाल किया, विल्टशायर में अपने डेस्क पर बैठी किसी महिला से कोई अंतरिक्ष के बारे में लिखते हुए क्यों सुनना चाहेगा, जबकि लोग वास्तव में वहां रहे हैं? उन्होंने कहा, ''मैंने इससे अपना आपा खो दिया और मुझे लगा कि मेरे पास इस विषय पर लिखने का अधिकार नहीं है।''

पीएम मोदी के पास कई 'वैश्विक' पुरुस्कार

नई दिल्ली।

भारतीय प्रधानमंत्री पीएम मोदी की लोकप्रियता दुनियाभर में लगातार बढ़ रही है। हाल ही में डोमिनिका ने घोषणा की थी कि वह कोविड-19 महामारी से लड़ने में मदद करने के लिए भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र को अपना सर्वोच्च राष्ट्रीय पुरुस्कार प्रदान करेगा। डोमिनिका की सरकार के मुताबिक दोनों देशो के बीच मजबूत साझेदारी को और मजबूत करने के लिए पीएम मोदी को डोमिनिका अवॉर्ड ऑफ ऑनर दिया जाएगा।

यह पहली बार नहीं है जब पीएम मोदी को किसी देश का सर्वोच्च नागरिक सम्मान दिया गया है। पीएम मोदी को रूस से लेकर अमेरिका तक कई देशों के प्रतिष्ठित सम्मानों से नवाजा गया है। हाल ही में रूस दौरे पर गए पीएम मोदी को रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने सर्वोच्च नागरिक सम्मान ऑर्डर ऑफ सेंट एंड्रयू द अपोस्टल से सम्मानित किया था। इसके अलावा भी पीएम मोदी को कई पुरुस्कारों से सम्मानित किया गया है। पीएम के पास रूस ऑर्डर ऑफ सेंट एंड्रयू द एपोस्टल, ग्रैंड क्रॉस ऑफ द लीजन ऑफ ऑनर, ऑर्डर ऑफ नाइल, .ग्रैंड कम्पैनियन ऑफ द ऑर्डर ऑफ लोगोहू, कम्पैनियन ऑफ द ऑर्डर ऑफ फिजी, एबाकल अवार्ड, ऑर्डर ऑफ द डुक ग्यालपो, ग्लोबल एनर्जी एंड एनवायरमेंट लीडरशिप अवार्ड, लीजन ऑफ मेरिट, ग्लोबल गोलकीपर अवार्ड इन अवार्ड्स के अलावा भी पीएम मोदी को कई अन्य पुरुस्कारों से भी सम्मानित किया गया है।

हमलावरों ने बर्बाद कर दिया भारत का विज्ञान

> इन्फोसिस के संस्थापक ने कहा

बेंगलुरु।

आईटी कंपनी इन्फोसिस के संस्थापक नारायणमूर्ति का कहना है कि भारत यदि विज्ञान पिछड़ गया तो इसकी वजह यह रही 1000 साल तक हमलावरों का राज रहा। उन्होंने कहा कि 1000 साल की अवधि में भारत को विज्ञान में पीछे रह गया और यहां माहौल ऐसा रहा कि युवाओं की उस दिशा में सोच ही विकसित नहीं हो सकी। उन्होंने कहा कि 1000 ईसवी से 1947 तक का काल ऐसा था, जिसमें साइंस को लेकर सोच विकसित नहीं हो सकी। इस दौरान साइंस को लेकर विचार नहीं पनपा और विश्लेषणात्मक सोच का अभाव रहा। यही कारण रहा कि इस अवधि में भारत में नवाचार, आविष्कार या शोध नहीं दिखते।

नारायणमूर्ति ने 2024 इन्फोसिस साइंस प्राइजेज सेरेमनी के दौरान दिए वर्चुअल भाषण में ये बातें कहीं। इजरायल के पूर्व नेता शिमोन पेरेज के भाषण का भी उन्होंने जिक्र किया। पेरेज ने कहा था, 'इज़राइल में हमने अपनी सबसे बड़ी धरोहर को पहचाना है और वह हमारा दिमाग। हमने रचनात्मकता, नवाचार और नए आविष्कारों के माध्यम से बंजर रेगिस्तानों को फलते-फूलते खेतों में बदल दिया और विज्ञान और प्रौद्योगिकी को नई ऊंचाइयां दीं और दुनिया का नेतृत्व

किया।' मूर्ति ने कहा किसी भी देश के विकास के लिए ऐसे विचार क्रांतिकारी हैं। इसके आगे वह कहते हैं कि इतिहास बताता है कि एक दौर में भारत गणित, विज्ञान, अंतरिक्ष विज्ञान, इंजीनियरिंग, मेडिसिन और सर्जरी में अग्रणी था। वैदिक काल से तब तक ऐसी स्थिति थी, जब तक हमलावरों ने भारत पर आकर कब्जा नहीं किया। 700 से 1520 ई. तक उज्बेकिस्तान से अफगानिस्तान तक के हमलवारों ने अटैक किए और यहां सत्ता भी कायम की। इसके बाद अंग्रेज आ गए, जिन्होंने भारत को अपना उपनिवेश ही बना लिया था। उन्होंने कहा कि जो हमलावर आए थे, उनका साइंस, मैथ से कोई लेना-देना नहीं था। हालांकि उनकी तुलना में अंग्रेजों ने भारतीयों को महत्वाकांक्षी कामों के लिए कुछ हद तक प्रोत्साहित भी किया।

सुको का नया रोस्टर जारी

नई दिल्ली.

सुप्रीम कोर्ट के नए चीफ जस्टिस संजीव खन्ना ने कोर्ट की 16 पीठों के लिए नया रोस्टर जारी किया है. रोस्टर के मुताबिक, चीफ जस्टिस और दो सबसे सीनियर जजों की अगुआई वाली अदालतें जनहित और पत्र याचिकाओं पर सुनवाई करेंगी. नए मुकदमों के आवंटन के लिए ये रोस्टर चीफ जस्टिस के आदेश के तहत सुप्रीम कोर्ट रजिस्ट्री ने अधिसूचित किया है. यह रोस्टर 11 नवंबर से ही प्रभावी हो गया है.

कई गंभीर मसलों पर नागरिक सुप्रीम कोर्ट को चिट्ठी लिखते हैं. जनहित याचिकाओं यानी पीआईएल पर खुद चीफ जस्टिस और उनके साथ वरिष्ठता क्रम में जस्टिस भूषण आर गवई और जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच सुनवाई करेगी. पत्र याचिकाओं और जनहित याचिकाओं के अलावा, विषयवार सीजेआई की अगुआई वाली बेंच सामाजिक न्याय से संबंधित मामले, राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति के चुनाव से संबंधित विवाद और सांसदों-विधायकों के चुनाव से संबंधित अन्य मामले, बंदी प्रत्यक्षीकरण मामले और मध्यस्थता से जुड़े मुकदमों पर सुनवाई करेगी.

जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच चुनाव संबंधी याचिकाओं पर सुनवाई करेगी. पूर्व सीजेआई यूयू ललित सभी पीठों को जनहित याचिकाएं आवंटित कर रहे थे लेकिन उनके बाद यह प्रोसेस बंद हो गया. उनके बाद जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने मुकदमों के आवंटन के लिए ज्यादा विविधतापूर्ण और लचीला नजरिया अपनाया.

जेपी नड्डा पर नाराज हुए गुरुद्वारे के सेवादार

> भीड़ से कीर्तन में खलल का आरोप

मुंबई।

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के प्रचार में जुटे जेपी नड्डा शुक्रवार को ठाणे स्थित एक गुरुद्वारे में पहुंचे थे। इस दौरान उनके साथ बड़ी संख्या में नेता पहुंचे तो कीर्तन में खलल पड़ गया और इससे वहां मौजूद सेवादार भड़क गए। सेवादारों की नाराजगी के बीच ही जेपी नड्डा वहां से भाजपा नेताओं के साथ निकल गए। गुरुनानक जयंती पर वह तिनहट नाका इलाके में स्थित गुरुद्वारे में पहुंचे थे। नानक जयंती के चलते यहां बड़े पैमाने पर भीड़ थी और सेवादारों का कहना है कि जेपी नड्डा के साथ तमाम नेता पहुंचे थे। इसके चलते कीर्तन में खलल पहुंचा।

जेपी नड्डा के साथ ठाणे शह के विधायक और भाजपा कैंडिडेट संजय केलकर, ठाणे शहर के भाजपा अध्यक्ष संजय वाघुले, विधान परिषद के मेंबर निरंजन डावखरे समेत कई नेता मौजूद थे।

रिपोर्ट के अनुसार गुरुद्वारे में दर्शन करने और मत्था टेकने के बाद

वह भाजपा नेताओं के साथ तस्वीर के लिए खड़े हो गए थे। इस दौरान वहां बड़ी संख्या में लोग जुटे थे और कहा जा रहा है कि सेवादार इससे नाराज हो गए। उनका कहना था कि इसके चलते कीर्तन में बाधा पहुंची थी। कहा यह भी जा रहा है कि जेपी नड्डा के चलते कुछ श्रद्धालुओं को रोका गया था, इससे भी वहां मौजूद सेवादारों को आपत्ति हुई।

इस पर उन्होंने जेपी नड्डा समेत भाजपा नेताओं और पदाधिकारियों को बाहर जाने को कहा। सेवादारों के नाराज होते ही नड्डा और उनके साथ मौजूद सभी नेता, विधायक, पदाधिकारी गुरुद्वारा छोड़कर चले गए। भीड़ से निकलते हुए नड्डा का एक वीडियो सामने आया है। गुरुद्वारा से निकलने के बाद अब नड्डा दूसरे कार्यक्रम पहुंचे हैं और वहां लोगों को संबोधित कर रहे हैं। हालांकि ठाणे में सेवादारों की नाराजगी की चर्चा भी राजनीतिक हलकों में हो रही है। इस मामले में अब तक जेपी नड्डा या उनके ऑफिस से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

वायनाड लैंडस्लाइड नहीं होगा राष्ट्रीय आपदा घोषित

> केंद्र सरकार साफ कर दिया इनकार

नई दिल्ली.

केंद्र ने वायनाड लैंडस्लाइड को राष्ट्रीय आपदा घोषित करने से साफ इनकार कर दिया है। इसको लेकर 10 नवंबर को गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने केरल सरकार को लेटर लिखा। इसमें उन्होंने कहा कि एसडीआरएफ-एनडीआरएफ के मौजूदा दिशा-निर्देशों के तहत किसी भी आपदा को राष्ट्रीय आपदा घोषित करने का कोई प्रावधान नहीं है। अगस्त में राज्य सरकार ने प्रधानमंत्री मोदी को पत्र लिखकर वायनाड लैंडस्लाइड को राष्ट्रीय आपदा घोषित करने की मांग की थी। इसके अलावा राहुल गांधी ने भी 7 अगस्त को लोकसभा में यही मांग की थी।

दरअसल, वायनाड में 29 जुलाई की रात करीब 2 बजे और 4 बजे के बीच मुंडक्कई, चूरलमाला, अट्टामाला और नूलपुझा गांवों में लैंडस्लाइड हुए थे। इसमें 400 से ज्यादा लोगों की

मौत हुई थी। इसपर कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी नेकहा कि वायनाड लैंडस्लाइड से हुई तबाही के बावजूद भाजपा सरकार इसे राष्ट्रीय आपदा घोषित करने से इनकार कर रही है। यह केवल लापरवाही नहीं है, यह उन लोगों के साथ अन्याय है, जिन्होंने अकल्पनीय नुकसान झेला है। वायनाड के लोग इससे बेहतर के हकदार हैं। प्रियंका ने कहा कि पीएम मोदी ने त्रासदी के समय वायनाड का दौरा किया था और उन्होंने तबाही के असर को खुद देखा। फिर भी उनकी सरकार राजनीति कर रही है और सहायता रोक रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि हिमाचल प्रदेश के लोगों के साथ भी ऐसा ही किया गया, जब वे बहुत संकट में थे।

दिल्ली में लागू हुआ ग्रैप-3

> राजधानी में रहेंगी कई पांबदियां

नई दिल्ली.

दिल्ली एनसीआर की हवा अब रिकॉर्ड जहरीली हो गई है. हालात ऐसे हैं कि अब लोगों को सांस लेने में प्रोबलम होने लगी है. कई इलाकों में हवा की गुणवत्ता (एक्यूआई) 450 के पार पहुंच चुकी है. जिसके चलते सरकारें भी सख्ते में हैं. साथ ही वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग को कुछ कड़े कदम उठाने के लिए निर्देशित किया है.

जिसके बाद आयोग ने शुक्रवार से यानि शुक्रवार से ही दिल्ली-एनसीआर में ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (ग्रैप) के तीसरे चरण को लागू करने का फैसला किया है. जिसमें कई कड़े फैसले लिए गए हैं. जैसे पांचवीं तक के सभी स्कूलों को तत्काल प्रभाव से बंद करने के लिए कहा गया है. साथ ही ऑनलाइन क्लास देने के लिए निर्देशित किया गया है.

ग्रैप-3 के लागू होने के वजह से दिल्ली-एनसीआर में अन्य राज्यों से आने वाली सभी अंतरराज्यी बसों, इलेक्ट्रिक और सीएनजी गाड़ियों, बीएस- 6 डीजल बसों को छोड़कर

अन्य वाहनों का दिल्ली में प्रवेश पर बैन लगा दिया गया है. दिल्ली, गुरुग्राम, फरीदाबाद, गाजियाबाद और गौतम बुद्ध नगर जिलों में बीएस-3 पेट्रोल और बीएस-4 डीजल गाडियों के चलने पर बैन रहेगा.

इसके अलावा पेंटिंग-वेल्डिंग और गैस कटिंग जैसे कामों पर भी पाबंदी होगी. इस दौरान मलबे को एक जगह से दूसरे जगह ले जानी की भी मनाही होगी. सीमेंट, प्लास्टर और कोटिंग जैसे कामों को भी अगले आदेश तक के लिए रोक दिया गया है. सड़क निर्माण और अन्य मरम्मत कार्य भी इस दौरान बंद रहेंगे.

दिल्ली एनसीआर में ग्रैप-3 के तहत अब गैर-जरूरी खनन कार्यों को भी अगले आदेश तक के लिए बंद कर दिया गया है. ग्रैप-3 के तहत अंतरराज्यीय बसों पर प्रतिबंध रहेगा. हालांकि बीएस-VI डीजल मानकों के अनुरूप पेट्रोल-डीजल बसों को चलाने की अनुमति रहेगी. ग्रैप-3 के तहत शैक्षणिक संस्थान वर्चुअल लर्निंग प्लेटफ़ॉर्म पर शिफ्ट कर दिए जाएंगे. राजधानी दिल्ली में आज से सभी प्राइमरी स्कूलों को ऑनलाइन मोड पर शिफ्ट कर दिया गया है.

बांसेरा पार्क में बिरसा मुंडा की प्रतिमा का अनावरण

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को यहां रिंग रोड स्थित बांसेरा पार्क के प्रवेश द्वार पर महान आदिवासी नेता बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर उनकी प्रतिमा का अनावरण किया और कहा कि 15 नवंबर 2025 तक पूरा वर्ष ''आदिवासी गौरव दिन'' के रूप में मनाया जाएगा।

शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2021 में घोषणा की थी कि भारत हमेशा इस दिन को आदिवासी गौरव दिन'' के रूप में मनाएगा क्योंकि भगवान बिरसा मुंडा का जन्म इसी दिन झारखंड में हुआ था। शाह ने कहा, मुंडा की 150वीं जयंती के अवसर पर आज से 15 नवंबर तक पूरा वर्ष आदिवासी गौरव दिन के रूप में मनाया जाएगा।

उन्होंने कहा,भगवान बिरसा मुंडा के जीवन को हम दो भागों में बांटकर देख सकते हैं। एक, आदिवासी संस्कृति की रक्षा और दूसरा, देश की आजादी के लिए सर्वोच्च बलिदान देने का जज्बा।

रूस-यूक्रेन युद्ध खत्म करेंगे ट्रंप!

वाशिंगटन।

अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस-यूक्रेन युद्ध में जनहानि होने पर अफसोस जताते हुए कहा है कि उनका प्रशासन इस युद्ध को समाप्त करने पर ध्यान केंद्रित करेगा। ट्रंप ने साथ ही कहा कि उनका प्रशासन पश्चिम एशिया में शांति लाने के लिए भी काम करेगा।

उन्होंने बृहस्पतिवार को 'अमेरिका फर्स्ट पॉलिसी इंस्टीट्यूट' के लिए अपने 'मार-ए-लागो एस्टेट' आवास में आयोजित एक समारोह में कहा, हम पश्चिम एशिया (में शांति) के लिए काम कर रहे हैं और हम रूस और यूक्रेन पर बहुत मेहनत करेंगे। इसे रोकना होगा। ट्रंप ने पांच नवंबर को देश में हुए राष्ट्रपति पद के चुनावों में उनकी शानदार जीत के बाद पहली बार सार्वजनिक रूप से उपस्थित होकर पहला बड़ा भाषण देते हुए कहा, रूस और यूक्रेन को रुकना होगा। मैंने आज एक रिपोर्ट देखी। पिछले तीन दिन में हजारों लोग मारे गए। कई हजार लोग मारे गए। वे सैनिक थे। चाहे वे (मारे गए लोग) सैनिक हों या शहरों में बैठे लोग हों, हम इस (युद्ध रोकने पर) दिशा में काम करेंगे।

नव-निर्वाचित राष्ट्रपति ने कई बार कहा है कि उनकी प्राथमिकता युद्ध को समाप्त करना तथा यूक्रेन को दी जा रही सैन्य सहायता के रूप में हो रही अमेरिकी संसाधनों की बर्बादी को रोकना है। इस बीच ट्रंप के पिछले कार्यकाल में उप सहायक के रूप में कार्य कर चुकीं लीसा कर्टिस ने कहा कि यूक्रेन में युद्ध को इस तरह से समाप्त करने की आवश्यकता है जिससे अन्य देशों को अपने पड़ोसियों पर अवैध रूप से आक्रमण करने के लिए प्रोत्साहन न मिले। कर्टिस ने कहा, (नवनिर्वाचित) राष्ट्रपति ट्रंप ने अमेरिका के अन्य पूर्व राष्ट्रपतियों की तुलना में (रूस के) राष्ट्रपति (व्लादिमीर) पुतिन के बारे में अधिक सकारात्मक बातें की हैं। उन्होंने रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध को समाप्त करने की कोशिश करने की भी बात की है। हमें अभी यह नहीं पता है कि वह ऐसा किस तरह करेंगे।

जल्द ही लॉन्च होगा 'मिशन निसार'

> नासा और इसरो मिलकर कर रहा है काम

नई दिल्ली.

अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा और भारत की अंतरिक्ष एजेंसी इसरो मिलकर एक बहुत ही महत्वपूर्ण स्पेस मिशन पर काम कर रहे हैं, जिसके पूरा होने के बाद धरती पर आनी वाली प्राकृतिक आपदाओं का काफी हद तक पहले ही अनुमान लगाया जा सकेगा। इसके लिए नासा और इसरो एक बेहद ही ताकतवर मिसाइल का निर्माण कर रहे हैं।

यह प्रोजेक्ट अंतिम चरण में है और इसे जल्द ही लॉन्च भी कर दिया जाएगा। रिपोर्ट्स की मानें को इस सैटेलाइट को नए साल की शुरुआत में लॉन्च किया जाएगा। इसका नाम नासा-इसरो सिंथेटिक अपर्चर रडार, निसार दिया गया है। हाल ही में नासा ने सैटेलाइट के रडार एंटीना रिफ्लेक्टर को भारत पहुंचाया है। अंतरिक्ष में तैनात किए जाने के बाद इस सैटेलाइट की मदद से भूकंप, भूस्खलन, तूफान,

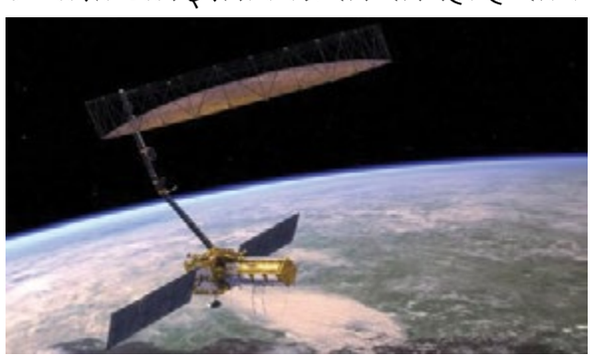

बिजली गिरने जैसी आपदाओं के बारे में जानकारी मिल सकेगी। साथ ही ज्वालामुखी विस्फोट और धरती के भीतर की प्लेटों की गतिविधियों पर भी नजर रखेगा।

नासा और इसरो ने 30 सितंबर 2014 को निसार मिशन पर सहयोग करने और इसे लॉन्च करने के लिए साझेदारी की थी। मिशन को 2024 में लॉन्च करने का लक्ष्य रखा गया है। नासा मिशन के L-बैंड सिंथेटिक अपर्चर रडार, विज्ञान डेटा के लिए एक हाई रेट कम्युनिकेशन सबसिस्टम, जीपीएस रिसीवर, एक सॉलिड-स्टेट रिकॉर्डर और पेलोड डेटा सबसिस्टम प्रदान कर रहा है। वहीं, इसरो इस मिशन के लिए अंतरिक्ष यान बस, यस-बैंड रडार, लॉन्च वाहन और संबंधित लॉन्च सेवाएं प्रदान कर रहा है।

दो राज्यों में नया बवाल

चंडीगढ़।

पंजाब के वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा के नेतृत्व में आम आदमी पार्टी (आप) के एक प्रतिनिधिमंडल ने शुक्रवार को पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया को एक ज्ञापन सौंपा है, जिसमें चंडीगढ़ में हरियाणा विधान सभा परिसर स्थापित करने के प्रस्ताव का कड़ा विरोध दर्ज कराया गया है। प्रतिनिधिमंडल में मंत्री हरजोत बैंस, आप नेता दीपक बाली और परमिंदर सिंह गोल्डी शामिल थे।

राजभवन के बाहर एक प्रेस वार्ता में मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कहा कि यह मामला पंजाब के लिए बेहद महत्वपूर्ण है क्योंकि चंडीगढ़ पंजाब की राजधानी है और पूरी तरह से राज्य का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि पंजाब की आप सरकार हरियाणा विधानसभा के निर्माण के लिये चंडीगढ़ में जमीन आवंटित करने के किसी भी फैसले का दृढ़तापूर्वक विरोध करती है।

चीमा ने कहा कि चंडीगढ़ कायदे से सिर्फ पंजाब की राजधानी है। किसी अन्य राज्य को यहां अपनी विधानसभा बनाने का कोई अधिकार नहीं है। हरियाणा सरकार ने पंचकुला में 12 एकड़ के बदले चंडीगढ़ में 10 एकड़ जमीन मांगी है। यह प्रस्ताव चंडीगढ़ में अपना विधानसभा परिसर स्थापित करने के उनके स्पष्ट एजेंडे का हिस्सा है, जो हमें स्वीकार नहीं है। उन्होंने दो टूक कहा कि चंडीगढ़ का एक इंच भी जमीन हरियाणा को नहीं दिया जाना चाहिए। उन्होंने बताया कि पिछली सरकारें चंडीगढ़ के संबंध में पंजाब के हितों की रक्षा करने में विफल रही हैं।

सुको ने महिला सरपंच को किया बहाल

> छत्तीसगढ़ सरकार पर ठोका जुर्माना

नई दिल्ली।

सुप्रीम कोर्ट ने छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा एक सुदूरवर्ती गांव की निर्वाचित महिला सरपंच को 'अनुचित कारणों' से हटाने पर नाखुशी जताई है। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि राज्य सरकार चाहती है कि सरपंच ''बाबू (नौकरशाह) के सामने भीख का कटोरा लेकर जाए''। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस उज्जल भुइयां की बेंच ने जशपुर जिले के एक गांव की महिला सरपंच सोनम लकड़ा को हुए मानसिक उत्पीड़न के लिए राज्य सरकार पर 1 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है, जिसका भुगतान चार सप्ताह में किया जाना है।

बेंच ने कहा कि यह एक निर्वाचित सरपंच को हटाने में अधिकारियों की ओर से की गई मनमानी का मामला है, एक युवा महिला जिसने छत्तीसगढ़ के एक सुदूर क्षेत्र में अपने गांव की सेवा करने के बारे में सोचा था।

बेंच ने कहा कि उसकी प्रतिबद्धताओं की प्रशंसा करने या उसके साथ सहयोग करने अथवा उसके गांव के विकास के लिए उसके प्रयासों में मदद करने के बजाय, उसके साथ बिल्कुल अनुचित व्यवहार किया गया।

सुप्रीम कोर्ट ने निर्माण सामग्री की आपूर्ति और निर्माण कार्य पूरा होने में देरी के कारण उसे सरपंच के

पद से हटाने के लिए कार्यवाही शुरू करने को 'बेकार का बहाना' करार दिया।

अदालत ने अपने आदेश में कहा, निर्माण कार्यों में इंजीनियर, ठेकेदार और सामग्री की समय पर आपूर्ति के अलावा मौसम की अनिश्चितताएं शामिल होती हैं और इसलिए, निर्माण कार्यों में देरी के लिए सरपंच को कैसे जिम्मेदार ठहराया जा सकता है, जब तक कि यह नहीं पाया जाता कि काम के आवंटन या सौंपे गए किसी विशिष्ट कर्तव्य को करने में देरी हुई थी। बेंच ने कहा कि हम संतुष्ट हैं कि कार्यवाही शुरू करना एक बेबुनियाद बहाना था और अपीलकर्ता को झूठे बहाने से सरपंच के पद से हटा दिया गया।